नई दिल्ली
रविवार, 12 मई, 2024
वैशाख मास शुक्ल पक्ष, पंचमी वर्ष : 28, अंक : 31
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 38
न्यून. 27

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद सीएम डॉ. यादव का सबसे 'बेबाक' साक्षात्कार

पीएम का 10 साल का काम ही इतना अपार है कि उनके 'नाम' से ही मिल जाता है 'अपार समर्थन'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'

inh न्यूज विशेष

चुनाव बाद टीम में परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं

चुनाव के बाद स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है तो यहां भी ऐसे परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनाव परिणाम आने के बाद तय करेंगे क्या करना है। मंत्रिमंडल के साथ और भी कई नियुक्तियां होनी हैं।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव। चुनाव तक आते-आते डॉ. यादव के 100 दिन में कमाल के 100 काम रहे हैं। तीन-तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना। एयर एंबुलेंस एग्रीमेंट, एयर टैक्सी लगाना और धार्मिक स्थलों पर सुगमता से पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर की सुविधा। दस हजार लोगों को नियुक्ति पत्र देना और एमपी-पीएससी से चयनित 800 लोगों को एक साथ नियुक्ति दिलाना। खुले में मांस-मछली बेचने पर प्रतिबंध और ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का ▸▸ शेष पेज 5 पर

यह भी बोले डॉ. यादव

- *राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।*
- *अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कांग्रेस ने जो स्टैंड लिया है वो कांग्रेस के लिए आत्महत्या जैसा है। इसे कोई पसंद नहीं कर सकता है।*
- *मप्र सरकार ने 100 दिन में सौ से अधिक ऐसे फैसले लिए, जिनको जनता ने स्वीकार किया*

उनसे सीधी बात

सवाल : आप पहले के चुनाव में और अब के चुनाव में क्या अंतर देख रहे हैं?
जवाब : पहले जनता का समर्थन जुटाना बहुत कठिन होता था। इसके लिए बहुत ज्यादा मेहनत करना पड़ती थी इस बार के चुनाव में केवल पीएम नरेंद्र मोदी का नाम ही काफी है। उन्होंने बीते 10 सालों में इतना ज्यादा काम किया है कि उनका नाम लेते ही अपार जनसमर्थन मिल जाता है। जब हम उनकी बात करते हैं तो उनके इतने सारे काम हैं कि उसमें से क्या बताएं और क्या छोड़ें यही तय करना मुश्किल हो जाता है। जहां तक कांग्रेस की बात है तो वो हारी हुई लड़ाई लड़ रही है। राहुल गांधी, मणिशंकर अय्यर जैसे नेता पाकिस्तान की बात करते हैं। जब जनता घेरती है तो दोष भाजपा पर मढ़ने की कोशिश करते हैं।
सवाल: कहा जा रहा है कि पीएम मोदी संविधान बदलना चाहते हैं इसलिए 400 पार का नारा दिया?
जवाब : यदि संविधान बदलना था तो बीते दस साल में बदल देते। एनडीए को मिलाकर लगभग 400 सीटें तो थीं ही। हमें 370 हटाना थी हटा दी। ये सब बहुमत के चलते ही संभव हुआ है। अब मध्य प्रदेश में भी इस बार पूरी 29 की 29 लोकसभा सीटें जीत रहे हैं। ▸▸ शेष पेज 5 पर

DHIRSONS JEWELLERS PVT LTD
— DHIRAJ DHIR GROUP —
LAJPAT NAGAR-II: D-12, Central Market New Delhi - 110024, Ph: 47284728

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन दिए हैं। मैं पूरे देश में घूमूंगा। मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए

वार : तिहाड़ जेल से बाहर आते ही सीएम अरविंद केजरीवाल ऐसे हुए हमलावर

शाह को बनाया जाएगा प्रधानमंत्री योगी को हटाने की हो रही साजिश

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था

◆ केजरीवाल ने कहा कि पीएम मोदी ने एक खतरनाक मिशन शुरू किया है और वो है-वन नेशन वन लीडर। भाजपा ने अपने नेताओं का सफाया किया है।

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि सबको मेरा प्रणाम। 50 दिन बाद सीधा जेल से आपके पास आया हूं, अच्छा लग रहा है। बजरंगबली की कृपा है। आप के शीर्ष नेताओं को जेल भेजा गया। आप कुचलने में पीएम ने कसर नहीं छोड़ी।

मेरे को इन्होंने जेल भेज दिया। सबसे भ्रष्ट लोगों को इन्होंने अपनी पार्टी में शामिल कर लिया। केजरीवाल ने कहा कि मैं 140 करोड़ लोगों का साथ चाहता हूं। इस देश को बचाना है। मैं लोकतंत्र को बचाना चाहता हूं। मैं मंत्री, मुख्यमंत्री बनने नहीं आया नौकरी छोड़कर यहां आया हूं। मेरा देश के लिए सब कुछ कुर्बान है। ये इंडिया गठबंधन से पूछते हैं कि प्रधानमंत्री कौन होगा? मैं भाजपा से पूछता हूं कि इनका प्रधानमंत्री कौन ▸▸ शेष पेज 5 पर

आप कार्यालय में सीएम केजरीवाल ने मीडिया को संबोधित किया

भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो

केजरीवाल ने कहा कि भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़नी है तो केजरीवाल से सीखो। मैंने अपने नेता को भ्रष्टाचार के खिलाफ सीबीआई को सौंप दिया था। हमारा देश 4000 हजार साल पुराना है। जब भी देश में किसी ने तानाशाही की कोशिश की है। जनता ने उसे बाहर कर दिया। मैं उनके खिलाफ लड़ रहा हूं। देश के 140 करोड़ लोगों से भीख मांग रहा हूं। देश को बचा लो। सुप्रीम कोर्ट ने 21 दिन दिए हैं। ▸▸ शेष पेज 5 पर

पीएम मोदी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे इसमें कोई शंका नहीं

पलटवार : ये भाजपा के संविधान में कहीं नहीं लिखा है कि 75 साल के बाद पीएम नहीं बन सकते

शाह ने दिया जवाब, बोले-75 साल का रिटायरमेंट प्रधानमंत्री मोदी के लिए नहीं

दक्षिण भारत में कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सबसे बड़ा दल भाजपा बनकर उभरेगी

◆ मैं अरविंद एंड कंपनी और पूरे इंडी अलायंस को कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी 75 साल के हो जाएं इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है

एजेंसी ▸▸ हैदराबाद

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ही देश का नेतृत्व करेंगे। गृह मंत्री ने कहा कि 75 साल का रिटायरमेंट पीएम मोदी के लिए नहीं है। केजरीवाल सिर्फ 1 जून तक प्रचार के लिए बाहर हैं। मैं ▸▸ शेष पेज 5 पर

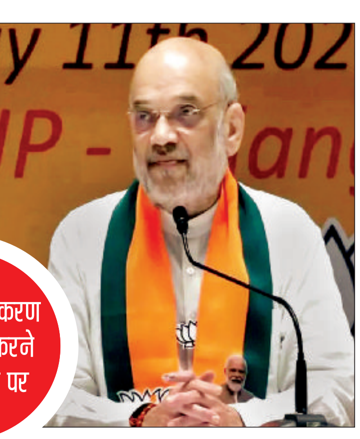

कांग्रेस पार्टी आज तुष्टिकरण की राजनीति करने के इस कगार पर पहुंच गई

***दावा:* तीन चरण में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब**

शाह ने हैदराबाद में प्रेस कांफ्रेंस कर दावा किया कि तीन चरण में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए के सभी साथी दल 200 सीटों के आंकड़े के करीब पहुंच गए हैं। चौथे चरण में एनडीए को सबसे ज्यादा सफलता मिलेगी। शाह ने कहा कि एनडीए 400 पार से और आगे बढ़ेंगे। चौथे चरण में आंध्र और तेलंगाना में एनडीए कपलीट स्वीप करने जा रही है। 4 जून को लोकसभा चुनाव के परिणाम आएंगे तो दक्षिण भारत में कर्नाटक, आंध्र, तलंगाना, तमिलनाडु और केरल में सबसे बड़ा दल भाजपा बनकर उभरेगी। सबसे ज्यादा सीट भाजपा को मिलेगी। तेलंगाना नें 10 से ज्यादा सीट मिलेगी।

सीएम यादव ने कहा- केजरीवाल अभी वेंटीलेटर पर... उन्हें तो अब तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए

भोपाल। अंतरिम जमानत पर जेल से बाहर आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की बयानबाजी को लेकर मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल अभी वेंटीलेटर पर हैं, उन्हें मुख्यमंत्री पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्हें दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए। सीएम यादव केजरीवाल के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट, सुप्रीमकोर्ट, जिला कोर्ट सभी जगह से बेल करने के लिए लालायित थे, उन पर हर तारीख ▸▸ शेष पेज 5 पर

कभी भी पीओके से अपना अधिकार जाने नहीं देंगे

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी आज तुष्टिकरण की राजनीति करने के इस कगार पर पहुंच गई है कि उसके दो सहयोगी नेता मणिशंकर अय्यर और फारुख अब्दुल्ला पाकिस्तान के पास परमाणु बम है ऐसा कहकर पीओके को ताक पर रखने की बात कर रहे हैं। भाजपा मानती है कि कभी भी पीओके से अपना अधिकार जाने नहीं देंगे। वे कह रहे हैं कि पीएम मोदी को अगर 400 सीटें मिलीं तो पीएम मोदी ▸▸ शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

चुनाव : तीसरे चरण में 65.68 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को तीसरे चरण में मतदान का अपडेट आंकड़ा जारी किया।

इसके तहत इस चरण में कुल 65.68 प्रतिशत मत पड़े थे, जबकि 2019 के चुनाव के तीसरे चरण में मतदान प्रतिशत 68.4 था। आयोग ने शनिवार को बताया कि तीसरे चरण में 66.89 प्रतिशत पुरुषों, 64.4 प्रतिशत महिलाओं और 25.2 प्रतिशत पंजीकृत ट्रासजेंडरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

एनआईए ने जम्मू में ली छह स्थानों पर तलाशी

नई दिल्ली। एनआईए ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने की पाकिस्तान समर्थित

साजिश मामले में जम्मू में छह स्थानों पर तलाशी ली। डोडा, रामबन और किश्तवाड़ जिलों सहित छह स्थानों में 'स्टिकी' बम, आईईडी और छोटे हथियारों आदि के साथ हिंसक हमले करने के लिए प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों और उनकी अनुषंगी शाखाओं की तलाशी ली।

प्रेशर बम की चपेट में आने से युवती की मृत्यु

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में प्रेशर बम की चपेट में आने से एक

युवती की मृत्यु हो गयी। जिले के गंगालूर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मल्लूर गांव के जंगल में प्रेशर बम की चपेट में आने से तेंदूपत्ता संग्राहक शांति पुनेम (25) की मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि तेंदूपत्ता तोड़ रही थी तभी उसका पांव प्रेशर बम के ऊपर चला गया, जिससे उसमें विस्फोट हो गया और शांति की मृत्यु हो गई।

अनुराग ने रोड शो के जरिए किया शक्ति प्रदर्शन

पाकिस्तान दाने-दाने और कांग्रेस एक-एक सीट के लिए तरस रही

एजेंसी ▸▸ हमीरपुर (हि.प्र.)

केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने शनिवार को गांधी चौक पर कहा कि कांग्रेस मतलब पाकिस्तान। जैसे पाकिस्तान दाने-दाने के लिए तरस रहा है, वैसे ही कांग्रेस एक-एक सीट के लिए तरस रही है। विजय संकल्प यात्रा के दौरान जनसभा में उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधने के साथ प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत ने 1965 और 1970 में धूल चटाई। पाक को फिर धूल चटाई जाएगी। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस मतलब पाकिस्तान। कांग्रेस ने सत्ता में रहकर रक्षा सौदों में दलाली खाई है। कांग्रेस की सत्ता में चीन ने कब्जा किया और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी बना। कांग्रेस को अपनी कारगुजारियों का जवाब देना होगा। 10 साल की मोदी सरकार में एक भी मंत्री पर घोटाले के आरोप नहीं लगे। बता दें, हिमाचल में लोकसभा के साथ विधानसभा उपचुनाव भी हैं।

कांग्रेस ने सबको ठगा

अनुराग ठाकुर ने जनसभा में मौजूद लोगों से पूछा क्या आपको 1,500 रुपए मिले, 2 रुपए किलो गोबर और 100 रुपए प्रति किलो दूध खरीदा गया। उन्होंने कहा कि 15 माह बीत चुके हैं लेकिन कांग्रेस बहनों को 1,500 रुपए नहीं दे पाई है। साल 2005 में कांग्रेस ने बेरोजगारी भत्ता देने के लिए भाइयों से फार्म भरवाए थे और अब बहनों को 1,500 रुपए देने के लिए फार्म भरे जा रहे हैं। देश का ऐसा कोई इंसान नहीं बचा, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं है। पहली कैबिनेट में 5 लाख नौकरी देने का दावा किया था लेकिन सारे दावे फेल हुए हैं।

मां को मारी गोली पत्नी की हथौड़े से ली जान

तीन बच्चों को छत से फेंका 5 कत्ल कर खुद ने दी जान

युवक नशे का आदी परिवार वाले उसे नशा मुक्त केंद्र ले जाना चाहते थे

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सीतापुर के मथुरा थाना क्षेत्र के पल्हापुर गांव में अनुराग सिंह (45) ने रात ढाई से तीन बजे के करीब सबसे पहले अपनी मां सावित्री (62) को गोली मारी, इसके बाद पत्नी प्रियंका सिंह (40) की गोली मारी। इसके अलावा पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार किया, ताकि वो जिंदा न बचे। पत्नी के पास हथौड़ा पड़ा भी मिला है। इसके बाद बेटी अस्वी (12), अर्ना (8) और पुत्र आद्विक (4) को छत से नीचे फेंक दिया। फिर अनुराग ने खुद को गोली मार ली। ▸▸ शेष पेज 5 पर

पेट में छिपाए थे ड्रग्स के 110 कैप्सूल एयरपोर्ट पर जाल में फंस गया तस्कर

10 करोड़ रुपए की कोकीन जब्त

मुंबई एयरपोर्ट पर एक ब्राजीलियाई नागरिक के पास से यह जब्ती

एजेंसी ▸▸ मुंबई

राजस्व खुफिया निदेशालय ने देश में ड्रग्स की तस्करी करने वाले रैकेट का खुलासा किया है। ड्रग्स को लेकर हुई एक बड़ी कार्रवाई में डीआरआई ने मुंबई एयरपोर्ट पर अपने पेट में ड्रग्स छिपाकर ड्रग्स ला रहे ब्राजीलियाई नागरिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पेट से 110 कैप्सूल निकले हैं, जिनसे 975 ग्राम कोकीन मिला है। इस ड्रग्स की अंतराष्ट्रीय मार्केट में कीमत 10 करोड़ बताई जा रही है। विदेशी यात्री को मजिस्ट्रेट के सामने पेश ▸▸ शेष पेज 5 पर

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 96 सीटों पर चुनाव कल

इस बार फिल्म और खेल जगत के दिग्गजों ने भी ठोकी ताल, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों व पांच केंद्रीय मंत्रियों की भी दांव पर सियासी साख

ओपी पाल ▸▸ नई दिल्ली

देश लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में दस राज्यों की 96 लोकसभा सीटों के लिए कल सोमवार को मतदान होगा। इन सीटों पर चुनावी जंग में 1717 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें 170 महिलाएं शामिल हैं।

इनमें जहां दो पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ ही पांच केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर होगी, तो वहीं फिल्मी और खेल जगत के दिग्गज हस्तियों के साथ पूर्व मंत्रियों, सांसदों जैसे नेताओं की भी इस सियासी जंग में अग्नि परीक्षा होनी है। देश में लोकसभा की 543 सीटों ▸▸ शेष पेज 5 पर

अर्जुन मुंडा

अखिलेश यादव

जी. किशन रेड्डी

गिरिराज सिंह

इन पूर्व सीएम व केंद्रीय मंत्रियों की होगी अग्नि परीक्षा

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में झारखंड की खूंटी सीट पर राज्य के पूर्व सीएम एवं केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा खूंटी तथा उत्तर प्रदेश की कन्नौज लोकसभा सीट से यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव कन्नौज की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इसके अलावा जिन केंद्रीय मंत्रियों की इस चुनाव में अग्नि परीक्षा होनी है, उनमें तेलंगाना की सिकंदराबाद सीट से केंद्रीय पर्यटन ▸▸ शेष पेज 5 पर

पूर्व मंत्रियों, अभिनेताओं व क्रिकेटरों की जंग

चौथे चरण में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में सांसदों, पूर्व मंत्रियों, फिल्म जगत की हस्तियों के साथ क्रिकेटरों ने भी सियासी दांव खेला है। ऐसे दिग्गजों में पश्चिम बंगाल की आसनसोल लोकसभा सीट पर भाजपा के पूर्व केंद्रीय मंत्री एसएस अहलूवालिया, तृणमूल कांग्रेस से फिल्म अभिनेता एवं पूर्व सांसद शत्रुघ्न सिन्हा, बहरामपुर सीट पर कांग्रेस के पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी तथा तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में क्रिकेटर युसूफ पठान, वर्धमान-दुर्गापुर सीट ▸▸ शेष पेज 5 पर

सड़कों और पार्कों में सैकड़ों पेड़ गिरे, 50 से ज्यादा इमारतें हुई क्षतिग्रस्त

आंधी से दिल्ली में गई तीन की जान, 23 लोग घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राजधानी में शुक्रवार रात आई तेज आंधी की वजह से तीन लोगों की जान चली गई जबकि 23 लोग घायल हो गये। पेड़ों और मकानों को भी भारी नुकसान हुआ। बिजली कट ने भी पूरी रात दिल्लीवासियों को परेशान रखा। पुलिस के मुताबिक बीती रात आई तेज आंधी के बाद विभिन्न इलाकों से पेड़ गिरने की कुल 152 कॉल आई। इसी तरह बिल्डिंगों के क्षतिग्रस्त होने की 55 और बिजली व्यवधान (जैसे बिजली कट, तार टूटने, पोल गिरने आदि) से जुड़ी 202 कॉल पुलिस को मिली। इस कारण कई इलाकों में बिजली प्रभावित होती रही। पेड़ गिरने की वजह से विकासपुरी और केएन काटजू इलाके में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि छह अन्य लोग घायल हो गए। इनके अलावा अलग अलग जगह बिल्डिंगों के क्षतिग्रस्त होने की वजह से 17 लोग घायल हो गए। शाहीन बाग में छत की दीवार गिरने के कारण 18 वर्षीय युवती की भी मौत हुई है।

टैंट हवा में उड़े

जिन लोगों के यहां शादी समारोह का कार्यक्रम खुले में था, उनके टैंट हवा में उड़ गए। कई जगह टैंट के बड़े स्ट्रक्चर भी ढह गए। रोहिणी स्थित जापानी पार्क के साथ बने पंडाल के साथ भी ऐसा ही हुआ। केएन काटजू थाना इलाके के रोहिणी सेक्टर 16 में रात करीब दस बजे एक राहगीर पर पेड़ गिरने की सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पुलिस को एक युवक घायल हालत में मिला, जिसे हॉस्पिटल ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सेक्टर 14 निवासी हरिओम (30) के तौर पर हुई। वह दिहाड़ी मजदूरी करता था। यह हादसा तब हुआ जब वह पेड़ के नीचे से निकल रहा था।

चालक पेड़ के नीचे दबा

विकासपुरी में तेज आंधी के दौरान एक दुपहिया वाहन चालक पेड़ के नीचे दब गया। उसे किसी तरह निकाल अचेत हालत में नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सीतापुरी निवासी जय प्रकाश के तौर पर हुई। पुलिस को इस घटना की सूचना रात 11 बजकर 20 मिनट पर मिली। बताया गया कि जनकपुरी फ्लाईओवर लेफ्ट साइड मोड से पहले यहां पर एक पेड़ के नीचे अंकल दब गए हैं। पुलिस मौके पर पहुंची तो पता लगा कि पेड़ एक कार और दुपहिया वाहन सवार के ऊपर गिरा था।

दीवार की चपेट में आई छात्रा

शाहीनबाग में आंधी के दौरान एक लड़की छत से कपड़े उतारने के लिए गई थी। बगल के रेस्त्रां की दीवार गिर गई और वह मलबे की चपेट में आकर गंभीर रुप से घायल हो गई। परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका की पहचान शीरीन (18) के तौर पर हुई है। वह एक स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा थी। वह परिवार के साथ अबुल फजल एंक्लेव क्षेत्र में रहती थी।

नोएडा में शटरिंग गिरने से एक की मौत, तीन की हालत नाजुक

एजेंसी ⏭ नोएडा

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में शुक्रवार रात आई तेज आंधी के चलते नोएडा के सेक्टर 62 स्थित एलआईसी भवन के पास स्थित एक इमारत में मरम्मत के लिए लगाई गई लोहे की शटरिंग गिरने से घायल हुए चार मजदूरों में से एक की मौत हो गई है और तीन अन्य की हालत नाजुक बताई जाती है। ये मजूदर शटरिंग गिरने से लोहे के पाइप के नीचे दब गए थे। थाना सेक्टर-58 के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के सेक्टर 62 में एलआईसी भवन के पास स्थित एक इमारत में मरम्मत कार्य के लिए लोहे का शटरिंग पैड लगाया गया था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार रात आई तेज आंधी के चलते यह गिर गया। उन्होंने कहा कि इस घटना में जय गोविंद झा (50) निवासी वंदना कॉलोनी खोड़ा, मूल निवासी जनपद दरभंगा बिहार तथा सोनी और उसके पति शिवाजी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि घायलों को नोएडा के फोर्टिस और कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने कहा कि फोर्टिस अस्पताल में भर्ती जय गोविंद झा की उपचार के दौरान आज तड़के मौत हो गई जिसके शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि गंभीर रूप से घायल सोनी और शिवाजी कैलाश अस्पताल में भर्ती हैं।

आक्रोशित लोगों ने किया प्रदर्शन

इस घटना से आक्रोशित लोगों ने शनिवार को घटनास्थल पर पहुंचकर रोष प्रकट किया। उन्होंने मृतक के परिजनों को मुआवजा और घायलों के उपचार में खर्च होने वाली राशि देने की भी मांग की। अधिकारियों के अनुसार, तेज आंधी-तूफान के चलते शहर में विभिन्न जगहों पर पेड़ टूटकर गिर गए हैं। कई जगह होर्डिंग गिर गए हैं तथा कई जगह बिजली के खंभे भी उखड़ गए हैं। शहर में रात 10 बजे से लेकर देर रात तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। पुलिस और प्राधिकरण के लोग देर रात से शनिवार तक बचाव कार्य में जुटे रहे।

आंधी के बाद तापमान में गिरावट, मिली राहत

हरिभूमि. नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार देर रात आई तेज आंधी से जहां जगह जगह पेड़ गिरने, साइन बोर्ड गिरने जैसी घटनाओं के बीच तीन लोगों की मौत के बाद दूसरे दिन शनिवार को शांति रही। मौसम विभाग की येलो अलर्ट की भविष्यवाणी के अनुरूप बारिश नहीं हुई, लेकिन हल्की बूंदाबांदी जरूर दर्ज हुई। प्रादेशिक मौसम विभाग केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार मामूली गिरावट के साथ अधिकतम तापमान 38.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। जबकि न्यूनतम तापमान 24.9 1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1 डिग्री कम रहा। आईएमडी के अनुसार दिल्ली के कई क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी दर्ज हुई। आईएमडी के अनुसार शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले के 24 घंटे में दिल्ली में महज जीरो प्वाइंट 4 मिमी ही बारिश दर्ज हुई। जबकि शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे से सायंकाल साढ़े पांच बजे के बीच दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में नाम मात्र बूंदाबांदी गिरी। आईएमडी के रिकॉर्ड अनुसार लोधी रोड 0.2 मिमी, मुंगेशपुर 0.5 मिमी, नरेला 0.5 मिमी, पूसा 0.5 मिमी, एसपीएस मयूर विहार 1.5 मिमी और राजघाट 1.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी ने अनुमान जताया है कि रविवार को भी मौसम ऐसे ही सुहावना बना रह सकता है। हवाएं 35-40 किमी की गति से चल सकती है। जबकि सोमवार को पारा फिर मामूली बढ़ सकता है, लेकिन आसमान पर बादल छाए रहेंगे, कहीं कहीं बूंदे गिरने से इंकार नहीं किया जा सकता। बता दें कि शुक्रवार रात साढ़े आठ बजे के बाद दिल्ली में करीब 60-70 किमी से ज्यादा गति से धूल भरी आंधी चलने से जगह जगह पेड़ गिर गए। लोगों को सड़क पर चलने में भारी परेशानी उठानी पड़ी, वाहन जहां के तहां खड़े हो गए।

नबी करीम का मामला: विदेशी महिला का फोन चुराने वाला नाबालिग पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिणी नई दिल्ली। सर्बिया से दिल्ली घूमने आई एक विदेशी महिला का मोबाइल चुराने वाला पुलिस गिरफ्त में है। नबी करीम इलाके में हुई इस घटना का आरोपी नाबालिग बताया गया है। इसके पास से चोरी का मोबाइल भी बरामद हो गया है।

डीसीपी एम हर्षवर्धन के अनुसार नौ मई को मोबाइल फोन चोरी की शिकायत नबी करीम थाने में दर्ज करायी गई थी। पीड़ति महिला ने बताया कि वह टूरिस्ट वीजा पर अपनी दोस्तों के साथ सर्बिया से भारत आई थी। गोआ और राजस्थान घूमने के बाद वे दो तीन पहले ही दिल्ली पहुंची थी। नबी करीम के होटल में रूकी हुई थी। दोपहर करीब दो बजे वह सड़क किनारे टहल रही थी, तभी किसी ने उसका मोबाइल फोन चोरी कर लिया। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास नबी करीम और पहाड़गंज एरिया में 75 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे चैक किए और एक आरोपी की पहचान कर ली गई। पुलिस उसके घर पहुंची तो वह गायब मिला। घर के आसपास पुलिस ने ट्रैप लगाया और शाम करीब साढ़े सात बजे वह जब घर पहुंचा तो उसे दबोच लिया गया। उसके पास से चोरी का मोबाइल फोन बरामद हो गया है।

डीडीए का ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट 18 से

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अपने सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में सभी के लिए ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट की घोषणा की है। इस बारे में डीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि प्राधिकरण समय समय पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रकार के आयोजन करता रहा है। इसी कड़ी में अब डीडीए सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स सभी के लिए ओपन टेबल टेनिस टूर्नामेंट लेकर आया है। अधिकारी बताया टूर्नामेंट 18 मई 2024 को होगा, जिसके लिए डीडीए ने 16 मई 2024 तक पंजीकरण खुला रखा है। पंजीकरण करने के लिए कॉम्प्लेक्स कार्यालय से संपर्क करके प्रक्रिया पूरी करना होगी। विवरण के लिए दूरभाष से व वेबसाइट पर जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

एनडीएमसी ने मनाया नवयुग स्कूलों का स्वर्ण जयंती समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नवयुग स्कूल के सभी छात्र हमारे समाज और राष्ट्र के रत्न हैं। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के सरोजिनी नगर स्थित नवयुग स्कूल में एक भव्य शो में नवयुग स्कूलों की स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नवयुग स्कूल के पूर्व छात्र और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के निदेशक प्रवीण सूद ने उक्त संबोधन दिया। इस दौरान निदेशक प्रवीण सूद, आईपीएस ने नवयुग स्कूल की स्वर्ण जयंती के लिए पुराने और मौजूदा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि न केवल नवयुग स्कूल की शिक्षा बल्कि इसके मूल्यों, संस्कार पोषण प्रणाली, नैतिकता ने हमें इंसान बनाया है और आज हम सभी को अपने स्कूल के दिनों पर गर्व है। स्वर्ण जयंती वर्ष सरकारी स्कूली शिक्षा प्रणाली के तहत गुणात्मक शिक्षा प्रदान करने के कदमों की प्रतिबद्धता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के लिए एक मील का पत्थर है। इस अवसर पर एनडीएमसी के अध्यक्ष अमित यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

किशनगढ़ का मामला, दो आरोपी गिरफ्तार

राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने का झांसा देकर दो करोड़ रुपए की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सीट दिलाने का झांसा देकर दो करोड़ रुपए की ठगी करने वाले दो जालसाजों को साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की किशनगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गये आरोपियों में एक खुद को राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल अधिकारी बताता था। इनसे ठगी कर रकम से खरीदी गई प्रॉपर्टी के कागजात और जाली दस्तावेज बरामद हुये हैं।

पुलिस के अनुसार आरोपियों के नाम सेक्टर 36, नोएडा यूपी निवासी नवीन कुमार सिंह (43) और नागौर, राजस्थान निवासी नानक दास (48) है। 25 अप्रैल को किशनगढ़ थाने को पीसीआर कॉल के जरिए एक जालसाज को पकड़े जाने की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची जहां पीड़ित नरेन्द्र सिंह मिले। उन्होंने नवीन कुमार सिंह को पेश करते हुए आरोप लगाया कि पिछले साल अगस्त में उनकी मुलाकात नानक दास के जरिए उससे हुई थी। नवीन सिंह ने खुद को राष्ट्रपति का प्रोटोकॉल अधिकारी बताया था। दोनों लोगों ने राष्ट्रपति कोटे के जरिए राज्यसभा सीट दिलाने में मदद करने का भरोसा दिया और इस एवज में उनसे दो करोड़ रुपए ले लिए। मामले की शिकायत पर किशनगढ़ थाने में धोखाधड़ी, साजिश समेत अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। पूछताछ के दौरान नवीन कुमार सिंह ने धोखाधड़ी में लिप्त होना स्वीकार लिया था। उसने खुलासा किया करण निवासी लक्ष्मी नगर की मदद से उन्होंने राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी किए गए दो जाली दस्तावेज तैयार किए थे। ये पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए उन्हें भेजे गए थे। जिसके बाद ही उन्हें रुपए मिले थे। सवा करोड़ रुपए आईसीआईसीआई बैंक अकाउंट में और 75 लाख रुपए नानक दास को मिले थे। उसने अपने हिस्से में आई रकम से बिहार में प्रॉपर्टी खरीदी थी। इस खुलासे के बाद पुलिस ने मामले में उसे अरेस्ट कर लिया। कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया। इसके बाद आरोपी के नोएडा स्थित ऑफिस पर रेड कर फर्जी दस्तावेज बरामद किए गए। आरोपी को बिहार ले जाकर खरीदी गई प्रॉपर्टी के दस्तावेज भी कब्जे में लिए गए। बाद में उसकी निशानदेही पर दूसरे आरोपी को भी अरेस्ट कर लिया गया। अब पुलिस इस केस में करन की तलाश में है। आरोपी नवीन तीन मामलों में लिप्त मिला है।

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक मृतक व्यक्ति जिसका **नामः** रामनरेश, **पिताः** रामलखन, **पताः** नामालूम, **उम्र** : लगभग 60–65 साल, **कद** : 5 फीट 5 इंच, **रंगः** सांवला, **शरीरः** सामान्य, **चेहराः** लम्बा, **पहनावा** : स्काई ब्लू व काले रंग का ट्राउजर जो आरजेड37ए तृतीय तल, महेन्द्र पार्क, दिल्ली में दिनांक 05.05.2024 रात 8.00 बजे मृत मिला। इस संदर्भ में **डीडी सं. 107–ए, दिनांक : 05.05.2024** के तहत थाना डाबरी, दिल्ली में दर्ज की गई है। पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस मृतक व्यक्ति के संबंधियों के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस मृतक व्यक्ति के संबंधियों के बारे कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थानाध्यक्ष
थाना : डाबरी, दिल्ली
फोनः 011-25635178, 25639350, 8750871024, 9034422097

DP/5572/DW/2024

पश्चिम विहार में चल रहा था फर्जी कॉल सेंटर, एक महिला समेत 12 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बाहरी जिले की पश्चिम विहार पुलिस ने इलाके में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश किया है। एक महिला समेत कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनके निशाने पर अमेरिका के नागरिक होते थे। कॉल सेंटर से 16 लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन, 12 लैपटॉप चार्जर, नौ हेडफोन और दो वाईफाई राउटर जब्त किए गये हैं। आरोपियों के नाम साहिल चटवाल (कॉल सेंटर मालिक), नवीन डबास, रविंदर, पीयूष, गौतम, आकाश, जफर शाह, सुभाष, लवीश, ऋषभ और शरद है। डीसीपी आउटर जिम्मी चिरम के अनुसार पश्चिम विहार इलाके में चल रहे इस फर्जी कॉल सेंटर के बारे में जानकारी मिली थी, जिसमें बताया गया कि वहां काम कर रहे लोग नेट कॉलिंग के जरिए बीएसओडी एप्स, गूगल वॉयस, ब्राउजर लॉगिंग और माइक्रो सिप आदि के माध्यम से अमेरिका के लोगों से ठगी करते हैं। यह इनपुट मिलने के बाद पुलिस की एक टीम ने नौ मई को पश्चिम विहार इलाके में चल रहे इस फर्जी कॉल सेंटर पर रेड की और वहां से एक महिला समेत 12 लोगों को पकड़ लिया।

खबर संक्षेप

डीएमआरसी साहित्य अकादमी ने किया बच्चों के लिए कहानी सत्र आयोजित

नई दिल्ली। डीएमआरसी और साहित्य अकादमी ने संयुक्त रूप से मेट्रो संग्रहालय में बच्चों के लिए कहानी सुनाओ सत्र का आयोजन किया। रविवार को आयोजित हुए इस कार्यक्रम में कहानी सुनाने के अलावा भाग लेने वाले बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी और मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। वहीं बच्चों को पढ़ाई के प्रति लिखने पढ़ने की ललक बढ़ाने के उद्देश्य से उन्हें उपहार स्वरूप किताबें आदि प्रदान की। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत साहित्य अकादमी समय समय पर बच्चों के लिए ऐसे आयोजन करता रहा है। वहीं डीएमआरसी भी सामाजिक क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए कई योजनाओं पर कार्य करती है। इसी कड़ी में डीएमआरसी ने साहित्य अकादमी के साथ बच्चों के लिए इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन किया।

एमसीडी ने चलाया निशुल्क रेबीज रोधी टीकाकरण अभियान

नई दिल्ली। आवारा कुत्तों के काटने के बढ़ते मामलों को देखते हुए, नगर निगम के केशव पुरम जोन के पशु चिकित्सा विभाग और दिल्ली सरकार के पशुपालन विभाग द्वारा मॉडल टाउन क्षेत्र के डॉग लवर्स के सहयोग से एक रेबीज रोधी टीकाकरण अभियान चलाया गया। दिल्ली नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस अभियान का आयोजन गोटेवाला पार्क में शुक्रवार को किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुबह सैर करने वाले लोगों को भारत सरकार के पशु जन्म नियंत्रण नियम 2023 के अनुसार कुत्तों के साथ दया पूर्ण व्यवहार करने के लिए प्रोत्साहित करना था। इसमें आवारा कुत्तों की आबादी को नसबंदी और रेबीज टीकाकरण के माध्यम से नियंत्रित करना और कुत्तों को एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित करने को हतोत्साहित करना शामिल था।

'यदि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सत्ता में आता है तो देश की दिशा और नियति दोनों बदल जायेगी'

जेल से बाहर आने के बाद मुख्यमंत्री केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए किया पहला रोड शो

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को दावा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चार जून को सरकार नहीं बना पायेगी। उन्होंने कहा कि यदि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सत्ता में आता है, तो देश की दिशा और नियति दोनों बदल जायेगी। केजरीवाल ने तिहाड़ जेल से बाहर आने के एक दिन बाद पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ दक्षिणी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में अपना पहला रोड शो किया। लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल का यह पहला रोड शो था।

केजरीवाल ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। इतिहास करवट ले रहा है। यदि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनी तो देश की दिशा और किस्मत बदल जायेगी। उन्होंने कहा कि मैं अपनी पूरी ताकत से तानाशाही के खिलाफ लड़ रहा हूं। मुझे आपके समर्थन की जरूरत है। देश ने कभी किसी तानाशाह को स्वीकार नहीं किया और जनता ने उन्हें हटा दिया। मैं तानाशाही से लड़ने के लिए आपका समर्थन मांगने आया हूं। उन्होंने दावा किया कि चार जून को मोदी सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि वे हर जगह सीट हार रहे हैं, चाहे वह कर्नाटक हो, हरियाणा हो। पंजाब में, वे कुछ भी नहीं जीतेंगे और यहां तक कि दिल्ली में भी सभी सात सीट पर 'इंडिया' गठबंधन जीत दर्ज करेगा। केजरीवाल ने कहा कि यदि 'इंडिया' गठबंधन सत्ता में आया तो दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जेल से रिहा होने के बाद मैं सीधे आपके पास आया हूं। मुझे दिल्ली के लोगों की बहुत याद आई। मैं उन करोड़ों लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने प्रार्थना की और मेरे लिए आशीर्वाद भेजा। जेल के अपने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी सुनीता, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और उनके मंत्री उनसे मिलने आते थे। उन्होंने कहा कि जेल में रहने के दौरान मैं अपने मंत्रियों से लोगों की भलाई के बारे में पूछता था। जेल में रहने के दौरान मैं सोचता था कि मेरी गलती क्या है जो मुझे गिरफ्तार किया गया। मेरी गलती यह थी कि मैंने लोगों को अच्छे स्कूल और अस्पताल उपलब्ध कराये। मैंने लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करायीं। उन्होंने (भाजपा) जेल में 15 दिन के लिए मेरा इंसुलिन बंद कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि वे दिल्ली सरकार को पंगु बनाने के लिए सब कुछ बंद करना चाहते हैं।

तिहाड़ जेल में बंद अपने पूर्व मंत्रियों मनीष सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन को याद करते हुए उन्होंने दावा किया कि उन्होंने स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति बदल दी। उन्होंने कहा कि सिसोदिया ने दिल्ली के स्कूलों की सूरत बदल दी। उन्हें केंद्रीय शिक्षा मंत्री बनाया जाना चाहिए। रोड शो में आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान खुली छत वाले एक वाहन पर सवार केजरीवाल और मान ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। पार्टी के झंडे लिए हुए आप के स्वयंसेवकों ने दक्षिण दिल्ली लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार सही राम पहलवान के समर्थन में नारे लगाए। केजरीवाल को आबकारी नीति कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय ने एक जून तक अंतरिम जमानत दे दी थी।

केजरीवाल ने एक बार फिर से शुरू कर दी है झूठ की खेती : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने अरविंद केजरीवाल की प्रेसवार्ता को सिर्फ एक छलावा बताया और कहा कि 50 हजार के मुचलके पर छूटे अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर से झूठ की खेती शुरु कर दी है। पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए जेल से बाहर आए केजरीवाल ना तो दिल्ली सचिवालय में जा सकते हैं और ना ही किसी फाइल पर साइन कर सकते हैं। सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल 50 दिन तक जेल के अंदर रहकर आए हैं और उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा है कि उन्होंने भ्रष्टाचार किया है। अंतरिम जमानत उन्हें सिर्फ प्रचार के लिए मिली है। आखिर एक जून के बाद अरविंद केजरीवाल कौन सा जश्न मनाएंगे। सचदेवा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सोच है जिसने दिल्ली को सबसे प्रदूषित राजधानी बनाया, सरकारी अस्पतालों में नकली दवाई दी गई, मोहल्ला क्लीनिक में घोटाला किया गया, शिक्षा के नाम पर पैसे कमाने का काम किया गया, स्वास्थ्य क्रांति के नाम पर घोटाला किया और सबसे बड़ी सोच कि शराब नीति के माध्यम से दिल्ली के युवाओं को नशे में धकेलने का काम किया।

सचदेवा ने कहा कि भ्रष्टाचार ही केजरीवाल की सोच है और भ्रष्टाचार की जननी आम आदमी पार्टी है लेकिन भाजपा का हर कार्यकर्ता भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता है। उन्होंने कहा कि आज केजरीवाल को अपने और अपनी पार्टी के बारे में सोचने की जरुरत है क्योंकि उनके चार टॉप भ्रष्टाचारी जेल में थे जिनमें से दो भ्रष्टाचारी पैरोल पर बाहर है। सचदेवा ने कहा कि दिल्ली की जनता को तय करना है कि अब बेल पर छूटे अपराधी को वोट देना है या फिर मोदी सरकार को जिन्होंने पिछले 10 वर्षों में विकास की एक नई परिभाषा लिखी है और देश के हर कोने में रहने वाले मोदी सरकार की योजनाओं से लाभांवित हुए हैं।

चुनाव प्रचार को धार देने के लिए यादव ने सोशल मीडिया सहित अन्य मंच संगठनों की ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव को नजदीक आते देख दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को सोशल मीडिया सहित अन्य संगठनों के कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक में कई दिशा निर्देश दिए। वहीं इसके अलावा बूथ मैनेजमेंट कमेटी की भी अहम बैठक हुई, जिसमें पूर्व मंत्री व स्ट्रैटेजी कमेटी के चेयरमैन हारुन युसूफ सहित अन्य नेता मौजूद थे। बैठक में यादव ने मीडिया स्ट्रेटेजी और सोशल मीडिया कमेटी, मीडिया पेनालिस्ट को लेकर कहा कि आधुनिक सूचना तंत्र में इसका उपयोग बहुत सही तरीके से करने पर अच्छे नतीजे प्राप्त होते है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया एक टूल है जो अपनी बात को बहुत जल्द सीधा लाखों लोगों तक पहुँचाता है। सोशल मीडिया वारियर के कंधो पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है और आप लोग कांग्रेस की गारंटी को सोशल मीडिया के माध्यम से सीधा जनता तक पहुंचाकर अपना काम बखूबी निभा रहे है, इसे ऐसे ही जारी रखना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को आह्वान किया कि हमें इंडिया गठबंधन के सातो उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करने के लिए मिलकर युद्धस्तर पर कार्य करना होगा। क्योंकि अब दिल्ली के लोकसभा चुनाव में ज्यादा समय नहीं बचा है। वहीं बूथ मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में यादव ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस का बूथ मैनेजमेंट विभाग दिल्ली में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दे रहा है।

फिर से प्रधानमंत्री के रूप में मोदी को देखना चाहते हैं देशवासी : मेघवाल

- केन्द्रीय मंत्री ने योगेंद्र और कमलजीत की जनसभाओं को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव अगला प्रधानमंत्री तय करता है इसलिए देश के विकास के लिए देशवासी एक बार फिर से प्रधानमंत्री के रुप में नरेन्द्र मोदी को देखना चाहते हैं। केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल ने शनिवार को भाजपा के उत्तर पश्चिम क्षेत्र से प्रत्याशी योगेंद्र चंदोलिया एवं पश्चिम दिल्ली से प्रत्याशी कमलजीत सहरावत के समर्थन में जनसभाओं को सम्बोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने आंतरिक सुरक्षा का मुद्दा हो या फिर सीमा पर विरोधी देशों को मुंहतोड़ जवाब देने का काम हो, पिछली सरकार की तुलना में बेहतर काम किया है। वहीं, उत्तर पश्चिम क्षेत्र की जनसभा को पूर्व केन्द्रीय मंत्री जनरल वी.के. सिंह के अलावा प्रत्याशी योगेंद्र चंदोलिया, पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान, जयभगवान यादव, सत्यानारायण गौतम, रामसिया शरण, नरेश एरण, मनोज शौक़ीन, राजन तिवारी और शुभेंदु शेखर अवस्थी ने भी सम्बोधित किया। पश्चिम दिल्ली संसदीय क्षेत्र की जनसभा को प्रत्याशी कमलजीत सहरावत, भाजपा नेता आशीष सूद, जयप्रकाश एवं रमेश शौखंदा आदि ने सम्बोधित किया।

जीत के अंतर को बड़ा बनाने के लिए कार्यकर्ता अंतिम मतदाता से भी करायें मतदान : भाजपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार को प्रत्याशी रामवीर सिंह बिधूड़ी के साथ दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन को सम्बोधित किया। सम्मेलन में दक्षिण दिल्ली संसदीय क्षेत्र के प्रभारी राजीव बब्बर, दक्षिण दिल्ली जिलाध्यक्ष राजकुमार चौटाला, महरौली जिलाध्यक्ष रणवीर तंवर, संगठात्मक पदाधिकारी, वरिष्ठ नेता एवं निगम पार्षद सम्मलित हुए। इस अवसर पर सचदेवा ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव अब राष्ट्रवाद एवं भ्रष्टाचार के बीच चुनने का अवसर है और जनता राष्ट्रवाद की प्रतीक भाजपा का ही चुनाव कर रही है। भाजपा की दिल्ली की सातों सीटों पर विजय का दावा करते हुए सचदेवा ने कहा कि जीत के अंतर को बड़ा बनाने के लिए कार्यकर्ता अंतिम मतदाता से भी मतदान करायें।

राजस्थान के उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को नवीन शाहदरा जिले के युवा मोर्चा सम्मेलन को और शाहदरा जिले के अनुसूचित जाति मोर्चा सम्मेलन को सम्बोधित किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में समाज के अंतिम व्यक्ति तक को प्रगति का अवसर मिला है और आज मोदी सरकार में देश के अनुसूचित जाति युवा को भी हर अवसर मिल रहा है और वह हर क्षेत्र में प्रगति कर रहे हैं।

दिल्ली एवं देश की महिलाएं भाजपा के साथ : दीया कुमारी

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सांसद मनोज तिवारी, सांसद डॉ. कल्पना सैनी एवं दिल्ली महिला मोर्चा की अध्यक्षा ऋचा पांडेय आदि के साथ बुराड़ी में उत्तर पूर्वी जिला भाजपा के महिला सम्मेलन को सम्बोधित किया। दीया कुमारी ने कहा कि दिल्ली एवं देश की महिलाएं भाजपा के साथ हैं, मोदी सरकार से मिले सशक्तीकरण अधिकार हर महिला का अभिमान है और वह इस चुनाव में भाजपा का विजय कवच हैं।

CHIEF ELECTORAL OFFICER, HARYANA
चुनाव का पर्व
DESH KA GARV
LOK SABHA ELECTION 2024

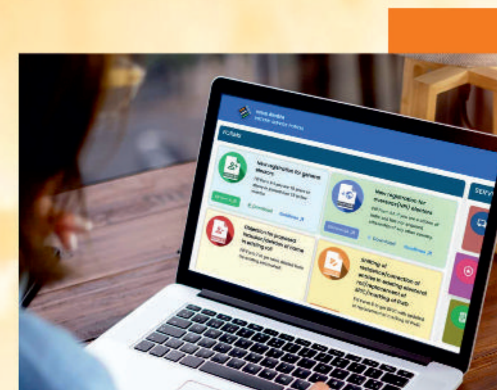

क्या आपने मतदाता सूची में अपना नाम चेक किया है?
क्या आपको आपके मतदान केन्द्र के बारे में पता है?
यदि नहीं,
तो आप निम्न विकल्पों से अपना नाम चेक कर सकते हैं।
www.voters.eci.gov.in
वेबसाइट पर जाकर मतदाता सूची में अपना नाम खोजें, मतदाता विवरण प्राप्त करें
अथवा
VoterHelpline App
क्यू आर कोड स्कैन कर जानकारी प्राप्त करें
Available on Google Play
Available on the App Store
Voter Helpline 1950
मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा
30 बेज़ बिल्डिंग, सेक्टर – 17, चण्डीगढ़
e-Mail: ceo_haryana@eci.gov.in I Website: www.ceoharyana.gov.in
मतदान की तिथि 25 मई, 2024
सूचना, लोक सम्पर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

जस्टिस लाहोटी ने कानून के शासन को बनाए रखने में दिखाई अपनी प्रतिबद्धता

जस्टिस आरसी लाहोटी मेमोरियल लेक्चर सीरीज़ का आयोजन किया गया। जस्टिस आरसी लाहोटी की समृद्ध कानूनी विरासत की स्मृति में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने शोभा बढ़ाई, जबकि बतौर सम्मानित अतिथि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित शामिल हुए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

मानव रचना विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ की ओर से जस्टिस आरसी लाहोटी मेमोरियल लेक्चर सीरीज़ का आयोजन किया गया। जस्टिस आरसी लाहोटी की समृद्ध कानूनी विरासत की स्मृति में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द ने शोभा बढ़ाई, जबकि बतौर सम्मानित अतिथि भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित शामिल हुए।

देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के अध्यक्षीय भाषण में जस्टिस आरसी लाहोटी के साथ हुई मुलाकातों के अनुभवों को सांझा करते हुए कहा कि वे जिस किसी से भी मिलते से अमिट छाप छोड़ते थे। उन्होंने ऐसी शख्सियत पर लेक्चर सीरीज शुरू करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि शायद ही कभी हमें जस्टिस लाहोटी जैसे व्यक्ति मिलते हैं, जो न्यायिक स्वतंत्रता, अखंडता, अपने विचारों को व्यक्त करने में गहरी विनम्रता और कानून के शासन को बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने भावी वकीलों को समाजहित में निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्रदान करने और इससे मिलने वाली व्यक्तिगत संतुष्टि का अनुभव करने के लिए प्रेरित किया।

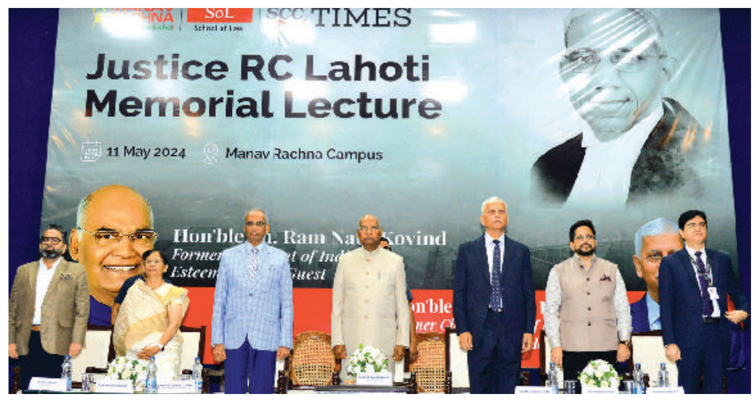

लाहोटी मेमोरियल सीरीज में पहुंचे भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द

मूल्यों के जीवन संदेशों से छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने लाहोटी

एमआरयू के कुलपति प्रो. दीपेंद्र कुमार झा ने कहा कि जस्टिस आरसी लाहोटी अपने नैतिकता और मूल्यों के जीवन संदेशों से छात्रों के लिए प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। जस्टिस आरसी लाहोटी ने मानव रचना विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लॉ के लिए लॉ एडवाइजरी बोर्ड की स्थापना की, रतन लाल लाहोटी लाइब्रेरी ऑफ लॉ का उद्घाटन किया और रतन लाल लाहोटी गोल्ड मेडल की स्थापना की, जो सभी शैक्षणिक प्रेरणा के स्त्रोत और गर्व की बात है।

कानूनी परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ीः जस्टिस ललित

जस्टिस यूयू ललित ने कहा कि भारत के 35 वें मुख्य न्यायाधीश और मानव रचना विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ लॉ में सलाहकार बोर्ड के संस्थापक अध्यक्ष के तौर पर आरसी लाहोटी ने कानूनी परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी है। जस्टिस आरसी लाहोटी के जीवन से जुड़े अहम फैसलों के जरिए उनके जीवन के सार को सभी को सामने रखा। उन्होंने कहा कि जस्टिस लाहोटी ने जीवन में 342 से ज्यादा फैसले सुनाए और इन फैसलों में उनकी अदालती दलीलें न केवल न्याय प्रदान करने के लिए रहीए बल्कि ऐसी मिसालें स्थापित करने के बारे में भी थी जो आने वाले वर्षों में पूरे समुदाय के लिए लागू हों। एमआरईआई के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला ने कहा कि कानूनी क्षेत्र में आगे बढ़ने वाले छात्रों के लिए ये लेक्चर सीरिज एक नया अध्याय साबित होगी।

खबर संक्षेप

देसी कट्टे सहित आरोपी को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर.17 प्रभारी कर्मवीर की टीम ने देसी कट्टे सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अजय को अपराध शाखा टीम सब इस्पेक्टर अनिल कुमार, मुख्य सिपाही अतर सिंह सिपाही सतेन्द्र ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से गस्त के दौरान बाईपास रोड सेक्टर-17 एरिया सीएनजी पम्प के पास से काबू किया है।

वाहन चोरी करने वाले आरोपी बाइक सहित काबू

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर.56 प्रभारी शिशपाल की टीम ने वाहन चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी साकिर गांव धौज फरीदाबाद का रहने वाला है। आरोपी को अपराध शाखा टीम मुख्य सिपाही दिनेश व सिपाही नसीब तिलक ने आरोपी को अपने मोटरसाइकिल सहित धौज पाली रोड से चोरी की बाइक सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने दो मनचलों को सिखाया सबक

गुरुग्राम । डीजीपी शत्रुजीत कपूर के आदेशानुसार महिलाओं की सुरक्षा को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेफ सिटी कैम्पेन में पुलिस ने दो मनचलों को सबक सिखाया। महिला थाना की टीम ने संतोष व कैलाश को इफ्को चौक के पास से काबू कर उनके खिलाफ कार्यवाही की। मनचलों के परिजनों की उपस्थिति में उनसे लिखित में माफीनामा लिया गया।

लूटपाट करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम । खेड़कीदौला में झगड़ा कर लूटपाट करने के दो को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों से वारदात में प्रयोग की गई कार, छीनी हुई अंगूठी व नकदी बरामद की है। पुलिस को शिकायत मिली कि एक व्यक्ति ने कहा कि अपनी गाड़ी से जा रहा था। पीछे गाड़ी में सवार होकर आए युवकों ने खुद की गाड़ी से डिवाइडर में टक्कर मार दी और उससे झगड़ा करने लगे।

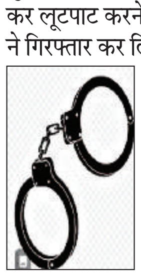

वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

गुरुग्राम । फर्रुखनगर एरिया में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और चालक पर केस दर्ज कर लिया। महेंद्र सिंह ने कहा कि उसका पुत्र जतिन बाइक से जा रहा था। फर्रुखनगर टोल के निकट तेज रफ्तार वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव की तैयारियों को लेकर की समीक्षा

निर्धारित समय में जिम्मेदारी के साथ अपने काम को पूरा करें अधिकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कैंप ऑफिस में लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पीठासीन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर समय पर काम पूरा करने की हिदायत दी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विभिन्न स्तर पर तैयारियां की जा रही है। जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कैंप ऑफिस में लोकसभा आम चुनाव की तैयारियों को लेकर आरओ तथा एआरओ के साथ समीक्षा बैठक की।

जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने कहा कि आगामी 25 मई को मतदान केंद्र के भीतर पीठासीन अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था और ईवीएम, वीवीपैट, सीयू, पीयू, बैलेट कंट्रोल यूनिट सहित तमाम व्यवस्थाएं निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार बनाना सुनिश्चित करें। वहीं टेस्ट वोट, मोक पोल, परोक्षी वोट डलवाने सहित अन्य सभी व्यवस्था आयोग की हिदायतों के अनुसार पूरी करें।

उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र के अंदर मतदाता मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, इलेक्ट्रॉनिक वॉच, स्पाई कैमरा इत्यादि लेकर न जाएं, इससे मतदान की गोपनीयता भंग होने की संभावना रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल पीठासीन अधिकारी को ही मोबाइल रखने की अनुमति होगी। मतदाता केवल पहचान वाले दस्तावेज ही अपने साथ लेकर जाएं।

खास बातें

- टेस्ट वोट मोक पोल परोक्षी वोट डलवाने की हिदायतों का पालन करने के निर्देश
- हीट वेव से बचाव के लिए टेंट, पंखे, पेयजल सहित मूलभूत सुविधाएं रहेगा उपलब्ध

क्यू मैनेजमेंट एप के जरिए मतदाताओं को मिलेगी लंबी लाइन की जानकारी

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए 25 मई को मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर विशेष प्रबंध किए जाएंगे। हीट वेव से बचाव हेतु तथा छाया के लिए टेंट, पंखे, पीने का पानी सहित मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। इसके अलावा मतदाताओं को क्यू मैनेजमेंट एप से भी बीएलओ जानकारी देगा कि मतदान के लिए कितने लोग लाइन में हैं, ताकि एक समय में बहुत अधिक भीड़ मतदान केंद्र पर न हो और मतदाता को अपना वोट डालने के लिए लंबा इंतजार न करना पड़े।

दिव्यांगों के लिए रैम्प की व्यवस्था कर दी गई

जहां दिव्यांगजन मतदाता है और उनके मतदान को सुगम बनाने के लिए प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्रों पर रैम्प की व्यवस्था कर दी गई है। वहीं दिव्यांगजनो की सुविधा के लिए व्हीलचेयर भिजवाई जाएगी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार 2024 आम लोक सभा चुनावों के लिए प्रशासन दिव्यांगजनों के लिए खास ख्याल रखेगा। ताकि उन्हें मतदान के कार्य में किसी भी प्रकार की मुश्किलों का सामना न करना पड़े। मतदान के दिन मतदान केन्द्रों पर मेडिकल फैसिलिटी के तहत ओआरएस ग्लूकोस समेत अन्य व्यवस्था को सुनिश्चित करने को कहा गयाए जिससे तेज गर्मी के बीच आने वाले मतदाताओं को समस्या न हो। सभी पोलिंग स्टेशन के आस-पास सफाई व्यवस्था हो। पोलिंग बूथ पर मॉडल बूथ भी तैयार करे और साथ ही पिंक बूथ की भी व्यवस्था पूरी करें।

रेवाड़ी। जनसभा में ग्रामीणों को संबोधित करते गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह। फोटो : हरिभूमि

युवा तीसरी बार मोदी के हाथों में देश की बागडोर सौंपेंगे

- एम्स से न केवल स्वास्थ्य लाभ मिलेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी मिलेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी/गुरुग्राम

गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से भाजपा एवं केंद्रीय प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि युवा शक्ति काफी समझदार है तथा देश के भविष्य के बारे में सोचती है। इस चुनाव में करीब साढ़े चार लाख नए मतदाता सामने आए हैं। उन्हें उम्मीद है कि ये नए वोटर्स देश के सुनहरे भविष्य के लिए भाजपा में विश्वास व्यक्त करते हुए तीसरी बार नरेंद्र मोदी के हाथों में देश की बागडौर सौंपेंगे। वे शनिवार को खोल क्षेत्र के गांवों में चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। गांवों में राव का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत की नींव रखी है और इस सपने को पूरा करने के लिए अगले पांच साल और भाजपा के लिए मांगे हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहें न देख पाएं, लेकिन हमारी आने वाली पीढ़ी देखेगी कि जब 2047 में आजादी के 100 वर्ष पूरे होंगे तो यह देश एक बार फिर से अपनी खोई हुई विरासत हांसिल करेगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. बनवारी लाल, जिला परिषद अध्यक्ष मनोज यादव सहित भाजपा पदाधिकारी, क्षेत्र के विभिन्न गांवों के सरपंच, जिला पार्षद, ब्लॉक समिति सदस्य उपस्थित थे।

आंधी में सड़क के बीच गिरे पेड़

जीडीए टीम मौके पर पहुंचकर पेड़ों को हटाया, यातायात व्यवस्था करवाया शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

शुक्रवार को क्षेत्र में आए आंधी और वर्षा के कारण इंदिरापुरम क्षेत्र में कई स्थानों पेड़ सड़कों पर गिर गए। सूचना पर जीडीए के अधिकारी व स्टाफ मौके पर पहुंचे और रास्तों को साफ कराया। जीडीए सचिव राजेश कुमार सिंह व मुख्य अभियंता मानवेन्द्र खुद मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य कराया।

जीडीए सचिव ने बताया कि शुक्रवार की रात में इन्दिरपुरम में कई स्थानों पर पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गए। जिससे चलते रास्ता अवरुद्ध हो गया था।

सूचना मिलने पर उद्यान विभाग का स्टाफ मौके पर पहुँचा और बचाव कार्य किया।सहायक अभियंता पीयूष सिंह,उद्यान अधिकारी शशि भारती ,उद्यान निरीक्षक तरणी सिंह व उनकी टीम के द्वारा ऐसे स्थलों का निरीक्षण करते हुए उद्यानिक अवरोध हटाया गया।

आई फोन बेचकर खरीदी थी पिस्तौल

लूट के साथ चोरी के वारदात को अंजाम देने वालों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

लूट व चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपियों को क्राइम ब्रांच सैक्टर-30 ने काबू किया है।16 अप्रैल को आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर टाऊन पार्क के पास से मोटरसाइकिल को चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने 12 अप्रैल की रात्रि करीब 11 बजे दशहरा ग्राउंड बीके के पास बाइक को अवैध हथियार दिखाकर लूट की थी तथा 16 अप्रैल को आरोपी ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर एसजीएम नगर में आटा चक्की के गल्ले से पैसे लूटने की कोशिश की थी जिसमें आरोपियो को चक्की चालक ने पकड़ने की कोशिश की थी। तीनों वारदातों को देखते हुए पुलिस उपायुक्त अपराध हेमेंद्र कुमार मीणा की ओर से दिए गए दिशा निर्देशानुसार सहायक पुलिस आयुक्त अपराध अमन यादव के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए अपारध शाखा प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी सन्नी वासी की पहचान सीसीटीवी कैमरे से की थी। आरोपी को अपराध शाखा टीम ने सेक्टर.12 एरिया से काबू किया है। आरोपी को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने तीनों वारदातो को अपने अन्य साथी के साथ मिलकर अंजाम दिया है। आरोपी कम समय में अधिकर पैसे कमा कर समाज में रोब जमाना चहाता था जिसके लिए आरोपी ने अपने आई फोन 30000 रूपए में बेचकर पिस्तौल खरीदी थी।

गुरुग्राम को बदलाव की जरूरत

चुनाव के दौरान बयानबाजी कर आहत करते हैं लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एवं प्रसिद्ध सिनेस्टार राज बब्बर की पुत्री जूही बब्बर ने कहा कि राज बब्बर गुरुग्राम लोकसभा क्षेत्र की जन समस्याओं और यहां की अपेक्षाओं से अनभिज्ञ नहीं हैं। हरियाणा को सबसे अधिक राजस्व देने वाला गुरुग्राम यहां के नेतृत्व की उपेक्षा के चलते स्लम में तब्दील होकर रह गया है।

जूही बब्बर गुरुग्राम में पूर्व विधायक एवं आप पार्टी के वरिष्ठ नेता उमेश अग्रवाल के कार्यालय में मीडिया से चर्चा कर रही थी। कहा कि गुरुग्राम का विकास उनके पिता राज बब्बर की प्राथमिकता रहेगी। यहां की जनता अपने वर्तमान सांसद से परेशान हैं। उन्होंने कोई विकास कार्य नहीं किए हैं। अच्छी शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं नहीं हैं। पुराने व नए कनेक्टिविटी नहीं है।

तीन बार लोकसभा, दो बार राज्यसभा सांसद रहे हैं राज बब्बर

क्राइम पेट्रोल व बालिका वधु जैसे टीवी सीरियलों के अभिनेता एवं राज बब्बर के दामाद अनूप सोनी ने कहा कि समय बदल गया है और समय के साथ बदलाव भी होना जरूरी है। यही कारण है कि जनता अब कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर को चुनाव जिताकर संसद में भेजने की तैयारी कर रही है। कहा कि राज बब्बर पहले तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा सांसद रहे हैं। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में काफी कार्य किए हैं। यही कारण है कि जनता उन्हें पसंद कर रही है। सोनी ने कहा कि राज बब्बर का गुरुग्राम से पुराना नाता है। बल्कि उनके खुद के रिश्तेदार भी गुरुग्राम में रहते हैं।

पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा लगभग 1 लाख 20 हजार वोटों से चुनाव जीती थी। इस बार जनता के समर्थन को देखते हुए इंडिया गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर की जीत सुनिश्चित है। इस अवसर पर आम आदमी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुराधा शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शनी सिंह, महिला जिलाध्यक्ष सुशीला कटारिया, आदि मौजूद रहे।

डेटिंग एप से आरोपी को बुलाकर बनाए थे शारीरिक संबंध

फ्लैट में युवक की गला घोंटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना अंकुर विहार पुलिस टीम ने डीएलएफ फ्लैट में हुई हत्या की घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या करने वाले युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मृतक ने डेटिंग एप के माध्यम आरोपी को अपने पास बुलाया था तथा उसके साथ सम्बंध बनाकर वीडियो बनाकर साथ रहने के लिए दबाव बना रहा था। जिससे परेशान होकर आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया।

सड़ी-गली अवस्था में मिला था शव, परिजनों को दी गई थी जानकारी

डीसीपी (ग्रामीण)विवेक यादव ने बताया कि थाना अंकुर विहार क्षेत्र में आठ मई को डीएलएफ फ्लैट में शव मिलने सम्बन्ध में सूचना प्राप्त हुई थी । सूचना पर तत्काल थाना अंकुर विहार पुलिस मौके पर पहुँची तो शव सड़ी-गली अवस्था में था । मृतक की पहचान गांव पोस्ट पिपही धहेरवा थाना चिरया जिला मोतीहारी बिहार के रुप में हुई, जिसकी जानकारी मृतक के परिजनों को दी गई ।

मामले की रिपोर्ट मृतक के भतीजे ने दर्ज कराई थी। घटना के अनावरण के क्रम में पतारसी/सुरागरसी व सर्विलांस सैल/सीसीटीवी फुटेज तथा मुखबिर खास की मदद से थाना अंकुर विहार पुलिस ने शनिवार को मृतक सकेन्द्र की गला घोटकर हत्या करने वाले फईम निवासी नरौली थाना चंदौसी सम्भल (हाल पता ब्रहमपुरी चौक जाफराबाद दिल्ली) को पुस्ता खजूरी मार्ग पर सीमेन्ट रोड से गिरफ्तार किया गया । फईम ने पूछताछ में बताया कि मृतक सकेन्द्र ने उसे डेटिंग एप के माध्यम से सम्पर्क कर दो मई को फ्लैट बुलाया था। जहाँ दोनो के मध्य शारीरिक संबंध बने थे। जिसके बाद मृतक सकेन्द्र ने फईम से कहा कि मैने तेरी वीडियो बना ली है तथा अपने साथ रहने के लिए दवाब बनाने लगा । जिसके बाद दोनों में विवाद बढ़ गया तथा गुस्से में आकर फईम ने मृतक के पहने कपड़ो से ही फंदा बनाकर उसका गला घोटकर उसकी हत्या कर दी गई तथा उसके हाथ पैर बांधकर फ्लैट से भाग गया ।

पड़ोसी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

तेज आंधी के चलते मकान की छत गिरने से मासूम की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के सुदामापुरी में तेज आंधी की वजह से एक मकान छत नीचे गिर गई। जिसमें छत के मलबे में दबकर एक मासूम की मौत हो गयी, जबकि माता-पिता घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

एसीपी सलोनी अग्रवाल ने बताया कि क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के सुदामापुरी में तेज आंधी के चलते घर की छत अचानक गिर गई। इस दौरान घर में सो रहा परिवार छत के मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद पड़ोसियों ने सभी को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां 4 साल के बच्चे शुभ को मृत घोषित कर दिया। वहीं बच्चे के पिता अमित व मां राधा को अस्पताल में भर्ती कराया है। थाने में तहरीर दी गई कि आंधी में उसके पड़ोस की एक मकान की दीवार गिर जाने के कारण उसके घर की छत टूट गई जिस कारण उसके घर में सो रहे एक 4 वर्षीय पुत्र की मृत्यु हो गई तथा उसके 5 माह के पुत्र व पत्नी घायल हैं ।

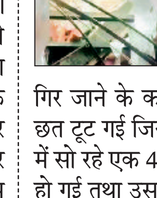

पीओके को भारत में लाना है तो मोदी सरकार को 400 सीटें चाहिए

खबर संक्षेप

बागी होकर चुनाव लड़ रहे प्रो. वर्मा निलंबित

रांची। जेएमएम ने बागी प्रत्याशियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कोडरमा लोस सीट पर इंडिया

गठबंधन से बगावत कर स्वतंत्र प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रहे पूर्व विधायक प्रो. जयप्रकाश वर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। इसके पहले लोहरदगा सीट से चुनाव लड़ रहे चमरा लिंडा को निलंबित व खूंटी सीट पर बागी प्रत्याशी बसंत लोंगा को पार्टी से निष्कासित किया गया है।

बिजली गिरने से दो बच्चों समेत 5 लोगों की मौत

सासाराम। बिहार के दक्षिणी जिलों में मौसम बिगड़ने से आसमान से कहर बरपा। वज्रपात के चलते दो

बच्चों समेत 5 की जान चली गई। रोहतास में 3 व गया, नवादा में एक शख्स-शख्स की बिजली गिरने से मौत हो गई। 3 युवकों के झुलसने की खबर है, इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौसम विभाग ने गया, रोहतास, नवादा के साथ ही जहानाबाद, औरंगाबाद, नवादा, अरवल व भोजपुर जिले में तात्कालिक येलो अलर्ट जारी कर आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है।

चुनाव को लेकर नेपाल सीमा 72 घंटों के लिए सील

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में 13 मई को मतदान होना है।

इसको लेकर 72 घंटों के लिए नेपाल सीमा सील कर दी गई है। एसएसबी व नेपाल एपीएफ ने बॉर्डर पर कड़ी निगरानी रहेगी। नेपाल जाने वाले जहां जंगल रास्ते से होकर नेपाल पहुंचे। वहीं भारतीयों को सीमा सील होने से बॉर्डर से लौटा दिया गया। सीमा बंद होने से गौरीफंटा बॉर्डर पर मालवाहक वाहनों की भी लंबी लाइन लग गई है।

> हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि पीओके को भारत में लाना है, मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से ईदगाह और काशी विश्वनाथ मंदिर से ज्ञानवापी मस्जिद को हटाना है तो, मोदी को 400 सीटें चाहिए।

एजेंसी ▶▶ बेगूसराय

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि अगर पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत में लाना है तो लोकसभा चुनाव 2024 में मोदी सरकार को 400 सीटें चाहिए। बिहार के बेगूसराय में भाजपा प्रत्याशी गिरिराज सिंह के पक्ष में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए सरमा ने यह बात कही। उन्होंने यह भी कहा कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूर्व जन्म में पाप किए होंगे, इसलिए वे रामलला के दर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

हिमंत बिस्वा सरमा ने बेगूसराय जिले के बखरी स्थित शकरपुरा हाईस्कूल ग्राउंड में भाजपा की चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि बेगूसराय से सांसद एवं भाजपा प्रत्याशी गिरिराज सिंह की देखरेख में बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में काम हुआ है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी को आखिर 400 सीटें क्यों चाहिए।

बिहार में गिरिराज के लिए वोट मांगने पहुंचे हिमंत बिस्वा सरमा

कृष्ण जन्मभूमि परिसर से ईदगाह को भी हटाना है

सरमा ने कहा कि पूरे देश में जो काम हुआ है, उसे आगे बढ़ाना है। पीओके को वापस भारत में लाना है, मथुरा के कृष्ण जन्मभूमि परिसर से ईदगाह को हटाना है, काशी विश्वनाथ मंदिर के पास बना ज्ञानवापी मस्जिद वहां नहीं रहना चाहिए। इसलिए मोदी सरकार को 400 सीटें चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी बहुत सारे काम करने हैं।
हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने भाषण में गिरिराज सिंह को वोट देकर जिताने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में पूरे देश में 3 करोड़ लोगों को पक्का मकान मिला है। इसके लिए पीएम मोदी के साथ ही गिरिराज सिंह को भी धन्यवाद दिया जाना चाहिए।

कानपुर व अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए सीएम योगी की चुनावी जनसभा

इंडी गठबंधन सत्ता में आया तो लौट आएगा आतंकवाद और नक्सलवाद

सीएम योगी कानपुर के छावनी विधानसभा क्षेत्र में कानपुर और अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां कानपुर से पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी के समर्थन में वोट मांगे।

एजेंसी ▶▶ कानपुर/झांसी

भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर करारा प्रहार किया। सीएम योगी ने कहा, अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आता है तो देश में एक बार फिर आतंकवाद और नक्सलवाद का दौर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि संविधान संशोधन का डर फैलाने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले भारतीय संविधान में संशोधन करते हुए अभिव्यक्ति की आजादी को रौंदने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सपा के एजेंडे में अयोध्या का विकास नहीं, बल्कि अयोध्या में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेना था।

इंडिया गठबंधन नकारात्मक राजनीति के कारण खो रहा विश्वसनीयता

सीएम योगी ने कहा कि बीते 10 साल में मोदी जी ने बिना रुके, बिना थके और बिना डिगे देश की

अहर्निश सेवा की है। हर व्यक्ति इस बात को मानता है कि मोदी जी ने देश को दुनिया में सम्मान दिलाया है, हमारी सीमाओं को सुरक्षित किया है, विकास को गति दी है, गरीब कल्याण के साथ ही नागरिकों के जीवन में परिवर्तन किया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन नकारात्मक राजनीति के कारण अपनी विश्वसनीयता खो रहा है। इनको पाकिस्तान के हितों की चिंता होती है। इनको आतंकवाद और नक्सलवाद की समस्या के समाधान की नहीं आतंकियों पर दायर मुकदमों को वापस लेने की चिंता होती है। इनकी चिंता थी कि जैसे भी हो अयोध्या में राममंदिर का निर्माण न हो।

कानपुर में रमेश अवस्थी व अकबरपुर में देवेन्द्र सिंह के लिए वोट की अपील की

उन्होंने कानपुर के छावनी विधानसभा क्षेत्र में कानपुर व अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कानपुर से पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी और अकबरपुर से प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के लिए जनता से वोट की अपील की। कानपुर में कहा कि क्रांति धरा होने के साथ ही देश के विकास की ऊर्जा की भूमि भी है। चौथे चरण में कानपुर की जनता को निर्णय लेना है। पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है 'फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार'। 400 पार में कानपुर और अकबरपुर की सीटें भी शामिल होंगी।

कांग्रेस के पास न श्रीराम हैं और न गिनाने का कोई काम

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने झांसी मऊरानीपुर और ललितपुर के मेहरौनी से लोकसभा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के लिए जनसभा की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास न तो श्रीराम हैं और न ही गिनाने के लिए कोई काम है। कांग्रेस और उनकें इंडी गठबंधन के अभी तो ज्यादातर नेता या तो जेल में या बेल पर हैं। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर यह इंडी नहीं चिंदी गठबंधन है।जिस-जिस को जहां मौका मिला। उसने गरीबों और मध्यवर्ग की संपत्ति लूटने का ही काम किया है।

दरभंगा में तेजस्वी यादव की हुंकार, कहा-

मुझे नहीं, पीएम मोदी को है बेड रेस्ट की जरूरत

एजेंसी ▶▶ दरभंगा

13 को वोट डाले जाएंगे। चुनाव प्रचार का दौर अब गया है। तमाम राजनीतिक दलों ने अपने प्रत्याशियों को जिताने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोनकी में एक चुनावी सभा को संबोधित किया और भाजपा सरकार को निशाने पर लिया।

जनसभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि ललित यादव के हाथ में लालू यादव ने लालटेन थमाया है। हम आप सभी लोगों से अपील करने आए हैं कि लालटेन छाप पर बटन दबा कर ललित यादव को भारी बहुमत से विजयी बनाएं। ललित यादव के हाथ मे जब-जब लालटेन थमाया गया, तब-तब वह विजयी हुए। इन्होंने विधायकी में छक्का मारा है, दरभंगा सीट से जीत दर्ज करने के बाद ललित यादव दरभंगा में परिवर्तन लाने का काम करेंगे।

अभी तेजस्वी बेड रेस्ट नहीं लेगा

तेजस्वी यादव ने कहा की कमर में परेशानी की वजह से डॉक्टर ने आराम करने को कहा है। मेरे कमर की हड्डी में चोट है। कमर पर लगाए बेल्ट को दिखाते हुए उन्होंने कहा कि हम अभी बेल्ट लगा कर घूम रहे हैं। मैंने डॉक्टर से कहा कि आप बोल रहे हैं तीन सप्ताह आराम करने के लिए, इसमें तो चुनाव खत्म हो जाएगा। मैंने डॉक्टर को कहा, अभी तेजस्वी बेड रेस्ट नहीं लेगा। जब तक पीएम मोदी को हम हटा नहीं देते तब तक हमें बेड रेस्ट की जरूरत नहीं है, मोदी को बेड रेस्ट की जरूरत है।

दरभंगा में सोमवार को होगा मतदान

उल्लेखनीय है कि 13 मई को होने वाले चौथे चरण के मतदान के लिए शनिवार शाम पांच बजे प्रचार-प्रसार का दौर थम जाएगा। प्रचार के आखिरी दिन वोटर्स को अपने पक्ष में करने के लिए भाजपा और राजद के नेताओं की रैलियां और रोड शो की जा रही हैं।

पेज एक का शेष

पीएम का 10 साल...

पालन कराना। इन फैसलों से मप्र की जनता गदगद है। डॉ. यादव संगठन को जोड़ने और उसके समन्वय की अकूत क्षमता रखते हैं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से लेकर प्रदेश के शीर्ष पद पर पहुंचने के बाद वे लोकसभा चुनाव की कमान संभाल रहे हैं। वे प्रचार खत्म होने तक धड़ाधड़ चुनावी सभाएं कर रहे थे। उन्होंने 139 सभाएं की। 49 रोड शो किए। विधानसभा क्षेत्रों में 178 कार्यक्रम किए। एक दिन, एक क्षण का भी विश्राम नहीं। पीएम मोदी के जताए भरोसे के लिए वे परिश्रम की पराकाष्ठा पर हैं। उन्हें एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रचंड बहुमत के साथ तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। चुनाव में एक योद्धा की तरह उतरे डॉ. यादव से हरिभूमि व आईएनएच न्यूज चैनल के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का 'चुनावी संवाद'।

उनसे सीधी बात...

सवाल :जब सब कुछ आपके पक्ष में है तो कांग्रेस नेताओं को क्यों भाजपा में ला रहे हैं?

जवाब :जिन कांग्रेस नेताओं को भाजपा की रीति-नीति पसंद आ रही है और वे हमसे जुड़कर देशहित में काम करना चाहते हैं तो हम उन्हें मना नहीं कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य ही जनसेवा है। आपने देखा होगा कि अयोध्या के राम मंदिर को लेकर कांग्रेस ने जो स्टैंड लिया है वो कांग्रेस के लिए आत्महत्या जैसा है। इसे कोई पसंद नहीं कर सकता है। कई लोग इससे आहत होकर भाजपा में आ गए। आपको याद होगा कि एक समय हमारे केवल दो सांसद थे तब भी वे नहीं टूटे और अपनी विचारधारा पर अड़े रहे क्योंकि भाजपा में अपने विचारों पर अटल है। कांग्रेस में जब हताशा- निराशा आ गई तो लोग हमारे पास आने लगे है। हम उन्ही लोगों को अपने साथ ले रहे हैं जो राष्ट्र और राष्ट्र के लोगों को समझते हैं। आज जो कांग्रेसी हमारे साथ आ रहे हैं वे राष्ट्र और राष्ट्र निर्माण में दुनिया की सबसे बड़ी भाजपा पार्टी का साथ देना चाहते हैं।

सवालः हाल में भाजपा में आए पूर्व कांग्रेस नेता रामनिवास रावत ने कहा है कि मोहनजी से दोस्ती के कारण पट्टा पहन लिया हमने पार्टी नहीं छोड़ी?

जवाब : टेक्नीकली रूप से अभी रावत जी ने इस्तीफा नहीं दिया है। ऐसे में लोग उन्हे फंसाने की कोशिश तो करेंगे। और वो खुद को बचाने की कोशिश भी करेंगे। आप बताइए कि रावत जी ने भाजपा के लिए 20-20 सभाएं की हैं। चुनाव प्रचार कर रहे हैं तो कहीं कोई संशय नहीं होना चाहिए। मैं आपसे पूछता हूं कि रावत जी कहां चले गए। भाजपा में तो हैं न। इसलिए, कहीं कोई संशय की स्थिति नहीं है।

सवाल : क्या आप मोदीजी पर ही निर्भर है। बीते चार माह में आपने क्या किया?

जवाबः देखिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में सरकार चल रही है। ये डबल इंजन की सरकार है। पिछले तीन महीने की बात करें तो प्रशासनिक कसावट से लेकर तीन तीन विश्वविद्यालयों की स्थापना जिसमें तात्याटोपे विश्वविद्यालय गुना,टंटया मामा विश्वविद्यालय खरगोन और रानी अवंति बाई विश्वविद्यालय सागर शामिल है। इसके अलावा एयर एंबुलेंस एग्रीमेंट,एयर टैक्सी लगाना और धार्मिक स्थलों पर सुगमता से पहुंचने के लिए हेलिकॉप्टर की सुविधा जैसे कई प्रमुख काम राज्य सरकार के रहे हैं। दस हजार लोगों को नियुक्ति पत्र देना और एमपीपीएससी से चयनित 800 लोगों को एक साथ नियुक्ति दिलाने का भी काम मप्र की भाजपा सरकार ने किया है। इसी तरह खुले में मांस मछली बेचना और ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन का पालन कराने समेत करीब सौ से अधिक ऐसे काम हुए हैं जिसे मध्य प्रदेश की जनता ने स्वीकार किया है और राज्य की जनता इन कामों को समझती है तभी तो भाजपा का साथ दे रही है। आप आगे भी देखिए, प्रदेश का एक-एक व्यक्ति भाजपा के साथ खड़ा रहेगा। प्रशासनिक कसावट में हमने अधिकारियों को अलग अलग जिम्मेदारी दे रखी है जिसके कारण कहीं कोई भ्रम की स्थिति नहीं रहती है। इस आशय की प्रशंसा खुद कांग्रेस ने विधानसभा के अंदर की है।

सवाल : क्या लोकसभा चुनाव के बाद डॉ. मोहन यादव की टीम में कोई परिवर्तन होगा?

जवाबः देखिए,चुनाव के बाद स्वाभाविक रूप से परिवर्तन होता है तो यहां भी ऐसे परिवर्तन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। चुनाव परिणाम आने के बाद तय करेंगे क्या करना है। मंत्रिमंडल के साथ और भी कई नियुक्तियां होनी हैं।

शाह को बनाया जाएगा ...

होगा? 2014 में मोदी ने खुद नियम बनाया था कि 75 साल की उम्र के बाद भाजपा नेता रिटायर हो जाएंगे। मोदी जी अगले साल 17 सितंबर को 75 साल के हो रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि मोदी जी, क्या आप अमित शाह के लिए वोट मांग रहे हैं? केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मानते हैं कि भाजपा को चुनौती आम आदमी पार्टी देगी। उन्होंने आरोप लगया कि पीएम मोदी ने एक खतरनाक मिशन शुरू किया है और वो है वन नेशन वन लीडर। इसके तहत वो सभी देश के नेताओं को ख़त्म करना चाहते हैं, सारे विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल देंगे। उनकी राजनीति खत्म कर देंगे। मुझसे लिखवा लो- कुछ दिनों बाद ममता बनर्जी, स्टालिन, उद्धव ठाकरे, तेजस्वी यादव समेत विपक्ष के सभी नेता जेल में होंगे। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की राजनीति खत्म करने की साजिश की जा रही है।

भ्रष्टाचार से लड़ाई...

मेरे खून का एक-एक कतरा देश के लिए है। 4 जून के बाद भाजपा की सरकार नहीं बन रही है। हरियाणा, दिल्ली, बिहार, झारखंड, यूपी और दूसरे राज्यों में इनकी सीटें घट रही हैं। देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी।

सीएम यादव ने कहा...

पर कोर्ट ने टिप्पणियां की हैं। मुझे लगता है कि कोई समझदार व्यक्ति होता तो तुरंत इस्तीफा दे देता। उन्हें किसी फाइल पर साइन करने का अधिकार नहीं है। यह उसी प्रकार से है जैसे किसी व्यक्ति के शरीर में प्राण नहीं हो, पर काम करता रहे। मुझे लगता है केजरीवाल वेंटिलेटर पर है।

पूरे देश से माफी मांगे केजरीवालः डॉ. यादव ने कहा कि जिस आधार पर उन्हें जेल से बेल मिली है, उसकी शर्तों में कोर्ट ने उनसे कहा है किसी प्रकरण या पॉलिसी पर बोलना नहीं है। अपने बारे में कोई चर्चा नहीं करना है, बाहर आकर कह रहे हैं कि मैं तानाशाह से लड़ रहा हूं तो जनता सब जानती है जनता कभी माफ नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि निष्कलंक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार से देश आगे बढ़ रहा है, स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वर्तमान समय की जो स्थितियां है, इसे देखकर लगता है कि केजरीवाल को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। बड़ी बात यह है कि एक राजनेता को इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए।

केजरीवाल की जिद मतदाताओं का अपमानः डॉ. यादव ने कहा कि एक मुख्यमंत्री जिस प्रकार की जिद कर रहे हैं यह देश का दुर्भाग्य है। उन्होंने लिकर पॉलिसी में पैसा खाया है, इस आरोप में वे जेल में रहे हैं। यह हमारे देश का चरित्र नहीं है। यह जो कुछ भी हुआ है उनकी पार्टी को जितने वोट मिले थे, उन सारे मतदाताओं का अपमान है। एक के बाद एक केजरीवाल जैसे व्यक्ति सामने आ रहे हैं, जिन्हें ऐसा माना जाता था कि वह इन सब बातों को समझते हुए व्यवहार करेंगे। लेकिन, पता नहीं ऐसी क्या स्थिति बनती है कि व्यक्ति ऐसे निर्णय लेने को तैयार हो जाता है। एक प्रकार से यह खराब समय शुरू होने की निशानी है।

शाह ने दिया जवाब...

अरविंद एंड कंपनी और पूरे इंडी अलायंस को कहना चाहता हूं कि पीएम मोदी 75 साल के हो जाएं इससे आपको आनंदित होने की जरूरत नहीं है। ये भाजपा के सविधान में कहीं नहीं लिखा है 75 साल के बाद प्रधानमंत्री नहीं बन सकते। पीएम मोदी ही आगे देश का नेतृत्व करते रहेंगे। इसमें कोई शंका नहीं है।

21 वीं बार भी लांचिंग की विफल कोशिशः शाह ने कहा कि एक तरफ यूपीए अलायंस है दूसरे तरफ एनडीए है। एक तरफ 12 लाख करोड़ के घपले-घोटाले करने करने वाली कांग्रेस और सहयोगी दल हैं तो दूसरी तरफ पीएम मोदी 23 साल से दीपावली की भी छुट्टी लिए बगैर सैनिकों के साथ देश के बॉर्डर पर त्योहार मनाते हैं। जबकि दूसरे नेता गर्मी बढ़ते ही छुट्टी पर विदेश चले जाते हैं। 20 बार लॉन्च करने के बाद भी लॉन्च नहीं हो पाए। अब 21 वी बार विफल कोशिश कर रहे हैं।

कभी भी पीओके से...

आरक्षण को समाप्त कर देंगे। 10 साल से पीएम मोदी के पास पूर्ण बहुमत है। हमने हमारे पूर्ण बहुमत का उपयोग धारा 370 खत्म करने के लिए किया, तीन तलाक समाप्त करने के लिए किया। राम मंदिर बनाने के लिए किया।

तीन बच्चों को छत...

मृतक अनुराग सिंह के भाई अजीत सिंह ने खुद को कमरे में बंद कर जान बचाई। उसने बताया कि रात ढाई से तीन बजे के बीच गोली चलने की आवाज सुनाई दी। जब वह अपने कमरे से बाहर आया तो खूनी मंजर देखा। इसके बाद अनुराग उसे भी मारने के लिए दौड़ा, लेकिन अजीत सिंह ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। अगर वह ऐसा नहीं करता तो अनुराग उसे भी मार देता। सनसनीखेज वारदात से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर भारी भीड़ जुट गई। सीओ महमूदाबाद दिनेश शुक्ला ने बताया कि युवक नशे का आदी था। परिवार वाले उसे नशा मुक्त केंद्र ले जाना चाहते थे, इसको लेकर रात में विवाद हुआ। इसके बाद यह घटना हुई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है।

पेट में छिपाए थे...

किया गया और कोर्ट के आदेश के अनुसार, उसे मुंबई के सर जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर उसका इलाज चल रहा है। डीआरआई के अधिकारियों ने एनडीपीएस एक्ट, 1985 के नियमों के तहत कोकीन बताया जाने वाला पदार्थ को जब्त कर लिया गया था। फिलहाल, टीम भारत में ड्रग्स की अवैध तस्करी में शामिल इस अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के अन्य सदस्यों का पता लगाने के लिए आगे की जांच पड़ताल कर रही है। डीआरआई की यह कार्रवाई एक हफ्ते में दूसरी है। इससे पहले, डीआरआई के अधिकारियों ने हाल ही में ड्रग्स ले जाने के संदेह में एयरपोर्ट पर आइवरी कोस्ट के नागरिक को रोका गया था। जिसके पास से 1468 ग्राम कोकीन वाले 77 कैप्सूल मिले थे। यूफोरिया पैदा करने वाले ड्रग्स की कीमत लगभग 15 करोड़ रुपए बताई जा रही थी।

इस बार फिल्म और...

के लिए हो रहे इस चुनावी समर के पहले तीन चरणों में आधे से भी ज्यादा 283 सीटों के लिए चुनाव हो चुका है और 4,158 उम्मीदवारों की सियासी किस्मत ईवीएम में कैद हो चुकी है। कल 13 मई सोमवार को 96 लोकसभा सीटों के लिए होने वाले मतदान के लिए शनिवार की शाम चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है। अब इस चुनाव के लिए राजनीतिक दलों की मतदाताओं के बीच व्यक्तिगत संपर्क का सिलसिला चलता देखा जा रहा है और रूठों को मनाने की कोशिशें की जा रही हैं। इस चरण में चुनाव मैदान में उतरे 1717 प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 525 प्रत्याशी तेलंगाना की 17 सीटों पर हैं, जिनमें 5 सीटों पर 40 से भी ज्यादा प्रत्याशी चुनावी जंग में हैं। इनमें तेलंगाना की सिंकदराबाद सीट पर इस चरण के चुनाव में सबसे ज्यादा 45 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमाने उतरे हैं। इस चरण में सोमवार को आंध्र प्रदेश की 25 लोकसभा सीटों और 175 विधानसभा सीटों के लिए एक साथ मतदान होगा, तो वहीं ओडिशा की 4 लोकसभा के साथ 28 विधानसभा सीटों के लिए भी वोटिंग की जाएगी।

किस दल के कितने प्रत्याशीः लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में 10 राज्यों की 96 लोकसभा सीटों के लिए राजनैतिक दलों में बसपा ने 92, भाजपा ने 70, कांग्रेस ने 61, वाईएसआर कांग्रेस ने 25, सपा ने 19, तेदेपा व बीआरएस ने 17-17, तृणमूल कांग्रेस व सीपीआई (एम) ने 8-8, सीपीआई व जेजेएम 5-5, बीजद, राजद, शिवसेना (यूबीटी), राकांपा (शरद) और एआईएमआईएम ने 4-4 प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारा है। शिवसेना (शिंदे) के 3, जन सेना पार्टी के 2 और जदयू का एक प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। हालांकि इस चरण में अपनी किस्मत आजमाने उतरे 1717 प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 809 प्रत्याशी निर्दलीय रुप से उतरे हैं।

दागी प्रत्याशियों पर दांवः लोकसभा चुनाव के पहले तीन चरणों की तर्ज पर इस चौथे चरण में भी राजनीतिक दलों ने दागियों को अपना उम्मीदवार बनाने से कोई परहेज नहीं किया। मसलन 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में कुल 360 आपराधिक पृष्ठभूमि वाले प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 40 भाजपा और 35 कांग्रेस पार्टी के हैं। जबकि बसपा के 11, वाईएसआर कांग्रेस के 12, सपा के 7, तेदेपा के नौ, बीआरएस के 10, तृणमूल कांग्रेस के 3, बीजद, राजद व शिवसेना (यूबीटी), शिवसेना (शिंदे), एआइएमआईएम तथा जन सेना पार्टी ने दो-दो दागी प्रत्याशियों को टिकट थमाया है। सीपीआईएम के भी आठ में पांच प्रत्याशी दागी प्रत्याशियों क सूची में शामिल हैं। जबकि जदयू व जेजेएम ने भी एक-एक इस श्रेणी के प्रत्याशियों पर दांव खेला है। सबसे ज्यादा आपराधिक मामले तेलंगाना की अदिलाबाद सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अथराम सुगुना के खिलाफ लंबित हैं। इसके बाद इसी लोकसभा सीट से बीआरएस प्रत्याशी अथराम सक्कू के खिलाफ 47 मामले विचाराधीन हैं।

किसी दल को नहीं धनकुबेरों से परहेजः लोकसभा चुनाव के इस चौथे चरण के चुनाव में दौर में करोड़पति प्रत्याशियों की भी कोई कमी नहीं है। मसलन कुल 476 धनकुबेरों में भी वैसे तो सबसे ज्यादा 122 निर्दलीय प्रत्याशी हैं, लेकिन राजनीतिक दलों मे सबसे ज्यादा 65 करोड़पतियों को भाजपा प्रत्याशी बनाया है। इसके बाद 56 करोड़पतियों प्रत्याशियों के साथ कांग्रेस दूसरे पायदान पर है। इनके अलावा बसपा के 27, वाईएसआर कांग्रेस के 24, तेदेपा व बीआरएस के 17-17, तृणमूल कांग्रेस के 7, बीजद, राजद व शिवसेना (यूबीटी) के सभी 4-4 प्रत्याशी धनकुबेरों की फेहरिस्त में शामिल हैं। एआईएमआईएम, जन सेना पार्टी और सीपीआईएम ने भी दो करोड़पतियों को चुनाव मैदान में उतारा है। इस चरण में 5705 करोड़ की संपत्ति के साथ सबसे अमीर प्रत्याशी आंध्र प्रदेश की गंटूर सीट से तेदेपा प्रत्याशी डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासनी और सबसे गरीब पांच सौ रुपए की संपत्ति के साथ महाराष्ट्र की बीड सीट के प्रबुद्ध रिपब्लिकन पार्टी के शेबेराव चोखबावीर तथा नंदूरबार सीट से निर्दलीय प्रत्याशी जलामसिंह पवार हैं।

इन पूर्व सीएम व केंद्रीय...

एवं संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी, बिहार की बेगुसराय से केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह, उजियारपुर से गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, झारखंड की खूंटी से केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, यूपी की खीरी सीट से केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी भी शामिल हैं।

पूर्व मंत्रियों, अभिनेताओं व ...

पर तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में पूर्व सांसद एवं क्रिकेटर कीर्ति आजाद व भाजपा के सांसद दलीप घोष के आलवा पश्चिम बंगाल की ही कृष्णानगर सीट से संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में चर्चित रही अभिनेत्री एवं सांसद महुआ मोइत्रा के लिए भी यह चुनाव प्रतिष्ठा की जंग बनी हुई है। इसके अलावा पूर्व मंत्रियों में मध्य प्रदेश की रतलाम सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिसिंह भूरिया, तेलंगाना की महबूबाबाद सीट से कांग्रेस के पूर्व मंत्री बलराम नाइक, यूपी की इटावा सीट से भाजपा के पूर्व मंत्री रमाशंकर कठेरिया भी प्रतिष्ठा की लड़ाई लड़ रहे हैं।

मातृ दिवस विशेष

अपने बच्चे से मां का जुड़ाव अत्यंत गहन और निस्वार्थ होता है। उसके जीवन को गढ़ने में ही नहीं संवारने में भी मां की भूमिका बहुत उदात्त होती है। मां की पूरी दुनिया, उसके बच्चे में ही समायी होती है। सच, हर संतान के लिए उसके मां की ममता, उसके प्रेम को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है।

अद्वितीय-असीम मां की ममता

{ आवरण कथा / कुमार राधारमण }

यह अकाट्य सत्य है कि मां सबकी जगह ले सकती है, लेकिन मां की जगह कोई नहीं ले सकता। इसलिए हमारा प्रेम, प्रेमिका के प्रति सर्वाधिक और पत्नी के प्रति सर्वोत्तम भले ही हो, लेकिन सबसे दीर्घजीवी ममतामयी और स्नेहपूर्ण प्रेम माता के साथ ही हो सकता है। हम चाहे बूढ़े हो जाएं, लेकिन अगर मां जीवित हैं, तो हमको उनकी जरूरत हमेशा महसूस होती है। उनके सान्निध्य में, उनके स्नेहपूर्ण स्पर्श में अप्रतिम आनंद और संतुष्टि की प्राप्ति होती है।

स्त्री का उदात्त स्वरूप

ओशो कहते हैं, 'मां होना स्त्री की सहज गति है। कोई पुरुष इसलिए विवाह नहीं करता कि पिता बन जाए, लेकिन स्त्री अनिवार्यतः विवाह इसलिए करती है कि वह मां बन सके। इसलिए मैं अपनी संन्यासिनों को मां कहता हूं, क्योंकि वह उनकी पूर्णता का अंतिम शब्द है। स्त्री की खोज उस दिन पूरी होगी, जिस दिन सारा जगत उसे अपनी संतान की तरह मालूम पड़ने लगे, सारा अस्तित्व उसे अपने बच्चे जैसा दिखने लगे, उसमें सारे अस्तित्व के प्रति मातृत्व जग जाए।'

आसान नहीं मां की भूमिका

पिता एक सामाजिक आवश्यकता भर है, लेकिन यही बात माता के संबंध में नहीं कही जा सकती है। बच्चे के जन्म के साथ ही मां का जन्म भी होता है। लेकिन, संतान को जन्म देना या मां बनना भर मां हो जाना नहीं है। जन्म तो अन्य प्राणी भी देते हैं। मां बनना और मां होना अलग-अलग बातें हैं। मां होना जीवन के सबसे कठिन कार्य को स्वीकार करना है। मां की भूमिका निभाना आसान नहीं होता है।

मां का अर्थ-स्वार्थहीनता

दुनिया के लिए हम करोड़ों लोगों में एक व्यक्ति मात्र होंगे, लेकिन मां के लिए हम ही पूरी दुनिया हैं। मां होने का अर्थ है, प्रेम का शुद्धतम रूप होना। प्रेम मातृत्व के साथ ही जन्म लेता है और उसके विदा होते ही समाप्त हो जाता है। बिना शर्त प्रेम केवल मां दे सकती है। अगर इस दुनिया में कोई एक चीज निश्चित है, तो वह है मां का प्रेम। बच्चे के प्रति मां के प्रेम जैसा दुनिया में कुछ भी नहीं। मां का अर्थ ही है स्वार्थहीनता।

त्याग-सहनशीलता की मिसाल

मार्क ट्वेन कहते हैं, 'बच्चा मां को कितना ही तंग करे, मां उसका आनंद ही लेती है। जब संतान का जन्म होता है, मां की अनगिनत रातें जागते हुए बीतती हैं। फिर भी, उसके चेहरे पर कोई क्षोभ या क्रोध नहीं, प्रसन्नता और संतोष की लालिमा ही दिखती है।'

महान लेखक जार्ज इलियट ने मां के बारे में ठीक ही कहा था कि संतान के मुखमंडल की प्रसन्नता ही उसके जीने का आधार होती है। जब तक शिशु कुछ कहना नहीं सीख पाता, तब तक मां की आंखों से नींद गायब रहती है। उसकी बंद आंखें भी बच्चे के लिए चिंतामग्न रहती हैं। बकौल अब्बास ताबिश, *'एक मुद्दत से मिरी मां नहीं सोई 'ताबिश', मैंने इक बार कहा था मुझे डर लगता है।'* इस धैर्य, सहनशीलता और त्याग का कोई सानी नहीं है।

संतान की पहली रोल मॉडल

चाहे किसी स्त्री के व्यक्तिगत जीवन या करियर के सपने मुरझा गए हों, लेकिन एक मां के तौर पर वह अपने बच्चे के सपने और उसके जीवन को निरंतर संवारती चलती है। यही नहीं, घर-परिवार की एकजुटता का आधार मां ही तैयार करती है। ऐसे में हर इंसान के लिए उसकी मां से बड़ा कोई दूसरा रोल मॉडल नहीं हो सकता है। पूर्व अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लिसा लेस्ली ने कहा था, 'जब तक मैं समझती कि रोल मॉडल होना क्या होता है, उससे पहले ही मेरी मां मेरे लिए रोल मॉडल बन चुकी थीं।'

निभाती है सबसे मूल्यवान दायित्व

मां ही बच्चे को जीने की कला सिखाती है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन का प्रसिद्ध कथन है, 'आज मैं जो कुछ भी हूं, अपनी मां की ही बदौलत हूं।' एक नैतिक, करुणावान, सभ्य और जिम्मेदार मनुष्य तैयार करना इस दुनिया का सबसे बड़ा और मूल्यवान दायित्व है, जिसे मां पूरी शिद्दत से निभाती है। किसी भी इंसान में जो कुछ भी बन सकने की संभावना होती है, उसमें मां की अनन्य भूमिका होती है। खुद अनपढ़ हो, तो भी बच्चों को पढ़ाती है मां। यह भूमिका, साहस और सौंदर्य शब्दों से परे है। इसी अर्थ में बिल वाटरसन ने मातृत्व को आविष्कार की जननी माना है। भारत में महान सांस्कृतिक आंदोलन के प्रणेता श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं, 'माता का अर्थ है निर्माण करने वाले गुणों का होना।'

हर संकट में देती है संबल

संकट की हर घड़ी में सबसे पहले मां की ही याद आती है, क्योंकि कठिन से कठिन समय में भी संतान के प्रति मां की सहानुभूति और हौसला छीजता नहीं। प्रसिद्ध यहूदी उक्ति है कि मां वह भी समझती है, जो बच्चा कह नहीं पाता। हर मुश्किल वक्त में, आप मांगें न मांगें, मां संबल देती ही है। इफ्तिखार आरिफ का मशहूर शेर है, *'दुआ को हाथ उठाते हुए लरजता हूं, कभी दुआ नहीं मांगी थी मां के होते हुए।'*

मां के प्रति हों कृतज्ञ

मां का प्रेम हमारे भीतर एक नई ऊर्जा उत्पन्न करता है। इस ऊर्जा में हमारे अंतरतम को आलोकित करने की शक्ति होती है। यह ऊर्जा किसी बंधन को नहीं मानती और न ही यह हमें बांधती है। यह ऊर्जा मुक्तिदायी है। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज के अर्थप्रधान और भौतिक युग में हम मां की गरिमा का मूल्य भूलने लगे हैं। मां के प्रति कृतज्ञता का जो भाव होना चाहिए, प्रायः हम उसकी अनदेखी करते हैं। स्वयं के साथ ही देश और समाज के उत्थान के लिए मातृशक्ति का सम्मान, उनके प्रति कृतज्ञता का भाव परम आवश्यक है। *

ऐसे हुई मातृ दिवस की शुरुआत

दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में मई के दूसरे रविवार को मातृदिवस मनाया जाता है। कई और देशों में यह मार्च या दूसरे महीनों में भी मनाया जाता है। लेकिन भारत, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में यह मई के दूसरे संडे को ही मनाया जाता है। मदर्स-डे की इस वैश्विक महत्ता को देखते हुए जो शुरुआती अनुमान बनता है, उससे लगता है शायद महिलाओं को उनकी मातृत्व विशिष्टताओं के लिए यह पुरुषों द्वारा दिया गया सम्मान होगा, पर ऐसा नहीं है। यह महिलाओं द्वारा खुद अपने लिए बड़ी जिद और जुनून से अर्जित किया गया सम्मान है, इसके लिए दुनिया की कई महिला नेत्रियों को दशकों तक संघर्ष करना पड़ा था।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज पूरी दुनिया में मातृ दिवस मांओं के सम्मान को समर्पित है। लेकिन इस दिन को सम्माननीय बनाने के लिए जुलिया वार्ड होवे और एना जार्विस जैसी अमेरिकी सामाजिक कार्यकर्ताओं और नारीवादी एक्टिविस्टों ने बहुत कुछ किया है। मदर्स-डे की शुरुआत का श्रेय वास्तव में जूलिया वार्ड होवे को ही जाता है, लेकिन आधुनिक स्वरूप के मदर्स-डे की संस्थापक ब्रिटिश सामाजिक कार्यकर्ता एना जार्विस मानी जाती हैं। सन 1870 में जूलिया वार्ड होवे ने महिलाओं से अपने मां के सम्मान में मदर्स-डे मनाए जाने का आह्वान किया था। अगर कहें कि दुनिया में सबसे पहली बार इस दिवस की कल्पना उन्होंने ही की थी, तो गलत नहीं होगा, क्योंकि इस नारीवादी लेखिका ने देखा था कि युद्ध की क्रूरता को सबसे अधिक मांओं को झेलना पड़ता है। इसलिए युद्ध रोकने के लिए जूलिया वार्ड ने दुनियाभर की मांओं के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया था और दो वर्षों के बाद 1872 में पहली बार उनके नेतृत्व में इकट्ठी हुई महिलाओं ने 'मदर्स पीस-डे' मनाया, जो कि वास्तव में आज के मदर्स-डे की बुनियाद था। अमेरिका के कई शहरों में यह मदर्स पीस-डे अगले 30 सालों तक मनाया जाता रहा। लेकिन आगे चलकर एना जार्विस ने इस मदर्स पीस-डे को सिर्फ मदर्स-डे में बदल दिया। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि इससे हर कोई अपनी मां से जुड़ रहा था और मांओं के प्रति सम्मान का यह आदर्श दिवस बन गया था।

जूलिया वार्ड हावे

एना जार्विस

-संध्या सिंह

म से मां, मदर, मम्मी...

बच्चे को जन्म देने वाली स्त्री को क्या कहते हैं? हिंदी में मां, संस्कृत में माता, अंग्रेजी में मदर, फारसी में मादर, फ्रेंच में मेर, स्पेनिश में मादरे, इतालवी में मम्मा, जर्मन में मत्तेर, चीनी में मकून, रूसी में ममा, बांग्ला में मा आदि। जिन भाषाओं में जननी के लिए सम्मानसूचक शब्द 'म' या 'एम' से आरंभ नहीं होता, उनमें भी अकसर यही वर्ण प्रधान होता है जैसे- तमिल और मलयालम में अम्मा और उर्दू में अम्मी। ऐसा क्यों है कि अधिकतर भाषाओं में मां के लिए बोले जाने वाले शब्द 'म' से शुरू होते हैं या उनमें 'म' पर बल दिया जाता है? यह सोचने की बात है। मां की गोद में रहते हुए जब मैंने बोलना सीखा था तो मेरे मुंह से पहला शब्द 'मम' निकला था, जो मां के लिए भी था और पानी के लिए भी। अरबी भाषा में पानी को 'मा' कहते हैं। तो मां वो शय है, जिससे ममत्व गंगा की तरह बहता है। शायर कृष्ण स्वरूप के शब्दों में, *'कांपते होंठों से अम्मा जो दुआ देती है/ मेरे अल्लाह तेरे होने का पता देती है।'* मैंने मां दुर्गा के नौ अवतारों- मां शैलपुत्री, मां ब्रह्मचारिणी, मां चंद्रघंटा, मां कूष्मांडा, मां स्कंदमाता, मां कात्यायनी, मां कालरात्रि, मां महागौरी और मां सिद्धिदात्री को अपने अंदर आत्मसात करके दुष्प्रवृत्तियों का नाश किया। यह आदमी से इंसान बनने की प्रक्रिया मुकम्मल न हो पाती अगर मां सरस्वती से ज्ञान, मां लक्ष्मी से समृद्धि और मां पार्वती से शक्ति नहीं मिलती। बाइबिल का वचन कितना सत्य है कि मां के बिना जीवन होता ही नहीं है। मां तू आलौकिक है। तेरे स्मरण मात्र से रोम-रोम पुलकित हो उठता है, दिल में जज्बात की अनहद लहर खुद-ब-खुद उमड़ पड़ती है और दिलो-दिमाग यादों के गहरे समुद्र में डूब जाता है। मां तेरी ममता और तेरे आंचल की महिमा को मैं शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं। मां तूने मेरे लिए क्या नहीं किया- नौ माह अपने पेट में रखा, प्रसव पीड़ा को बर्दाश्त किया, स्तनपान कराया, रात-रात भर मेरे लिए जागी, खुद गीले में रह कर मुझे सूखे में सुलाया, मीठी-मीठी मुझे लोरियां सुनाईं, अंगुली पकड़ कर मुझे चलना सिखाया, मैं रूठा तो तूने मुझे मनाया, मैं रोया तो तूने मेरे आंसुओं को पोंछा। आज भी जब मैं अंधेरे में भटकता हूं तो मां मैं अपने हाथ पर तेरा हाथ महसूस करता हूं, मेरा हाथ पकड़ कर तू मुझे राह दिखाती है... यह मेरी अनुभूति है। मुझसे पहले भी शायरों, विद्वानों, साहित्यकारों, दार्शनिकों आदि ने मां के प्रति उत्पन्न होने वाली अनुभूतियों को कलमबंद करने की भरपूर कोशिश की है, लेकिन वो भी मेरी तरह मां की समग्र परिभाषा और उसकी अनंत महिमा को अल्फाज में कहां पिरो पाए हैं। शायद ईश्वर की तरह ही मां को परिभाषित न कर पाना ही मां की मूल पहचान है। ममत्व और वात्सल्य की दृष्टि से दुनिया की सभी मांएं एक जैसी होती हैं और यही कारण है कि संसार की अधिकतर भाषाओं में म से ही मां, मदर, मम्मी जैसे शब्द बने हैं।

-शाहिद ए. चौधरी

{ जज्बात / मुनव्वर राना }

मां की दुआ

छू नहीं सकती मौत भी आसानी से इसको
यह बच्चा अभी मां की दुआ ओढ़े हुए है

चलती फिरती हुई आंखों से अज़ां देखी है
मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी है

मैंने रोते हुए पोंछे थे किसी दिन आंसू
मुद्दतों मां ने नहीं धोया दुपट्टा अपना

लबों पे उसके कभी बददुआ नहीं होती
बस एक मां है जो मुझसे खफा नहीं होती

इस तरह मेरे गुनाहों को वो धो देती है
मां बहुत गुस्से में होती है तो रो देती है

मेरी ख्वाहिश है कि मैं फिर से फरिश्ता हो जाऊं
मां से इस तरह लिपट जाऊं कि बच्चा हो जाऊं

ये ऐसा कर्ज है जो मैं अदा कर ही नहीं सकता
मैं जब तक घर न लौटूं मेरी मां सजदे में रहती है

यूं तो अब उसको सुझाई नहीं देता लेकिन
मां अभी तक मेरे चेहरे को पढ़ा करती है

(साभार)

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

वाचिक आलोचना का परिदृश्य

बहुआयामी वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत विगत कई दशकों से विभिन्न विधाओं में निरंतर सृजनशील हैं। हालांकि उनके विपुल रचना संसार पर आलोचनात्मक विमर्श, तुलनात्मक रूप से कम ही हुआ है। हाल में स्वयं उन्हीं के संपादन में प्रकाशित पुस्तक 'हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य' इस लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा सकती है कि इसमें उद्भ्रांत के बहुविध लेखन पर अनेक वरिष्ठ आलोचकों के वक्तव्यों को हू-ब-हू संकलित किया गया है। यहां नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक बाजपेयी और नित्यानंद तिवारी से लेकर राजेंद्र यादव, पंकज बिष्ट, पंकज शर्मा और देवेंद्र चौबे तक वरिष्ठ और नई पीढ़ी के लेखकों-आलोचकों के बेबाक विचार मौजूद हैं। इस पुस्तक की खासियत यह भी है कि संपादक ने अपने बारे में की गई तल्ख टिप्पणियों को भी इसमें संकलित करने से गुरेज नहीं किया है। उद्भ्रांत के रचना संसार को समझने में यह किताब काफी मददगार साबित हो सकती है। *

पुस्तकः हिंदी की वाचिक परंपरा का समकालीन परिदृश्य (आलोचनात्मक वक्तव्य), **संपादकः** उद्भ्रांत, **मूल्यः** 499 रुपए, **प्रकाशकः** नमन प्रकाशन, नई दिल्ली

{ लघुकथाएं }

मां की ममता की गहराई कभी नहीं मापी जा सकती। मां के लिए उसकी संतान सबसे बड़ी नियामत है। उसके लिए वह अपना सब कुछ न्यौछावर कर सकती है। मां की ममता को उकेरती लघुकथाएं।

मां भावनाओं का समंदर

मां हो तो ऐसी!

मां बनने के लिए वर्षों से अनुराधा इंतजार कर रही थी। एक दिन डॉक्टरों ने बताया कि वह दुर्घटना के कारण अब जीवन भर मां नहीं बन सकेगी। अनुराधा ने किसी बच्चे को गोद लेने का निर्णय लिया। दो वर्ष बाद ही उसने एक तीन माह के बच्चे को गोद ले लिया।

बच्चा अनुराधा की गोद में आया तो वह खुशी से झूम उठी। मां बनकर उसे अद्भुत आनंद की अनुभूति हो रही थी। ऐसा लगा मानो सारे संसार की खुशियां उसकी झोली में आ गई हैं। पूरी गली में उसने मिठाई बंटवाई। अनुराधा ने बच्चे का नाम रखा आलोक। सबसे बोली, 'आज से सभी लोग मुझे आलोक की मां कहकर बुलाएंगे।' सभी ने मुस्कुराकर हामी में सिर हिला दिया। बच्चा एक साल का हुआ तो उसने जब पहली बार अनुराधा को 'मां' कहकर पुकारा, वह खुशी से उछल पड़ी। मां पुकारे जाने पर उसे लगा जैसे उसका जीवन सार्थक हो गया। कितने सालों से वह मां शब्द सुनने को तरस रही थी। अनुराधा ने इस खुशी में एक बार फिर अपनी गली में मिठाई बंटवाई। जिस दिन बच्चे का अन्नप्राशन हुआ, उसने फिर गली में सबको मिठाई खिलाई। इतना ही नहीं पहले दिन जब आलोक स्कूल गया, अनुराधा सबको मिठाई खिलाना नहीं भूली। यहां तक कि जब कॉलेज में भी आलोक ने दाखिला लिया तो अनुराधा ने फिर मिठाई बांटी। पढ़ाई पूरी करने के बाद जिस दिन आलोक ने पिता के पुश्तैनी कारोबार में हाथ बंटाना शुरू किया तो अनुराधा ने लड्डू बांटे। गली की कुछ महिलाओं ने तारीफ में कह दिया, 'अनुराधा, तुम बेटे के हर काम के शुभारंभ पर सबको मिठाई खिलाना नहीं भूलतीं। तुम तो बहुत अनोखी मां हो।' इस पर अनुराधा बनावटी गुस्सा दिखाते बोली, 'लगता है तुम औरतों को मेरी खुशी से जलन हो रही है।' अनुराधा का उत्तर सुनकर नाराज होने के बजाय सारी महिलाएं एक साथ हंसकर बोलीं, 'मां हो तो ऐसी...!'

इस पर मां अनुराधा का सिर गर्व से ऊंचा होना ही था।

इस पर अनुराधा को गौरान्वित महसूस होना ही था। *

-अशोक वाधवाणी

हैप्पी मदर्स-डे

वृद्धाश्रम में मां आज काफी खुश थी। खुशी इस बात की नहीं कि उसके बेटे ने नई साड़ी या टूटा हुआ चश्मा बनवा कर दिया था, बल्कि खुशी तो इस बात की थी कि महीनों बाद उसका इकलौता बेटा उससे मिलने आया था। पूरे बीस मिनट उसके पास बैठकर उसकी खैर-खैरियत पूछी। मोबाइल पर उसके साथ दर्जनों सेल्फी लीं। बेटे के जाने के बाद वह उसके आने की खुशी वृद्धाश्रम की अन्य औरतों के साथ साझा कर रही थी। किसी ने पूछा, 'काफी महीनों बाद आज तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने आया था। क्या आज तुम्हारा या तुम्हारे बेटे का बर्थ-डे है?' 'अरे नहीं, आज वो क्या कहते हैं... हां... हैप्पी मदर्स-डे है न!' मां हंसते हुए बोली। कुछ देर बाद मां अपने बक्से से बेटे की तस्वीर निकाल कर निहार रही थी, दूसरी ओर बेटा मां के साथ खींची हुई तस्वीरें मोबाइल स्टेटस और फेसबुक पर लगा रहा था। *

-विनोद कुमार विक्की

यह है स्वर्ग

आज चार वर्षीया दीपिका के स्कूल में मदर्स-डे मनाया जा रहा था। दीपिका के माता-पिता को भी आमंत्रित किया गया था। अचानक वह खड़ी हुई और उसने टीचर से पूछा, 'मैडम स्वर्ग क्या होता है?' एक पल सोचकर टीचर ने दीपिका और उसकी मम्मी को स्टेज पर बुलाया। दीपिका को उसकी मम्मी की गोद में बैठाकर बोलीं, 'बेटा, मां की गोद स्वर्ग होती है, मां भगवान जो होती है।'

स्कूल का हॉल तालियों से गूंज उठा। लेकिन दीपिका के मम्मी-पापा एक-दूसरे को ताकते हुए गर्दन झुकाए बैठे थे। कार्यक्रम खत्म होते ही दीपिका के मम्मी-पापा वृद्धाश्रम गए। दोनों ने दीपिका की दादी से क्षमा मांगी और उन्हें घर ले आए। मां की गोद में सिर रखकर दीपिका के पापा बोले, 'आज मुझे स्वर्ग मिल गया।' घर में खुशियां गुनगुनाने लगीं। *

-चंद्रप्रकाश डाले

मां बहुत अजीब है

उसे मां पर बहुत गुस्सा आता है। कभी-कभी नफरत सी होती है। जब देखो तब मां उसे डांटती-फटकारती रहती हैं, कभी एग्जाम में नंबर कम लाने पर, कभी अपना कमरा गंदा रखने पर, तो कभी-कभी प्लेट में खाना जूठा छोड़ने पर भी। और तो और, गीला तौलिया बिस्तर पर छोड़ने पर भी डांटने से नहीं चूकतीं। उसे लगता है कि वह मां को कभी खुश नहीं कर पाएगा।

'कितनी अच्छी होती है मां। अपने बच्चों के लिए कुछ भी कर गुजरने वाली।' इस तरह की बातें पढ़ने-सुनने और देखने के बाद उसे अपनी मां बहुत अजीब लगती है।

'मां मुझे बिल्कुल प्यार नहीं करती। कहीं मेरी मां नकली तो नहीं!' उसके दिमाग में यह विचार घर बनाता जा रहा था। वह हरदम गुस्साया-सा रहने लगा।

आज किसी बात पर वह पड़ोसी लड़के से उलझ गया। लड़का जरा ताकतवर था। लड़के ने उसे मारने के लिए अपना हाथ उठा दिया। डर के मारे उसने अपनी आंखें बंद कर लीं। अचानक मां वहां आ गई।

'अब तो दो चपत इनकी भी खानी पड़ेगी।' उसने मन ही मन अपनी नियति तय कर ली। लेकिन यह क्या? मां ने लड़के का हाथ उसके गाल तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया, बोली, 'खबरदार जो मेरे बेटे को हाथ लगाया।'

मां ने पड़ोसी लड़के को चेताया और उसे हाथ पकड़ कर अपने साथ ले गई। रास्ते भर उस लड़के को कोसती जा रही थी सो अलग। 'मां सचमुच बहुत अजीब है।' वह सोचता जा रहा था। *

-आशा शर्मा

मैं अच्छी मां बनूंगी

छह महीने का होने को आया नन्हा मुकुल पर लोगों के व्यंग्यबाण स्नेहा आज भी सुन रही है।

'सरोगेसी से मां बनने वाले... क्या जानें मां की भावना?'

'सच है! जिसने जना ही नहीं, उसे क्या पता बच्चा होने का दर्द? ना कोई स्ट्रेच मार्क, ना कोई स्टिचेस... बस बच्चा गोद में आ गया।'

मेडिकल प्रॉब्लम की वजह से नेचुरली मां ना बन पाना स्नेहा के लिए यूं भी बड़ा दुःखपूर्ण था, ऊपर से ऐसे तानों ने उसके दिल को छलनी कर दिया।

'गिरीश क्या मैं अच्छी मां बनूंगी?' जब तक पति गिरीश कुछ बोलते, नन्हे मुकुल ने तोतली जुबान से 'म... म्मा' बोल दिया।

गिरीश ने स्नेहा का हाथ थामा और जवाब में बोला, 'अच्छी मां बनने के लिए सिर्फ मां की ममता जरूरी है स्नेहा! पूरी दुनिया को यह यशोदा मां ने समझाया है।'

खुशी के मारे उसने मुकुल के नन्हे पैरों पर अपनी अंगुलियों से दिल बनाया, वही गिरीश ने भी किया। तीन खूबसूरत दिल एक-दूसरे के लिए धड़क रहे थे। *

-अवंति श्रीवास्तव

खंडवा में भाजपा मोदी लहर के भरोसे, कांग्रेस को सामाजिक समीकरणों से आस

बनते-बिगड़ते समीकरण

◆ भाजपा के ज्ञानेश्वर का कांग्रेस के नरेंद्र से कड़ा मुकाबला

◆ भाजपा का प्रचार तेज, 'एक वोट-एक नोट' मांग रही कांग्रेस

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

दूसरे कई लोकसभा क्षेत्रों की तरह खंडवा में भाजपा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल को लोग पसंद नहीं करते। बावजूद इसके केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से नजदीकी के चलते वे फिर भाजपा का टिकट ले आए। ज्ञानेश्वर कांग्रेस के नरेंद्र पटेल पर भारी पड़ते नजर आते हैं। वजह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और अयोध्या मंदिर के कारण चल रही राम लहर। कांग्रेस की तुलना में भाजपा का प्रचार अभियान भी तेज है और पार्टी का हर प्रमुख नेता प्रचार में हिस्सा ले चुका है। हालांकि इसका मतलब यह कतई नहीं कि चुनाव एकतरफा है। सामाजिक समीकरणों के कारण कांग्रेस के नरेंद्र कम ताकतवर नहीं। उनके पास भाजपा जैसे संसाधन नहीं हैं, इसलिए वे मतदाताओं से 'एक वोट के साथ एक नोट' का अभियान चला रहे हैं। नरेंद्र गुर्जर समाज से हैं। क्षेत्र में इस समाज की तादाद लगभग साढ़े 4 लाख बताई जाती है।

राजपूत समाज भी भाजपा से खफा है। मुस्लिम कांग्रेस के साथ हैं ही। यदि आदिवासी समाज का वोट कांग्रेस के पक्ष में गया तो खंडवा में भाजपा को लेने के देने पड़ सकते हैं। ज्ञानेश्वर पिछला चुनाव लगभग 82 हजार वोटों के अंतर से जीते थे। इस बार वे कड़े मुकाबले में फंसे हैं। उप चुनाव में भी कांग्रेस के राजनारायण सिंह ने उन्हें कड़ी टक्कर दी थी।

गुर्जर, राजपूत, आदिवासियों पर फोकस

भाजपा के ज्ञानेश्वर से लोग नाराज हैं और कांग्रेस के नरेंद्र आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं। इस बीच ज्ञानेश्वर को मोदी लहर पर भरोसा है और नरेंद्र सामाजिक समीकरणों पर फोकस बनाए हुए हैं। खंडवा क्षेत्र में गुर्जर कांग्रेस के पक्ष में एकजुट होता नजर आ रहा है। राजपूत समाज भाजपा से दो कारणों से नाराज है। पहली वजह गुजरात के रूपाला का बयान है, जिसके खिलाफ करणी सेना ने देश भर में अभियान चला रखा है। दूसरी वजह क्षेत्रीय है। यहां राजपूत समाज के नंदकुमार सिंह चौहान चुनाव जीतते रहे हैं। उनके स्वर्गवासी होने के बाद भाजपा ने राजपूतों को दरकिनार कर दिया। यहां तक कि नंदकुमार सिंह के बेटे तक को बगावत करना पड़ गई थी। इस बार यह समाज भाजपा को सबक सिखाने के मूड में दिखता है। बुरहानपुर सहित क्षेत्र के कई इलाकों मे मुस्लिम मतदाता भी काफी है। वह भी कांग्रेस के पक्ष में है। क्षेत्र में आदिवासी समाज भी बड़ी तादाद में है। भाजपा-कांग्रेस ने उसे अपने-अपने पक्ष में करने के लिए ताकत झोंक रखी है। यह वर्ग जहां गया, जीत उसके पाले में जा सकती है। ब्राह्मण एवं पिछड़े वर्ग की अन्य जातियां भाजपा के पक्ष में लामबंद दिखती हैं।

खंडवा में अरुण की प्रतिष्ठा दांव पर

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव खंडवा से सांसद रहे हैं। वे यहां से दो बार पराजित भी हुए हैं। नरेंद्र पटेल को उनकी सिफारिश पर कांग्रेस प्रत्याशी बनाया गया है। इस नाते खंडवा में अरुण यादव की प्रतिष्ठा दांव पर है। कांग्रेस नेतृत्व ने नरेंद्र को जिताने की जवाबदारी उनके कंधों पर डाल रखी है। लोगों का कहना है कि ज्ञानेश्वर के खिलाफ इतनी नाराजगी है कि यदि इस बार अरुण मैदान में होते तो गारंटी से चुनाव जीतते। लोग उन्हें याद भी करते हैं। अरुण का नेपानगर सहित कई क्षेत्रों में अच्छा होल्ड है। वे दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। फर्क यह है कि भाजपा के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पड़ोस के क्षेत्र खरगौन आ चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कई दौरे कर चुके हैं। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के हाथ चुनाव की बागडोर है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा भी प्रचार में आ चुके हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ही आए हैं। पूरी मेहनत अरुण ही करते दिख रहे हैं।

विधानसभा क्षेत्रों में हो सकता है उलटफेर

विधानसभा चुनाव के नतीजों को आधार माने तो भाजपा का पलड़ा भारी है, क्योंकि पार्टी ने 8 में से 7 विधानसभा सीटों में जीत दर्ज की थी। कांग्रेस को सिर्फ एक भीकनगांव में मात्र 603 वोटों के अंतर से जीत मिली थी। लोगों का कहना है कि यह पहला ऐसा लोकसभा क्षेत्र है, जहां विधानसभा के आधार में उलटफेर हो सकता है। बुरहानपुर, नेपानगर और खंडवा में भाजपा को मजबूत बताया जा रहा है। भीकनगांव, बड़वाह और मांधाता में कांग्रेस बढ़त ले सकती है। भीकनगांव में कांग्रेस विधायक झूमा सोलंकी का असर है। बड़वाह में कांग्रेस प्रत्याशी नरेंद्र पटेल खुद लगभग 5 हजार वोटों के अंतर से हारे थे, क्योंकि उनके साथ भाजपा प्रत्याशी सचिन बिरला भी गुर्जर समाज से थे। लोकसभा चुनाव में पूरा समाज नरेंद्र के पक्ष में एकजुट है। मांधाता सीट भी गुर्जर बहुल है। यहां भाजपा लगभग 600 वोटों से चुनाव जीती है। पंधाना में उलटफेर हो सकता है।

नंदू भैया को अरुण ने दी थी एक शिकस्त

1996 के बाद खंडवा का राजनीतिक मिजाज बदला और भाजपाई हो गया। 1991 में कांग्रेस के महेंद्र कुमार सिंह ने भाजपा के अमृतलाल तारवाला को हराया था। इसके बाद भाजपा की ओर से नंद कुमार सिंह चौहान नंदू भैया ने लोकसभा के 6 चुनाव जीते। उनकी जीत पर ब्रेक लगाने का काम कांग्रेस के अरुण यादव ने 2009 में किया। इसके बाद लगातार दो बार नंदू भैया ने फिर अरुण को हराया। नंदू भैया के निधन के बाद भाजपा ने 2021 के उप चुनाव में ज्ञानेश्वर पाटिल जीते। इस बार फिर ज्ञानेश्वर मैदान में हैं, लेकिन उनको लेकर लोगों में असंतोष है। भाजपा मोदी और राम लहर के भरोसे है। हालांकि कांग्रेस ने सामाजिक समीकरण साध लिए तो भाजपा को मुश्किल होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर विपक्ष पर बोला हमला

कांग्रेस पर तंजः इतना ही पसंद है तो पाकिस्तान में जाकर चुनाव लड़ो, हिंदुस्तान में क्यों लड़ रहे हो?

उज्जैन में डॉ. मोहन ने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ निकाला रोड-शो, आतिशबाजी हुई

हम देवी-देवताओं की जय जयकार करते हैं तो विपक्षी दलों को पीड़ा होती हैः सीएम

कांग्रेस चुनाव यहां लड़ रही है, पर पाकिस्तान से इनके लिए पत्र निकल रहे हैंः डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को उज्जैन में आयोजित रोड शो में कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर कांग्रेस पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता चुनाव यहां लड़ रहे हैं और समर्थन पाकिस्तान से लेते हैं। पाकिस्तान से आपका क्या लेना देना? इतना ही पसंद है तो पाकिस्तान में जाकर चुनाव लड़ो, हिंदुस्तान में क्यों लड़ रहे हो? उज्जैन के कंठाल चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं और आम जन को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पाकिस्तान ने लगातार देश को अस्त-व्यस्त किया था, लेकिन अब बदलते दौर का हिंदुस्तान है। भारत के प्रधानमंत्री जी-20 की अध्यक्षता करते हैं तो विश्व के धनी देशों के नेता मोदी के साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए लालायित रहते हैं तब हर भारतवासी 56 इंच के सीने वाला हो जाता है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार के धामनोद, खरगोन के महेश्वर, मंडलेश्वर तथा उज्जैन लोकसभा सीट से नागदा व उज्जैन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया।

इस बार कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह साफ हो जाएगा

मुख्यमंत्री ने महेश्वर, मंडलेश्वर, धामनोद, नागदा में कहा कि भीषण गर्मी के बाद भी जिस तरह से रोड शो में लोग आ रहे हैं। उनका आशीर्वाद मिल रहा है उससे लगता है कि इस बार कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो जाएगा। जनता का यह आशीर्वाद बताता है कि इस बार भाजपा को जनता का प्रचंड आशीर्वाद मिलेगा।

कांग्रेसी कितने रंग बदलते हैं, गिरगिट भी शरमा जाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हम जब मंदिरों और हमारे देवी-देवताओं की जय-जयकार करते हैं तो कांग्रेस सहित हमारे विपक्षी दलों को पीड़ा होती है। भगवान और देवी-देवताओं का नाम लेने पर चिढ़ते हैं। कांग्रेस पार्टी चुनाव तो भारत में लड़ रही है, लेकिन पाकिस्तान से इनके लिए पत्र निकल रहे हैं। कांग्रेसी कितने रंग बदलते हैं, गिरगिट भी शरमा जाए।

मुख्यमंत्री आज रतलाम, इंदौर में करेंगे चुनाव प्रचार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को रतलाम, इंदौर में चुनाव प्रचार करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सुबह 10.10 बजे रतलाम में रोड शो में शामिल होंगे। दोपहर 12.15 बजे जावरा में रोड शो, दोपहर 1.20 बजे इंदौर लोकसभा क्षेत्र के देपालपुर विधानसभा के बेटमा में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री दोपहर 2.30 बजे इंदौर में रोड शो में शामिल होकर पार्टी प्रत्याशी के लिए समर्थन मांगेगे।

भूरिया ने कहा था- दो पत्नी रखने वालों को देंगे दो लाख रुपए

पूरा देश कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया के बयान पर कर रहा है थू-थूः आशीष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कांग्रेस नेता कांतिलाल भूरिया के दो पत्नियां रखने वालों को दो लाख रुपए देने के बयान पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने प्रतिक्रिया दी है। प्रदेश मीडिया प्रभारी अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि भूरिया को लगा था दो पत्नियों रखने वालों को 2 लाख रुपए के बयान पर उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा होगी, लेकिन ये क्या? पूरा देश कांतिलाल भूरिया की बात पर थू-थू कर रहा है।

अब दांव उल्टा पड़ते देख कांतिलाल भूरिया आदिवासियों को बीच में लाकर डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं। भूरिया भूल गए कि ये उन्हीं की कांग्रेस सरकार के काल में हमारी आदिवासी बहनों बैग, सहरिया और भारिया को मिलने वाली अनुदान राशि बंद कर दी थी। जो आदिवासी बहनों का हक खा गए, अब सत्ता पाने के लिए साम-दाम की नीति अपना रहे हैं। भूरिया याद रखे आदिवासी समाज की अपनी इज्जत-मर्यादा, मान-सम्मान और अधिकार है, जो मोदी राज में उन्हें भरपूर मिल रहा है। आप आदिवासी भाई-बहनों की चिंता छोड़ जीतू पटवारी और दिग्विजय सिंह के साथ अपनी हार के मंथन पर विचार कीजिए, क्योंकि जवाब आपको जनता को नहीं 10 जनपथ में देना है, जनता तो वैसे भी जानती ही है कि आएगा तो मोदी ही।

अय्यर और अब्दुल्ला पाकिस्तानी प्रेमी

कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर अग्रवाल ने कहा कि ये वहीं मणिशंकर अय्यर है, जो पाकिस्तान गए थे भीख मांगने कि मोदी को हटाना है, समर्थन दीजिए। जिसकी पार्टी के नेता 26/11 मुंबई धमाको पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देते हैं। जिहादियों के सामने नतमस्तक होने वाली कांग्रेस और उसके नेता एक बात समझ ले कि ये मोदी का भारत है, जो एक गलत हरकत पर पाकिस्तान को कब्रिस्तान में बदल देंगे। यकीन नहीं, तो जाओ अपने पाकिस्तानी आकाओं से पूछ लो, जो पाकिस्तानी संसद में कंपकंपा कर बोल चुके हैं कि भारत को हल्के में नहीं लेना चाहिए, उनके पास सुपरपॉवर है। अय्यर और फारूक अब्दुल्ला के भाव में ऐसी समानता है कि दोनों पाकिस्तानी प्रेमी-सहोदर लगते हैं।

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से की भूरिया और पटवारी की शिकायत

भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से शिकायत करते हुए रतलाम झाबुआ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया के महिला विरोधी विवादित बयान को लेकर कार्रवाई की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने शिकायत में कहा है कि रतलाम झाबुआ सीट से कांग्रेस प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया ने रतलाम के शिवगढ़ में चुनावी सभा में महिलाओं पर विवादित बयान दिया। इस सभा में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, सैलाना के पूर्व विधायक हर्ष विजय गेहलोत उपस्थित थे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू ने भूरिया के बयान का किया था समर्थन

मंच से ही कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कांतिलाल भूरिया का बयान का समर्थन किया और कहा कि कांतिलाल भूरिया ने भयंकर घोषणा कर दी है, जिनकी दो पत्नियां है उनको डबल फायदा होगा। कांतिलाल भूरिया पूर्व में सांसद और मंत्री भी रह चुके हैं, उन्हें नियमों का ज्ञान होना चाहिए। ऐसी स्थिति में कांतिलाल भूरिया का दो पत्नियां से संबंधित बयान आपत्तिजनक होकर हिन्दू विवाह अधिनियम के प्रावधानों के विपरीत है। प्रतिनिधिमंडल ने कांतिलाल भूरिया द्वारा हिन्दूओं की भावना को भड़काने वाला बयान देने एवं इस आपत्तिजनक बयान का समर्थन करने के लिए जीतू पटवारी के विरूद्ध निर्वाचन आयोग से तत्काल कार्रवाई करने की मांग की।

पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई में जुटी

बाइक से टक्कर होने पर युवक को जमकर पीटा, उपचार के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पेंड्रा

गौरेला पेण्ड्रा मरवाही में बाइक से टक्कर होने के बाद महिला और उसके परिजनों ने बाइक सवार को तब तक पीटा जब तक बाइक सवार युवक के परिजन मौके पर नहीं पहुंच गए। मामला गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के पेंड्रा थाना क्षेत्र के तहत आमडाड गांव का है। परिजनों ने युवक को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत होने के बाद पिटाई करने वाले आरोपी साक्ष्य मिटाने में जुटे हुए हैं। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई में जुटी है।

आठ मई को रामापनिका पेंड्रा से घर आमांडांड जा रहा था इसी दौरान बसंतपुर में रहने वाले साहू परिवार की दो महिलाएं एक बच्चे को लेकर सड़क में टहल रही थीं। तभी बच्चे के अचानक दौड़ लगाने पर बाइक सवार की महिला के साथ टक्कर हो गई। फिर क्या था महिला ने फोन कर अपने परिजनों को बुलाया और सबने मिलकर उसकी जमकर पिटाई की।

परिवार में अकेला कमाने वाला था

मामले की सूचना पाकर बाइक सवार का भाई मौके पर पहुंचा और रामापनिका को अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान रामापनिका की मौत हो गई। रामापनिका अपने परिवार में अकेला कमाने वाला था उसके माता-पिता बुजुर्ग हैं जबकि उसकी पत्नी की पहले ही मौत हो चुकी है और 10 साल का छोटा बच्चा है जो पिता की मौत के बाद अनाथ हो गया। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

मां ने पबजी खेलने से मना किया तो 14 साल के बच्चे ने आत्महत्या

जगदलपुर। जगदलपुर में नाना के घर आया 14 वर्षीय बच्चा बीती रात को गायब हो गया जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन बच्चे का कही भी पता नही चला। वहीं शनिवार की सुबह बच्चे का शव नए पुल में पाया गया। इसके अलावा घर में एक सुसाइट नोट भी बरामद किया गया है, जिसमें परिजनों के द्वारा पबजी खेलने नहीं देने का जिक्र किया गया है। मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी सुरेश जांगड़े ने बताया कि बनारस के मुगलसराय में रहने वाले सुनील गुप्ता का छोटा बेटा अभिनव गुप्ता अपनी माँ सुसुम के साथ नाना रामदुलारे के लालबाग निवास में रहने के लिए आया था। बच्चे को पबजी खेलने से मना करने के बाद भी अभिनव ने पबजी खेलना बंद नहीं किया। जिसके चलते मां ने फोन छीन लिया। फोन छीनने के बाद गुस्से में अभिनव शुक्रवार की शाम को घर से निकल गया, जिसके बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की लेकिन कहीं नहीं मिलने पर थाना कोतवाली में शिकायत दी गई। आज सुबह डोंगाघाट के बच्चे जब नदी में नहाने गए तो एक शव को पानी में उतराता देखा। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला और परिजनों को जानकारी दी। परिजनों ने शव की शिनाख्त की इसके बाद शव को पीएम के लिए मेकाज भेजा गया। वहीं घटना के बाद से परिजनों का बुरा हाल है।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर किए दर्शन

भोपाल। उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल शुक्रवार को भगवान परशुराम की जन्मस्थली जानापाव पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने जन्मस्थली पर बने भव्य मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। शुक्ल ने प्रदेश की समृद्धि तथा प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस मौके पर ऊषा ठाकुर उपस्थित थीं।

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

धमतरी। धमतरी में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में एक पुरुष नक्सली मारा गया। इलाके में सर्चिंग जारी है। गरियाबंद सरहदी इलाके के दौड़पंडरी पानी में ये मुठभेड़ हुई है। नक्सल ऑपरेशन की एसडीओपी नगरी आरके मिश्रा ने जानकारी दी है।धमतरी में महीने भर के अंदर पुलिस को दूसरी बड़ी सफलता मिली है। डीआरजी और सीआरपीएफ की टीम ने एक नक्सली को मार गिराया है।

लोगों को पर्यावरण के प्रति लगाव का दिया संदेश

जगदलपुर की 14 सदस्यीय टीम ने बर्फ से ढकी 15 हजार फीट से ज्यादा ऊंची चोटी पर फहराया तिरंगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

जगदलपुर शहर की 14 सदस्यीय टीम ने लोगों को जागरूक करने के साथ ही पर्यावरण के प्रति लगाव को लेकर उत्तराखंड के पहाड़ पर चढ़ तिरंगा फहराया। जगदलपुर के किशोर पारेख ने बताया कि उत्तराखंड के चमोली जिले की बर्फ से घिरे पहाड़ी की चोटी पर 6 मई को तिरंगा फहराया गया। टीम में कुल 14 सदस्यों ने 15 हजार फिट से ज्यादा कि ऊंचाई पर स्थित पांगर्चुल्ला की चोटी पर चढ़ाई करने में सफलता पाई और तिरंगा फहराया।

उन्होंने बताया कि 5-6 मई की रात करीब एक बजे उन्होंने चोटी पर चढ़ना शुरू किया। बेस कैंप से लगभग छह किमी की ऊंची चढ़ाई कर बर्फ से घिरे कई पर्वतों को पार कर दल सुबह लगभग आठ बजे पांगर्चुल्ला पहुंचा। तापमान -7 डिग्री था, लेकिन तेज ठंडी हवाओं के कारण -10 डिग्री का अनुभव दिला रहा था। इस अभियान में युवा, बुजुर्ग व महिलाएं भी शामिल थी। सभी ने पूरे जोश, उत्साह के साथ अपने इस मुश्किल अभियान को सफल बनाया। उन्होंने आगे कहा कि अभियान के सदस्यों को मौसम की मार भी झेलनी पड़ी। खराब मौसम और बारिश के कारण इस अभियान को एक दिन के लिए टालना भी पड़ा था। अभियान के सदस्यों ने पहले दिन दुगासी से चढ़ाई शुरू की गई। गुलिंग पहुंचकर दल ने वही रात्रि विश्राम किया। अगले दिन गुलिंग से खुल्लारा तक की चढ़ाई गई। यह मार्ग घने जंगलों के बीच से दुर्गम चढ़ाई का था। अंततः छठे दिन दल ने अपना लक्ष्य हासिल किया और 15 हजार फिट से ज्यादा ऊंचाई पर स्थित पांगर्चुल्ला पर चढ़ने में सफलता प्राप्त की। किशोर पारेख ने इस अभियान को बेहद रोमांचक और यादगार बताया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति लगाव होने के कारण पिछले काकी समय से उनके मन में हिमालय की किसी चोटी पर ट्रेकिंग करने की इच्छा थी, जो अब पूरी हुई।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2024 की संख्या में वृद्धि

पूर्व घोषित ग्रीष्मकालीन स्पेशल रेल सेवाओं के साथ-साथ निम्नलिखित अतिरिक्त ग्रीष्मकालीन रेल सेवाएं भी निम्नानुसार संचालित की जायेगी:-

09425/09426 साबरमती-हरिद्वार-साबरमती विशेष एक्सप्रेस — 08 फेरे

रेलगाड़ी सं. 09425 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09425 प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 09426 आगमन	रेलगाड़ी सं. 09426 प्रस्थान
---	18:45	साबरमती	21:30	---
19:40	19:50	महेसाना जं.	19:45	19:55
21:45	21:47	पालनपुर जं.	18:48	18:50
23:00	23:10	आबू रोड	17:20	17:30
00:08	00:10	जवाई बाँध	16:14	16:16
00:20	00:22	फालना	16:00	16:02
00:32	00:34	रानी	15:46	15:48
02:30	02:35	मारवाड़ जं.	15:13	15:15
04:50	05:00	अजमेर जं.	13:15	13:25
05:37	05:39	किशनगढ़	11:50	11:52
06:20	06:22	फुलेरा जं.	10:20	10:22
07:22	07:24	रींगस जं.	08:45	08:48
08:03	08:05	नीम का थाना	07:45	07:47
09:30	09:32	नारनौल	06:40	06:42
11:15	11:20	रेवाड़ी जं.	05:55	06:00
12:20	12:22	गुड़गांव	04:42	04:44
12:40	12:42	दिल्ली कैंट	04:20	04:22
13:30	13:40	दिल्ली जं.	03:30	03:40
14:30	14:32	गाजियाबाद	02:45	02:47
15:16	15:18	मेरठ सिटी	01:42	01:44
16:30	16:32	मुजफ्फरनगर	00:54	00:56
17:50	17:52	रूड़की	23:00	23:02
19:00	---	हरिद्वार	---	21:45

चलने के दिन: 09425 साबरमती से 14, 17, 20 एवं 23.05.2024 को और 09426 हरिद्वार से 15, 18, 21 एवं 24.05.2024 को।
स्थान: 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा-हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1434/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अब जबकि तीन चरण के चुनाव हो चुके हैं और एक दिन बाद 13 मई को चौथे चरण के चुनाव होने हैं, इस बीच दो मुद्दे मुस्लिम समाज से जुड़े हुए सामने आए हैं। आत्ममंथन और आबादी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार के दौरान मुस्लिम समाज से भावुक अपील की है कि वे आत्ममंथन करें कि अब तक जिन दलों ने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा है, उन्होंने उनकी समग्र प्रगति के लिए क्या किया है? प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुस्लिम समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं, वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी क्यों हो जाता है? उन्हें समय के साथ बदलने से कौन विमुख रख रहा है? आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! खाद्य सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती हो सकती है। दोनों विषयों-वोट बैंक नैरेटिव और आबादी विस्फोट का राजनीतिक आंकलन करता आजकल का यह अंक...

समग्रता में 'आत्ममंथन' की जरूरत

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के मुसलमानों से सीधे तौर पर संवाद कर आत्ममंथन की अपील की है। मुस्लिमों का दूसरा मुद्दा आबादी से जुड़ा है। 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं?

आज हमारे सामने दो मुद्दे हैं। दोनों में मुस्लिम साझा बिन्दु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार देश के मुसलमानों से ऐसी अपील की है, जो भावुक लगती है। दूसरा मुद्दा हिन्दू-मुसलमान की आबादी से जुड़ा है। फिलहाल भारत की जनसंख्या करीब 144 करोड़ है, जो विश्व में सर्वाधिक है। हालांकि 2021 में जनगणना नहीं की जा सकी, क्योंकि वह कोरोना वैश्विक महामारी का दौर था। जनगणना 2011 में की गई थी, उसके बाद 13 साल गुज़र चुके हैं, लेकिन कोई अधिकृत जनगणना नहीं हुई है। 2011 में हिन्दू आबादी 79.80 फीसदी थी, जबकि मुस्लिम आबादी 14.20 फीसदी। मुसलमानों की बढ़ोतरी दर करीब 25 फीसदी थी, जबकि हिन्दुओं की बढ़ोतरी दर करीब 17 फीसदी। यानी हिन्दुओं की तुलना में मुसलमान ज्यादा बढ़ रहे थे। आज़ादी के बाद 1951 में देश में करीब 3.5 करोड़ मुसलमान थे, जिनकी आबादी 2023 में बढ़ कर 20 करोड़ के पार हो गई। अब तो यह आंकड़ा भी बदल चुका होगा! गौरतलब है कि 1951 से आज तक मुसलमानों की आबादी एक बार भी नहीं घटी, लगातार बढ़ती रही है। अब प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की एक रपट के जरिये चौंकाने वाले आंकड़े और रुझान सामने आए हैं। रपट में 1950 से 2015 तक जनसंख्या के रुझान के आंकड़े दिए गए हैं। ये इस कालखंड में जनगणना के दौरान भी सामने आए होंगे तो फिर आर्थिक सलाहकार परिषद की ऐसी रपट तब क्यों सार्वजनिक की गई, जब आम चुनाव, 2024 के तीन चरण के मतदान सम्पन्न हो चुके हैं? लोकसभा की 282 सीटों, करीब 52 फीसदी, पर जनादेश ईवीएम में दर्ज हो चुका है। देश का एक तबका रपट को 'फर्जी' क्यों करार दे रहा है?

बहुसंख्यक आबादी घटी

रपट के मुताबिक, 1950 से 2015 तक की 65 साल की अवधि में बहुसंख्यक हिन्दू आबादी 84.68 फीसदी से घटकर 78.6 फीसदी हो गई है, जबकि मुस्लिम आबादी 9.84 फीसदी से बढ़ कर 14.09 फीसदी हो गई है। हिन्दू करीब 8 फीसदी घटे हैं और मुसलमानों की बढ़ोतरी 43.15 फीसदी हुई है। आबादी का यह असंतुलन चुनौतीपूर्ण, खतरनाक, चिन्ताजनक और विस्फोटक हो सकता है! भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया, सूडान, सर्बिया आदि देशों में आबादी के असंतुलन के कारण विभाजन देख चुका है। देश दोफाड़ हुए हैं और नए देश बने हैं। इंडोनेशिया कभी हिन्दू, बौद्ध बहुल देश था, लेकिन आज दुनिया के सबसे अधिक मुसलमान इंडोनेशिया में ही रहते हैं और बौद्ध अल्पसंख्यक हो गए हैं। मलेशिया में भी मुसलमान सबसे ज्यादा तादाद में नहीं थे। रपट में भारत में मुसलमान आबादी के जो आंकड़े दिए गए हैं, उनमें वे शामिल नहीं हैं, जो जनगणना जैसे अभियानों का बहिष्कार करते रहे हैं। 65 साल की मुस्लिम आबादी में रोहिंग्या भी शामिल नहीं हैं। इस लिहाज

से मुस्लिम आबादी की बढ़ोतरी अधिक हो सकती है। रपट के मुताबिक, हिन्दुओं के साथ-साथ जैन और पारसी की आबादी भी घटी है। मुसलमानों के अलावा, सिख, बौद्ध, ईसाई की आबादी बढ़ी है। जैन, पारसी, ईसाई, बौद्ध, सिख समुदाय भी अल्पसंख्यक वर्ग में आते हैं। देश में पारसियों की आबादी तो करीब 57000 बताई जाती है, लेकिन उन्होंने अपने अधिकारों के लिए जन-आंदोलन नहीं छेड़े। मुसलमान ही अल्पसंख्यक के तमाम फायदे उठाते रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती

मुस्लिम आबादी लगातार बढ़ती रही है, इसके बुनियादी कारण बांग्लादेश से घुसपैठ, धर्मान्तरण, मुस्लिम नेताओं, धर्मगुरुओं द्वारा ज्यादा बच्चे पैदा करने के आह्वान, 2011 तक ज्यादा प्रजनन दर, अशिक्षा, अज्ञानता आदि हैं। यह बढ़ोतरी देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती है। देश के संसाधन कम पड़ सकते हैं। पहले घुसपैठ बांग्लादेश से अधिक हुई, क्योंकि 1971 में पाकिस्तान विभाजन के साथ युद्ध भी हुआ। लोग बांग्लादेश से भाग कर भारत में आए। संघ-भाजपा 2 करोड़ से अधिक ऐसे घुसपैठिए मानते रहे हैं। जब म्यांमार से पलायन शुरू हुआ, तो रोहिंग्या मुसलमानों ने भारत में घुसपैठ की। म्यांमार के बाद भारत में हिन्दुओं की आबादी में सर्वाधिक गिरावट हुई है। नेपाल भी बुनियादी तौर पर हिन्दू राष्ट्र है, लेकिन उसकी भी हिन्दू आबादी 3 फीसदी घटी है। रपट के मुताबिक, नेपाल में 84 फीसदी हिन्दू थे, लेकिन 1950-2015 के दौरान 81 फीसदी रह गए। रपट बताती है कि दुनिया में बहुसंख्यकों की हिस्सेदारी 22 फीसदी घटी है। दुनिया में जिन देशों में हिन्दू और बौद्ध समुदायों की संख्या अच्छी-खासी थी, वह आबादी घट रही है। पाकिस्तान में करीब 80 फीसदी हिन्दू घटे हैं और बांग्लादेश में यह गिरावट करीब 66 फीसदी है। यह बेहद महत्वपूर्ण सवाल है कि आखिर हिन्दू आबादी लगातार कम क्यों होती जा रही है?

रिपोर्ट पर भी सवाल

सवाल समुदाय के लोगों की प्रजनन दर का भी है। दशकों तक मुसलमानों की औसत प्रजनन-दर 4-6 फीसदी रही, लेकिन अब 2021 वाले दौर में यह घटकर 2.36 फीसदी हो गई है। यह प्रजनन-दर हिन्दुओं में औसतन 1.94 फीसदी है। यह जनसंख्या-विस्फोट की स्थिति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी जनसंख्या संबंधी कानून के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन एक सीमा के बाद उसे देश और समाज के विकास में रोड़ा भी मानते हैं। बहरहाल आबादी का यह असंतुलन इसी गति से जारी रहा, तो कई संकट उभर सकते हैं। चिंताजनक पहलू यह भी है कि भारत को किन राजनीतिक दलों की सरकारों ने घुसपैठियों की धर्मशाला बना दिया? आम चुनाव के दौरान सवाल तो इस रपट पर भी किए जा रहे हैं कि 2015 तक की रपट 2024 में सार्वजनिक क्यों की गई है? 2011 तक के अधिकृत आंकड़े तो देश के पास उपलब्ध हैं। मात्र 4 साल के अंतराल में जनसंख्या में कितने बदलाव हुए, यह आज 2024 में क्यों प्रासंगिक है? क्या आम चुनाव है, इसलिए राजनीतिक सवाल उठाए जा रहे हैं?

अपील भी नसीहत भी

बीते दिनों प्रधानमंत्री मोदी ने कुछ टीवी चैनलों को साक्षात्कार दिए थे। उनमें उन्होंने मुसलमानों को 'आत्मचिन्तन' करने की अपील भी की है और नसीहत भी दी है। यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री मोदी ने मुस्लिम समाज से सीधे संवाद किया है और उन्हें आत्मचिंतन करने की बात कही है कि अब तक कौन लोग, कौन दल रहे हैं, जो उन्हें केवल वोट बैंक मानते रहे हैं, उन्हें वे पहचानें। प्रधानमंत्री ने किसी पार्टी का वोट बैंक या बंधक बनने के बजाय खुले दिमाग से सोचने की नसीहत दी है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि एक सीधी लकीर की तरह वोट देना और वह भी हिन्दू-विरोध के नाम पर भाजपा जैसे राष्ट्रवादी दलों के खिलाफ मुसलमानों का वोट करना एक पूर्वाग्रही ट्रेंड है। प्रधानमंत्री का आशय इस ट्रेंड को बदलने की जरूरत से है। मुस्लिम वोट बैंक बन कर न रह जाएं, विवेक से मतदान का निर्णय करेंगे, तो न ही कोई उन्हें वोट बैंक जैसा व्यवहार करेगा, न ही उन्हें कोई छद्म डर से डरा सकेगा। यह समय मुस्लिम वोट बैंक की तुष्टिकरण राजनीति करने वालों की पहचान करने का है और जो डर उनके मन में बिठाया गया है, उससे बाहर निकलने का है। अच्छी तादाद में मुसलमान पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दौर में भी भाजपा को वोट देते थे और आज प्रधानमंत्री मोदी के सूत्रवाक्य-'सबका साथ, सबका विकास...'का समर्थन करते हुए 12-15 फीसदी मुसलमान भाजपा के पक्ष में वोट कर रहे हैं। यकीनन देश की आज़ादी के बाद कांग्रेस अधिकांश समय सत्तारूढ़ रही। 1951 से 1975 तक तो कांग्रेस को कोई चुनौती ही नहीं थी, लिहाजा उसने अपनी चुनावी रणनीति के तहत मुसलमानों को 'वोट बैंक' की तरह बांधे रखा और दलितों, आदिवासियों, कुछ पिछड़ी जातियों में भी कांग्रेस के जनाधार बनाए। हालांकि केंद्र में वाजपेयी सरकार के 6 साल और मोदी सरकार के 10 साल के अलावा या तो कांग्रेस सत्ता में रही है अथवा बाहरी समर्थन से लड़खड़ाती सरकारें बनवाई हैं। जब कांग्रेस से अलग होकर या उसका विरोध करते हुए क्षेत्रीय दलों के उभार का दौर आया, तो मुसलमान सपा, बसपा, राजद और तृणमूल कांग्रेस की ओर भी ध्रुवीकृत हुए।

आंकलन वक्ती जरूरत

प्रधानमंत्री ने 'आत्मचिंतन' की नसीहत इसलिए दी है, ताकि मुसलमान सोच सकें कि जिन्होंने उन्हें वोट बैंक बनाए रखा, उन्होंने आखिर क्या दिया है? मुसलमानों को क्या फायदे मिले हैं? किसी प्रधानमंत्री ने शायद यह भी पहली बार कहा है कि यदि एक सांप्रदायिक वृत्तांत गढ़ने की कोशिश न की जाती और मुसलमानों के रहनुमा बनकर अपने खेमे में बांधे रखने की सियासत नहीं की गई होती, तो दौर उतने भयावह न होते! मुलायम सिंह को 'रामसेवकों' पर गोलियों की बौछार न करनी पड़ती! प्रधानमंत्री ने तीन तलाक से लेकर शाहबानों के संदर्भ भी उठाए। 'सच्चर कमेटी' के निष्कर्षों का भी जिक्र किया। सवाल नहीं, यह हकीकत है कि औसत मुस्लिमों को गरीबी, अशिक्षा, बदहाली और भुखमरी ही मिली। अब इस चुनाव में मुस्लिम आरक्षण के जरिये वोट बैंक को भुनाने की सियासी कवायद जारी है, जिसके पलट जवाब में प्रधानमंत्री मोदी को अपने दलित, आदिवासी और ओबीसी समर्थक जमातों को विश्वास दिलाना पड़ रहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण लागू नहीं होगा। सारांश यह है कि मौजूदा दौर में मुस्लिमों को अपनी स्थिति के बारे में सही मायने में 'आत्ममंथन' करने की जरूरत है।

क्या मुस्लिम समाज आत्मचिंतन करेंगे?

दो टूक
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुसलमानों से अपने राजनीतिक-सामाजिक व्यवहार पर आत्ममंथन करने की अपील पर गंभीर बहस होनी चाहिए। यह बात सही है कि लोकसभा चुनाव के बीच इस तरह की अपील के राजनीतिक मायने निकाले जाएंगे और निकाले जा भी रहे हैं। भाजपा विरोधी यह कहकर हमला कर रहे हैं कि अपनी हार की डर से घबराकर मोदी ने मुसलमानों के सामने अपील की है । प्रधानमंत्री मोदी की छवि को विरोधियों ने ऐसे मुस्लिम विरोधी नेता की बनाने की कोशिश की है, जहां तनिक भी बाएं-दाएं दिखने पर उनकी ऐसी ही प्रतिक्रिया आती है। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री के भारतीय मुसलमानों पर दिए गए वक्तव्य को किस रूप में देखा जाए? यह सच है जैसा प्रधानमंत्री ने स्वयं कहा है कि मैंने पहले कभी इन विषयों पर बातचीत नहीं की। मुसलमानों को लेकर सबसे ज्यादा आरोप प्रधानमंत्री मोदी पर ही लगाए गए। अपने मुख्यमंत्रीत्वकाल के आरंभ में अवश्य उन्होंने अपना पक्ष रखने की कोशिश की, लेकिन बदलाव न दिखने पर इस विषय पर बोलना ही बंद कर दिया। यह भी सच है कि उन्होंने पहली बार मुसलमानों से आत्ममंथन करने को कहा है। तो आखिर क्यों?

जनमत को विकृत किया

एक मीडिया समूह को दिए गए साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि आप यदि यह सोचते रहेंगे कि सत्ता में किसे बिठाएंगे और किसे उतारेंगे, उससे अपने बच्चों का भविष्य ही खराब करेंगे। कोई चाहे इसे किस रूप में भी देखें स्वतंत्रता के बाद से पहले कांग्रेस और बाद में ज्यादातर पार्टियों ने वोट के लिए मुसलमानों के बीच जनमत को विकृत किया। दुर्भाग्य से मुसलमान समाज के पढ़े-लिखे लोगों में से बड़े वर्ग ने कभी इसका मूल्यांकन नहीं किया कि स्वतंत्रता के बाद कांग्रेस और उसके बाद अन्य कई पार्टियों ने उनके अंदर डर पैदा कर वोट तो लिया पर उनके उत्थान, वास्तविक कल्याण या विकास के लिए जो करना चाहिए वह नहीं किया गया। ऐसे- ऐसे मुद्दे पार्टियों और सरकारों ने उठाए और उन पर काम किया जो भावनात्मक रूप से उनको छूते थे या उनके समाज में यथास्थिति को बनाए रखने वाले थे, जो उनके सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक विकास में बाधक थे और मजहबी रूप से सच नहीं। इस चुनाव में भी लगभग यही हो रहा है। मुसलमानों के अंदर यह भय पैदा किया जा चुका है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सत्ता में लौटी तो भारत में इस्लाम के लिए कयामत आ जाएगी, वो अपनी इच्छा अनुसार इस्लामी मजहब का पालन भी नहीं कर सकेंगे। यह पहला चुनाव है जहां मुसलमानों के अगुवा माने जाने वाले व्यक्तियों के बड़े समूह ने भाजपा को वोट न देने को दीन और ईमान का विषय बना दिया है। अगर समुदाय का बहुमत इस रूप में सोचता है कि एक पार्टी को सत्ता से हटाना ही इसका मुख्य कर्तव्य है और इसी में उसकी ऊर्जा और परिश्रम लग रहा है तो किसी का हित नहीं होगा। तो फिर?

आरोपों पर भी बातचीत

प्रधानमंत्री ने मुस्लिम विरोधी होने के आरोप पर भी बातचीत की। उन्होंने कहा कि न हम इस्लाम के विरोधी हैं और न मुसलमान के। हमारा ये काम ही नहीं है। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि मुसलमान इस पर विचार करें कि सरकारी व्यवस्थाओं का लाभ उन्हें कांग्रेस के शासनकाल में क्यों नहीं मिला? अगर लाभ मिला होता तो मनमोहन सिंह के नेतृत्व में चलने वाली यूपीए

सरकार को सच्चर समिति के माध्यम से मुसलमानों के हर क्षेत्र में पिछड़े होने की रिपोर्ट सामने नहीं लानी पड़ती। हालांकि सच्चर रिपोर्ट अतिवाद से भरी थी तथा तथ्यों के नाम से सामने रखे गए अनेक बिंदु विचारों और कल्पनाओं वाले थे। इसके बावजूद वह बताती थी कि उस समय तक की सरकारों ने मुसलमानों को एक वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया या मुसलमान स्वयं उनके मतदाता के रूप में इस्तेमाल हुए, न उनका समुचित सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक विकास हुआ न राजनीति के क्षेत्र में भी उस स्थान तक पहुंचे जहां उन्हें पहुंचना चाहिए था। भारतीय मुसलमानों के अगुवा वर्ग का एप्रोच सही होता तो उनकी मानसिकता बदलती और नरेंद्र मोदी सरकार दुश्मन नहीं नजर आती। इस सरकार के कार्यकाल में पंथ, मजहब, जाति या रंग के आधार पर सरकारी नीतियों में किसी तरह के भेदभाव का एक भी प्रमाण नहीं है। सच यह है कि भारतीय मुसलमानों को हिंदुओं की तुलना में आबादी के प्रतिशत से ज्यादा लाभ सरकार की योजनाओं का मिला है।

साफ दिख रहा बदलाव

जो विषय दुनिया के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी नहीं होता, जिसे वे अपनाते हैं वही विषय भारत के मुसलमानों के लिए इस्लाम विरोधी हो जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मुसलमान समाज दुनिया में बदल रहा है। यह बदलाव सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन आदि देशों में साफ दिखाई पड़ता है। ज्यादातर देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया है। जब नैरेटिव में फंसकर मानकर चलेंगे कि यह नेता और इसकी सरकार या पार्टी और संगठन परिवार मुस्लिम विरोधी ही है तो आप अपने संकुचित परिधि से बाहर नहीं निकल सकते। खाड़ी के देशों में योग की ओर मुसलमानों का आकर्षण है, वे योग करते हैं, योग सिखने भारत आते हैं लेकिन भारतीय मुसलमानों ने योग को ही इस्लाम विरुद्ध मान लिया। सऊदी अरब में योग सरकारी सिलेबस का विषय है। ऐसी अनेक बातें हैं जिनमें भारतीय मुसलमान के व्यवहार को देखकर हैरत होती है। उदाहरण के लिए एक साथ तीन तलाक का इस्लाम मजहब में कहीं स्थान नहीं है। शरीयत के अनुसार चलने वाले शासन के मुल्कों में भी अनेक ऐसे हैं जिन्होंने एक साथ तीन तलाक को गैर इस्लामी घोषित किया हुआ है। मोदी सरकार ने इसके विरुद्ध कानून पारित किया और यह सही था, पर इसे मजहब के विरुद्ध घोषित कर आज भी मुसलमान के बड़े चेहरे आग उगलते रहते हैं। अनुच्छेद 370 का इस्लाम से क्या लेना देना था? जम्मू कश्मीर तो छोड़िए देशभर के मुसलमानों का एक बड़ा वर्ग इसे लेकर छाती पीट रहा है। गोहत्या निषेध मुसलमान के विरुद्ध कदम कैसे हो गया? समान नागरिक संहिता में किसी मजहबी कर्मकांड पर रोक नहीं है। लंबे समय से मुसलमानों के दिमाग में बिठा दिया गया कि समान नागरिक संहिता इस्लाम के विरुद्ध है।

समझने की जरूरत

इस तरह के नैरेटिव से मुस्लिम समाज को बाहर आने की आवश्यकता है। क्या प्रधानमंत्री की अपील के बावजूद ऐसा लगता है कि भारतीय मुसलमान आत्ममंथन करेंगे और उन्हें वोट के रूप में देखने वाली पार्टियां ऐसा करने देंगी? इसकी उम्मीद कम है पर,मुसलमानों को यह समझना चाहिए कि हमारे देश के बेईमान और पाखंडी नेताओं ने वोट के लिए सीधा अप्रोच यही बनाया कि उनके समाज के दोषों को दूर करने या उन्हें मुख्यधारा में लाने की जगह जहां जैसे हैं वैसे ही छोड़ दो और उनके हितैषी होने का प्रदर्शन करते रहो। बस रोजा के समय बड़ी इफ्तार पार्टियां दे दो, बड़े मुस्लिम चेहरों द्वारा आयोजित इफ्तार में शामिल हो जाओ आदि। इस तरह के तुष्टिकरण से ही आज तक उनका काम चल गया। क्या कभी मुसलमानों ने यह सोचा है कि इस तरह के व्यवहार से उन्हें प्राप्त क्या हुआ? कोई आपके लिए इफ्तार पार्टी न दे, आपके साथ नमाज अदा करने का नाटक न करे, आपकी टोपी न पहने, लेकिन आपके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य की व्यवस्था करे, गरीब मुसलमानों के लिए उचित आवास दे, उनके घरों में बिजली और पानी पहुंचाए तो क्या उसे मुस्लिम विरोधी सरकार कहा जाएगा? नरेंद्र मोदी सरकार यही तो कर रही है। इसलिए मोदी ने जो कहा है उसे आम मुसलमान सकारात्मक दृष्टि से लें।

देश की एकता के लिए हो राजनीति

दरकार
सुरेश हिंदुस्थानी
राजनीतिक विश्लेषक

लोकसभा चुनाव के दौरान राजनेताओं के बयान सुनकर ऐसा लगने लगता है कि ये अपनी हदों को पार कर करने लगे हैं। अभी हाल ही में कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा के बयान की तारतम्यता यही है कि इस नेता ने भारत में भेद पैदा करने के प्रयास किए हैं। भारत में जिस सामाजिक विघटन की राजनीति की जा रही है, उससे समाज की शक्ति का लगातार पतन ही हुआ है। कभी तुष्टिकरण तो कभी वोट बैंक की राजनीति के बहाने सामाजिक एकता की राह में अवरोध पैदा करने के प्रयास किए गए, जिसके कारण भारतीय समाज के बीच जो विविधता की एकता को दर्शाने वाली परंपरा रही, उसकी जड़ों में मट्ठा डालने का अनवरत प्रयास किया गया। यह सभी जानते हैं कि जिस देश का समाज कम से कम राष्ट्रीय मामलों पर एक स्वर व्यक्त करता है, वहां किसी भी प्रकार के सामाजिक बिखराव के प्रयास धूमिल ही होते हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक दलों को यह सामाजिक एकता अच्छी नहीं लगती, इसलिए वह फूट डालो और राज करो वाली नीति अपनाते हुए ही अपनी राजनीति करते हैं। ऐसे लोगों को भारत की सांस्कृतिक एकता खटकती है। ऐसे लोग कुत्सित राजनीति के माध्यम से भारतीय जनमानस में ऐसे बीज बोने का ही काम करते हैं, जो प्रथम दृष्टया विभाजनकारी ही कहे जा सकते हैं। ऐसे बयानों पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

नफ़रत की दरार

राजनीतिक दलों ने अपना स्वार्थ साधने के लिए पूर्व और पश्चिम को अलग पहचान के रूप में प्रचारित करने में जोर लगाया, तो वहीं उत्तर और दक्षिण के लोगों के मन में नफ़रत की दरार को और ज्यादा चौड़ा किया, जबकि हमारे देश के नायकों ने एक भारत के रूप में स्वतंत्रता प्राप्त की। आज की राजनीति को देखते हुए यही कहा जा सकता है कि उनके सपनों को पूरा करने का ईमानदारी से प्रयास नहीं किया जा रहा। इसी कारण कहीं जातिवाद को हवा दी रही है तो कहीं तुष्टिकरण का प्रयास किया जा रहा है। जरूरत है हमारे राजनीतिक दल समाज को एक करने की दिशा में कदम उठाएं। इससे समाज का तो भला होगा ही, देश भी मजबूत होगा।

ऐसे बयान ही क्यों

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने अस्तित्व बरकरार रखने के जिस प्रकार का परिश्रम किया जा रहा है, वह निस्संदेह आवश्यक भी था, लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पिछले दो चुनावों की तरह इस बार भी पार्टी के इस अभियान को पलीता लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी के

वरिष्ठ नेताओं में शामिल विदेशी अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उसे अनजाने में दिया बयान समझकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि सैम पित्रोदा कांग्रेस नेताओं के बहुत ख़ास रहे हैं। यहां तक कि राहुल गांधी के विदेशी दौरे भी यही प्रबंधित करते हैं। सैम पित्रोदा ने जो बयान दिया है, उससे भारत की कांग्रेस ने भले ही किनारा कर लिया हो, लेकिन विदेशों में सैम पित्रोदा भारत को किस रूप में प्रस्तुत करते होंगे, इस बात का सहज़ अनुमान लगाया जा सकता है। सैम पित्रोदा के बयान का आशय यह भी निकाला जा सकता है कि वे भारत को एक देश के रूप में नहीं देख सकते। उनकी नजरों में शायद भारत की चारों दिशाओं में अलग अलग देश दिखाई देते हैं। कुछ ऐसे ही बयानों के कारण कांग्रेस अपने अस्तित्व से जूझ रही है। कुछ इसी प्रकार के बयान कांग्रेस के अन्य नेता भी देते रहे हैं। एक बार मैंने अपने एक लेख में लिखा था, जिसका उल्लेख अन्य लेखक भी कर चुके हैं कि कांग्रेस प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते करते अनजाने में देश का विरोध करने लगती है। हालांकि कांग्रेस नेताओं का आशय देश विरोध का नहीं होगा, लेकिन सवाल यह है कि कांग्रेस के नेता ऐसे बयान देते ही क्यों हैं, जिसका एक अर्थ ऐसा भी निकलता है, जिससे देश का विरोध होने का संकेत मिलता है।

पराजय का बोध नहीं

राहुल गांधी के इर्द गिर्द राजनीति करने वाले कांग्रेस के बड़े नेताओं के पलायन करने के बाद भी अगर शीर्ष नेतृत्व इस बात से अनभिज्ञ है कि कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा क्यों हो रही है? तो स्वाभाविक ही है कांग्रेस को अपनी पिछली दो शर्मनाक पराजय का बोध भी नहीं हो सकता। अभी तक के राजनीतिक इतिहास में अपने सबसे बड़े दुर्दिनों का सामना कर रही कांग्रेस पार्टी समूहों में विभाजित होकर अवनति के मार्ग पर बढ़ती जा रही है। यह समस्याएं उसकी खुद की देन हैं, इसलिए यह कहा जा सकता है कि वर्तमान में कांग्रेस की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। इसके पीछे बहुत सारे कारण हो सकते हैं, लेकिन सबसे बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि आज की कांग्रेस में स्पष्ट दिशा और स्पष्ट नीति का अभाव सा पैदा हो गया है। राहुल गांधी युवाओं को आकर्षित करने में असफल साबित हुए हैं। इसमें उनकी अनियंत्रित बयानबाजी भी कारण है। हम जानते हैं कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार नहीं, बल्कि कई बार झूठे बयान दिए हैं, जिसमें वे माफी भी मांग चुके हैं। सबसे बड़ी विसंगति तो तब बनती है, जब अपने नेता के बयान को कांग्रेस के अन्य नेता समर्थन करने वाले अंदाज में निरर्थक रूप से पुष्ट करने का प्रयास करते हैं।

सफाई देने की स्थिति में नहीं

कांग्रेस अपनी कमियों को छिपाने के लिए भले ही भाजपा पर आरोप लगाने की राजनीति करे, लेकिन सत्य यह है कि इसके लिए कांग्रेस की कुछ नीतियां और वर्तमान में नेतृत्व की खामियां भी बहुत हद तक जिम्मेदार हैं। बयानों की राजनीति के बीच कांग्रेस एक बार फिर बैकफुट पर है। सैम पित्रोदा के बयान पर कांग्रेसी नेता सफाई भी देने की स्थिति में नहीं है। ऐसे बयान भारत को शक्तिशाली बनाने से रोकते हैं, इसलिए यह आज की आवश्यकता है कि भारत को शक्ति संपन्न बनाने की राजनीति की जाए।

पाकिस्तान बम बेचने के लिए खरीदार तलाश रहा, पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भाजपा ने देशहित को सर्वोपरि रखा

पीएम मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उनके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था। भाजपा देश की सुरक्षा के लिए संकल्पित

मणिशंकर के परमाणु बम वाले बयान पर पीएम की दो टूक

एजेंसी ▶▶ कंधमाल

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ओडिशा के कंधमाल में सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस और उनके नेता मणिशंकर अय्यर पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पोखरण के परमाणु परीक्षण का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 26 साल पहले आज ही के दिन वाजपेयी सरकार ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था और हमने ये दिखा दिया था कि देशभक्ति से ओत-प्रोत सरकार देशहित के लिए, देश की सुरक्षा के लिए, देश के लोगों को आशा-अपेक्षा के लिए कैसे काम करती है। भारत ने दुनिया को अपने सामर्थ्य से परिचित कराया था।

कांग्रेस बार-बार देश को डराने की कोशिश करती है।वह कहती है कि 'संभल कर चलो, पाकिस्तान के पास एटम बम है। पाकिस्तान की हालत ऐसी है कि उन्हें नहीं पता कि इसे कैसे रखा जाए और वे अपने बम बेचने के लिए खरीदार की तलाश कर रहे हैं। कोई भी उन्हें खरीदना नहीं चाहता, क्योंकि लोग उनकी गुणवत्ता के बारे में जानते हैं।

संभल कर चलो पाकिस्तान के पास एटम बम है...

कांग्रेस ने आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई नहीं की

कांग्रेस के इसी कमजोर रवैये के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों ने 60 साल तक आतंक भुगता है। देश ने कितने आतंकी हमले झेले हैं। देश भूल नहीं सकता कि आतंकियों को सबक सिखाने के बजाए ये लोग आतंकी संगठनों के साथ बैठकें करते थे। 26/11 के मुंबई हमले के बाद इन लोगों की हिम्मत नहीं पड़ी कि आतंक के सरपरस्तों पर कार्रवाई करें।

'विकास भी और विरासत भी' हमारा मंत्र

उन्होंने कहा कि भाजपा 'विकास भी और विरासत भी' के मंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रही है। भाजपा सरकार में देश का 500 साल का इंतजार पूरा हुआ। राम मंदिर का निर्माण हुआ। यहां राज्य भाजपा भी उड़िया भाषा और उड़िया संस्कृति के प्रति समर्पित है। ऐसा कोई बेटा या बेटी जो ओडिशा की मिट्टी से निकला हो, यहां की संस्कृति को समझता है, उसका भाजपा का मुख्यमंत्री बनना तय है। 7 दशक पहले श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रबंधन के लिए नियम बनाए गए थे। मंदिर के सोना चांदी, सारी चल-अचल संपत्ति का रिकॉर्ड मेंटेन किया जाएगा।

कांग्रेस को शहजादे की उम्र जितनी सीटें भी नहीं मिलेंगी

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 25 सालों में ओडिशा को बीजेडी की सरकार गरीबी से बाहर नहीं निकाल पाई और इसीलिए राज्य के लोगों में बीजू जनता दल के खिलफ बहुत गुस्सा है। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन सरकार बनाने का दावा कर रही हैं। इनको नहीं मालूम कि कांग्रेस को उनके शहजादे की उम्र के बराबर भी लोकसभा सीटें नहीं मिलने वाली हैं।

आपका हर वोट समृद्ध भारत के लिए अहम

पीएम मोदी ने चुनावी जनसभा में कहा कि यह चुनाव ओडिशा के लोगों के लिए बहुत खास महत्व रखता है। आपका हर वोट ओडिशा के विकास और समृद्ध भारत के लिए महत्वपूर्ण है। आपका एक वोट भाजपा सरकार को सक्षम बनाएगा।

मोदी ने पद्मश्री पुरस्कार विजेता आदिवासी कवि पूर्णमासी जानी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

आंध्र प्रदेश में विपक्ष पर भड़के राहुल गांधी

वाईएसआरसीपी, टीडीपी और जनसेना भाजपा की बी टीम

कडप्पा। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आंध्र प्रदेश के कडप्पा में चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी और अन्य विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेता ने इस दौरान भाजपा को भी घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा का मतलब बाबू (टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू), जगन और पवन (जनसेना संस्थापक पवन कल्याण) है। रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने आरोप लगाया कि तीनों नेताओं का रिमोर्ट कंट्रोल पीएम मोदी के पास है।

प्रियंका ने पीएम मोदी पर किया हमला

राजनीति का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए कर रहे

नंदूरबार। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने पीएम मोदी के चुनावी भाषणों को खोखली बातें करार दिया और आरोप लगाया कि वे राजनीति का इस्तेमाल केवल सत्ता हासिल करने के लिए कर रहे हैं, न कि लोगों की सेवा के लिए। वे कांग्रेस उम्मीदवार गोवाल पाडवी के समर्थन में यहां एक जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि मुझे पीएम मोदी की किसी आदिवासी के घर जाकर उनकी समस्याएं समझने की एक तस्वीर दिखाइए। आपकी संस्कृति और परंपरा का सम्मान करना राजनीतिक नेताओं का कर्तव्य है।

राणा ने ओवैसी पर साधा निशाना

सुन लो...राम भक्त हर जगह हैं

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार नवनीत राणा ने एक बार एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा है। राणा ने एक चुनावी सभा के दौरान कहा कि मैं ओवैसी को चुनौती देती हूं कि जब मैं हैदराबाद आऊं तो वो मुझे रोक कर दिखाएं। राणा ने कहा कि आज देश भर में हर जगह राम भक्त घूम रहे हैं। बता दें कि नवनीत राणा का बयान ओवैसी के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने अपने छोटे भाई को तोप बताया था।

आतंकवाद के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया हमेशा रहा नरम

अचानक आंध्र प्रदेश भवन पहुंचीं सीतारमण

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के बीच निर्मला सीतारमण ने दिल्ली में आंध्र प्रदेश भवन का दौरा किया। सीतारमण ने लोगों से बातचीत की। वे इस बार लोकसभा चुनाव नहीं लड़ रही हैं। इससे पहले आज कांग्रेस पर निशाना साधते हुए निर्मला सीतारमण ने कहा था,आपने कांग्रेस के दस साल के शासनकाल में देखा कि कैसे आतंकी हमलों को बर्दाश्त किया जाता था, उचित जवाब नहीं दिया जाता था। वे पाकिस्तान को डोजियर भेजने में विश्वास करते थे। आतंकवाद के प्रति कांग्रेस पार्टी का रवैया और दृष्टिकोण हमेशा कमजोर और नरम रहा है। इस दौरान कई चुनावी मुद्दों पर चर्चा की।

लालू-तेजस्वी की गैरहाजिरी में इंडी गठबंधन की प्रेसवार्ता

खरगे बोले- मोदी के लिए सरकार बना पाना अत्यंत मुश्किल

पटना। बिहार में इंडी एलायंस के बैनर तले पटना में जुटान हुआ। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह और कांग्रेस के वरीय नेता अजीत शर्मा ने पटना एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। होटल मौर्या में प्रेस वार्ता आयोजन किया गया। राष्ट्रीय जनता दल की ओर पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और बेटे तेजस्वी यादव नहीं शामिल हुए। राजद से मनोज झा और वामदल से दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस की वरीय नेत्री मीरा कुमार समेत कई दिग्गज शामिल हुए। पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के खरगे ने पीएम मोदी और एनडीए सरकार पर जमकर हमला बोला।

खबर संक्षेप

'बहुसंख्यक आबादी घटी' बेखौफ रहें अल्पसंख्यक

नई दिल्ली। देशभर में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट को लेकर चर्चाएं हो रही हैं।

इस रिपोर्ट को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का कहना है कि देश में अल्पसंख्यकों को चिंतित होने की कोई आवश्यकता नहीं है। वह भी तब जब, उनकी आबादी में 43.15 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है और वे भी सरकार की योजनाओं का लाभ समान रूप से लाभ ले रहे हैं।

दूल्हे के फूफा ने चढ़ा दी बारातियों पर कार

बदायूं। यहां के उझानी में बरात चढ़त के दौरान रिश्तेदार से कहासुनी के बाद दूल्हे का फूफा

गुस्सा हो गया। उसने बरातियों पर कार चढ़ा दी। बरात में शामिल बच्चों समेत 11 लोग घायल हो गए। बरातियों की भीड़ ने कार घेरने की कोशिश की तो वह हाईवे की ओर कार दौड़ा ले गया। घटना से काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। परिजन ने घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार कराया।

शिमला में बारिश, 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

शिमला। राजधानी शिमला में झमाझम बारिश दर्ज की गई। दोपहर करीब 2:30 के बाद शहर में कुछ

देर के लिए मूसलाधार बारिश हुई। प्रदेश के अन्य कई भागों में भी मौसम खराब है। प्रदेश के 8 जिलों में अंधड़ चलने और ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 12 व 13 मई को भी कई स्थानों पर बारिश, अंधड़ का येलो अलर्ट जारी किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु का प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के सीएम पर पलटवार

केजरीवाल अब शीला, शिबू, सोनिया और लालू के 'जेल रिटर्न क्लब' में शामिल हुए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली की कथित शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से 10 मई को अंतरिम जमानत मिलने के बाद अरविंद केजरीवाल जेल से बाहर आ गए हैं। जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा।

भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि केजरीवाल की अंतरिम जमानत का मतलब है कि वह अब 'जेल रिटर्न क्लब' का हिस्सा बन गए हैं। भाजपा ने आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरावील की तुलना उन कुछ अन्य राजनेताओं से की जो जेल गए और जमानत पर बाहर आए। भाजपा ने याद दिलाया कि कैसे केजरीवाल सोनिया गांधी और दिल्ली की पूर्व सीएम शीला दीक्षित सहित कांग्रेस नेताओं के खिलाफ बयान देते थे, लेकिन अब उसी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं।

ये भी बोले- अंतरिम जमानत क्या मिली? इनके तो सुर ही बदल गए

भाजपा का दिल्ली सीएम पर बड़ा **हमला**

वे शीला और सोनिया को जेल भेज रहे थे...

भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि केजरीवाल बाहर आ गए हैं और जश्न मना रहे हैं, लेकिन वो आखिरकार लालू प्रसाद यादव, जयललिता और शिबू सोरेन की तरह 'जेल रिटर्न क्लब' का हिस्सा बन गए हैं। जो कहते थे कि वह शीला दीक्षित और सोनिया गांधी को जेल भेजेंगे, वह अब इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं, क्योंकि वे सभी (पीएम नरेंद्र) मोदी के खिलाफ हैं।

जयललिता और करुणानिधि भी अछूते नहीं

सुधांशु ने कहा कि 1997 में बिहार के तत्कालीन सीएम लालू यादव को इसकी सदस्यता मिली थी, इसके बाद तमिलनाडु की जयललिता को 1996 में, 2000 में तमिलनाडु के करुणानिधि इस क्लब के सदस्य बने। जो शख्स शीला दीक्षित और सोनिया गांधी को जेल भेजने की बात करते थे, तिहाड़ से लौटने के बाद उनके सुर बदल गए हैं।

केजरीवाल ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में किए दर्शन

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल शनिवार को सबसे पहले परिवार और पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। इस दौरान सांसद संजय सिंह, मंत्री आतिशी और सौरभ भारद्वाज और बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक मौजूद थे।

अमरोहा में आफत से परिवार गमगीन

शादी से पहले दुल्हन की मौत बुआ भी नहीं रहीं, 2 और मरे

बग्गी चालक को भी आया हार्ट अटैक

अमरोहा। सेहरा बांधे दूल्हा बग्गी पर बैठा तथा बराती गानों की धुन पर नाच रहे थे। तभी अचानक ऐसा हुआ कि शादी की खुशी थम गई। बग्गी चालक अचानक बेहोश होकर गिर गया। अस्पताल पहुंचने से पूर्व उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सकों ने हार्टअटैक से मौत होना बताया। अमरोहा नगर के मुहल्ला बेगम सराय में बुआ-भतीजी की मौत भी हार्टअटैक से हुई है।

यासीन ने अपनी बेटी फरहीन की शादी दिल्ली में तय की थी। एक महीना बाद फरहीन की बारात आनी थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। शुक्रवार दोपहर फरहीन घर में प्याज काट रही थी। अचानक बेहोश हो गई। स्वजन चिकित्सक के पास ले गए तो उसकी मौत हो चुकी थी। चिकित्सक ने मौत का कारण हार्टअटैक बताया है। सुबोधनगर कालोनी में भी युवक की मौत हुई है। हार्टअटैक से 4 मौत होने का मामला जिले में चर्चा में है।

भतीजी के गम में फूफी की मौत

भतीजी की मौत की सूचना मिलने पर फरहीन की बुआ फूल बी नहटौर से दफीने में शामिल होने आई थीं। घर में पहुंचते ही फूल बी भी बेहोश होकर गिर पड़ीं। अभी स्वजन उन्हें चिकित्सक के पास ले जा रहे थे कि उनकी भी मौत हो गई। उधर हार्टअटैक से चौथी मौत नगर से सटे मुहल्ला सुबोधनगर कालोनी की है। यहां पर रहने वाले सौरभ शर्मा हरियाणा में एक कंपनी में नौकरी करते थे। शनिवार सुबह वह कांठ में रहने वाली अपनी बहन के घर गए थे। वहां तबीयत बिगड़ी तो स्वजन उन्हें लेकर मुरादाबाद पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने सौरभ शर्मा को हार्टअटैक के चलते मृत घोषित कर दिया। चार लोगों की मौत से लोग दहशत में हैं।

भाजपा की चुनावी रणनीति सत्तारूढ़ विपक्षी दलों के लिए बनी चुनौती, गीता कोडा ने बढ़ाई 'बेचैनी'

झारखंड: लोकसभा चुनाव में 'क्लीन स्वीप' करने को तैयार राजग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में झारखंड की 14 लोकसभा सीटों पर 4चरणों में होने वाले चुनाव के पहले दौर में 13 मई को चार सीटों पर मतदान कराया जाएगा। भाजपा ने सभी सीटों पर जीत का लक्ष्य तय किया है। वहीं कांग्रेसनीत विपक्षी गठबंधन भी भाजपा को चुनौती देने सियासी जाल बिछाया है। राज्य में सत्तारूढ़ झामुमो-कांग्रेस-राजद के सामने भाजपा नीत राजग की चुनावी रणनीति को चुनौती देने को तैयार है।

आदिवासी बहुल झारखंड में ऐसे समय चुनाव हो रहे हैं, जहां सत्तारुढ़ दल झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के मामले में पिछले तीन महीने से ज्यादा समय से जेल में हैं। लोकसभा के लिहाज से राजग गठबंधन 12 सीटों के साथ सिरमौर है, जिसमें भाजपा का 11 और उसकी सहयोगी पार्टी आजसू का एक सीट पर कब्जा है। बाकी दो सीटों पर विपक्षी गठबंधन कांग्रेस और झामुमो काबिज है, लेकिन कांग्रेस की मौजूदा सांसद गीता कोडा पहले ही भाजपा का दामन थाम चुकी हैं। ऐसे में कांग्रेसनीत गठबंधन के सामने इस बार राजग के सामने पहले से भी ज्यादा सियासी चुनौती होगी। यही नहीं विधानसभा में भी राजग 27 विधायकों के साथ प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मौजूद है, जिसके भाजपा के 25 सदस्य हैं। लोकसभा में राजग सभी सीटों पर उम्मीदवर उतारे हैं, जिनमें से 13 सीटों पर भाजपा और एक सीट पर उसकी सहयोगी आजसू का प्रत्याशी मैदान में है। इंडिया गठबंधन से 7 सीटों पर कांग्रेस, 5पर झामुमो और 1-1 राजद और सीपीआई(एमएल)एल के प्रत्याशी मैदान में हैं। लोकसभा चुनाव की जंग राजग और इंडिया गठबंधन के बीच ही होगी। इस बार लोकसभा चुनाव में भाजपानीत राजग झारखंड में क्लीन स्वीप करने की चुनावी रणनीति के साथ रणभूमि में पूरी ताकत झौंक रहा है। जबकि राजग के मिशन को तोड़ने के लक्ष्य से विपक्षी गठबंधन में अपनी मजबूत रणनीति से चुनावी वैतरणी को पार करने में सभी दांव पेंच लगाने में पीछे नहीं है।

पहले चरण की चार सीटों का समीकरण

खूंटी, लोहरदगा, सिंहभूम और पलामू में 13 मई को मतदान होना है, इनमें से 3पर भाजपा और एक पर कांग्रेस काबिज है। कांग्रेस की एक मात्र सांसद गीता कोडा लोकसभा चुनाव से पहले ही भाजपा में शामिल हो गई हैं। इस लिहाज से इंडिया गठबंधन के सामने चुनौती होगी।इंडिया गठबंधन ने खूंटी से अर्जुन मुंडा और लोहरदगा से भाजपा प्रत्याशी समीर उरांव के खिलाफ कांग्रेस के उन्हीं प्रत्याशियों को क्रमशः कालीचरण मुंडा और सुखदेव भगत को उतारा है, जो भाजपा से हार गए थे। सिंहभूम से भाजपा से मैदान में उतरी गीता के खिलाफ झामुमो ने जोबा माझी और पलामू से भाजपा सांसद विष्णु दयाल राम के सामने राजद ने ममता भुईयां पर दांव खेला है।

क्या है जातीय समीकरण

यहां सबसे ज्यादा 55 फीसदी आबादी ओबीसी है, जिसके बाद 28 फीसदी आदिवासी आबादी है, तो अनुसूचित जाति 16.33 फीसदी है। राज्य की आबादी में लगभग 50 प्रतिशत हिस्सेदारी इन्हीं दोनों की है। आदिवासी 27 प्रतिशत और कुर्मी 25 प्रतिशत हैं।

मतदाताओं का चक्रव्यूह

राज्य में 2,55,18,642 मतदातओं का चक्रव्यूह तैयार है। इसमें 1,29,97,325 पुरुष, 1,25,20,910 महिला और 407 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। इनमें 18-19 साल की आयु वाले 8,08,371 नए युवा मतदाता पहली बार अपना वोट डालेंगे। राज्य में 80-85 साल के 3,22,709 बुजुर्ग और 85 साल से अधिक आयु वाले 1,39,445 मतदाता भी वोटिंग करेंगे, जिनमें सैकड़ो की संख्या में शतायु भी हैं। राज्य में चार चरणों के चुनाव के लिए 29,521 मतदान केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं।

इन 4 सीटों पर महिलाएं निर्णायक

राज्य की 4 लोकसभा सीट ऐसी हैं, जहां पुरुषों से ज्यादा महिला मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। इनमें सिंहभूम सीट पर 14.33 लाख मतदाताओं में 7.28 लाख महिला और 7.05 लाख पुरुष मतदाता हैं। इसी प्रकार खूंटी लोकसभा सीट पर 664311 पुरुष के मुकाबले 667946 महिला मतदाता हैं। लोहरदगा सीट पर जहां महिला मतदाताओं की संख्या 719616 है, तो पुरुष मतदाता 707402 ही हैं। इसी प्रकार राजमहल लोकसभा सीट पर कुल 16,82,219 वोटरों में 8,40,995 पुरुषों के मुकाबले 8,41,217 महिला मतदाता पंजीकृत हैं।

दमदार रिटर्न दे रहा ईटीएफ निवेश की बनाएं रणनीति

मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। भविष्य में ईटीएफ निवेश का अच्छा माध्यम बन सकता है।

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

रिटेल निवेशकों का मार्च 2024 में म्यूचुअल फंडों की स्मॉल-कैप स्कीम्स में निवेश कम हुआ है। वे लार्ज-कैप और एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) जैसे ऑप्शंस को तरजीह दे रहे हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड इन इंडिया (एएमएफआई) के ताजा आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई है। मार्च 2024 में ईटीएफ में निवेश 10,500 करोड़ रुपये की नई ऊंचाई पर पहुंच गया। इसके पहले औसतन हर महीने 2,500 करोड़ रुपये का ही निवेश ईटीएफ में होता था। बाजार में ईटीएफ से जुड़े न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) भी आ रहे हैं। म्यूचुअल फंड एक्सपर्ट्स का कहना है कि होटल वाले वही खाना पेश करते हैं, जिसकी डिमांड होती है। जब ईटीएफ में रिटर्न देखकर निवेशक आने लगे तो फंड हाउस भी एनएफओ लाने लगे हैं। ऐसे में निवेशकों का रुझान भी ईटीएफ की तरफ बढ़ने लगा है। लेकिन ईटीएफ में निवेश के लिए एक बेहतरीन रणनीति बनाई जानी चाहिए। इसके बाद ही ईटीएफ में निवेश करना चाहिए। इससे निवेशकों को कम समय में ही बढ़िया रिटर्न मिलेगा और वे जल्द मालामाल हो सकते हैं।

पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई।

स्टॉक की तरह होता है कारोबार

ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड का शेयर बाजार में आम स्टॉक की तरह कारोबार होता है। पिछले एक साल में कम से कम छह ईटीएफ ने 80 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। टॉप मोस्ट राइजिंग फंड में लगभग 110 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। इनमें वे टॉप पर हैं, जो सरकारी कंपनियों में निवेश करते हैं। मतलब वे निफ्टी पीएसयू या पीएसई में निवेश करते हैं। ऐसे में रिटेल निवेशक इन पर टूट पड़े हैं। रिटेल निवेशकों के लिए जरूरी है कि पहले वे ईटीएफ के फायदे-नुकसान को समझें और बाद में निवेश करें।

अंतर समझना जरूरी

पीएसयू इक्विटी म्यूचुअल फंड और पीएसयू ईटीएफ के बीच का अंतर समझें। ईटीएफ में कई बार बाय-सेल में प्राइस डिफरेंस पे करना होता है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ मामलों में लिक्विडिटी से लेकर सट्टा किस्म की जोखिम और जटिलताएं भी ईटीएफ से जुड़ी हैं।

क्या है पीएसई-ईटीएफ

निफ्टी पीएसई इंडेक्स में वे कंपनियां शामिल हैं जिनकी आउटस्टेंडिंग शेयर कैपिटल का 51% प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से केंद्र सरकार और/या राज्य सरकार के पास है। इसमें 20 स्टॉक्स हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल यह निवेशकों को अच्छा रिटर्न दे सकता है। ईटीएफ मतलब एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो इंडेक्स, कमोडिटी, बॉन्ड्स जैसे असेट को ट्रेक करते हैं। सरल शब्दों में कहें तो ईटीएफ वे फंड हैं जो सीएनएक्स निफ्टी या बीएसई सेंसेक्स जैसे इंडेक्स को ट्रैक करते हैं। जब आप ईटीएफ के शेयर/यूनिट खरीदते हैं, तो आप एक पोर्टफोलियो के शेयर/यूनिट खरीद रहे हैं जो इसके नेटिव इंडेक्स की यील्ड और रिटर्न को ट्रैक करता है।

ईटीएफ मार्केट में चैलेंज

सर्वे के नतीजे बताते हैं कि लिक्विडिटी, मार्केट मूवमेंट और नए आइडिया पर आधारित प्रोडक्ट बड़े फैक्टर हैं, जो ईटीएफ मार्केट को चला रहे हैं, जबकि हिडन रिस्क और कम जानकारी ईटीएफ मार्केट के लिए बड़ी बाधाएं हैं, जिन पर म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री को ध्यान देने की जरूरत है। 'डिकोडिंग ईटीएफ परसेप्शन' शीर्षक से 15 शहरों में रह रहे 2109 निवेशकों के बीच किए गए इस सर्वे में महानगरों के साथ-साथ टियर 2 शहर भी शामिल हैं, जिसमें दिलचस्प नतीजे सामने आए हैं।

छोटे शहरों में बढ़ रहा क्रेज

म्यूचुअल फंड्स की ईटीएफ स्कीम्स को लेकर छोटे शहरों खासकर टियर 2 शहरों में तेजी से क्रेज बढ़ रहा है। 36-45 साल के निवेशकों के बीच इनकी डिमांड बढ़ रही। अलग-अलग मार्केट कैप प्रोडक्ट्स में लार्ज कैप और मिड कैप आधारित ईटीएफ की लोकप्रियता निवेशकों और निवेश की इच्छा रखने वाले लोगों के बीच ज्यादा है।

क्या है अंतर?

ईटीएफ और अन्य प्रकार के इंडेक्स फंड के बीच मुख्य अंतर यह है कि ईटीएफ अपने संबंधित इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश नहीं करते हैं, बल्कि केवल इंडेक्स के प्रदर्शन को दोहराते हैं। ईटीएफ पैसिवली मैनेज्ड होते हैं। इसका उद्देश्य एक विशेष मार्केट इंडेक्स से मेल खाना है, इसलिए इसका फंड मैनेजमेंट स्टाइल पैसिव होता है।

एक्टिव एमएफ एमएफ से अलग कैसे

शेयर बाजार में ट्रेडिंग के चलते इसे खरीदना और बेचना अपेक्षाकृत आसान है। इसमें निवेश के लिए आपको म्यूचुअल फंड के डिस्ट्रिब्यूटर के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती। म्यूचुअल फंड की आम स्कीमों में अपनी यूनिट्स बेचने के लिए भी आपको म्यूचुअल फंड कंपनी के पास जाना पड़ता है। शेयर बाजार में खरीद-फरोख्त होने से इसकी कीमत रियल टाइम होती है। ईटीएफ खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। इसके माध्यम से आप खरीद फरोख्त कर सकते हैं। यह बात म्यूचुअल फंड स्कीम में लागू नहीं होती।

अब 30 की उम्र वालों के लिए सुपरहिट प्लान

- इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में निवेश करें, 30 साल तक छोड़ दें, हर माह 3000 रुपये लगाने पर मिलेंगे 4.50 करोड़।
- इसमें 3.91 करोड़ रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही मिलेंगे, रोजाना 100 रुपये बचाकर भी कर सकते हैं निवेश।
- रिटायरमेंट प्लानिंग भी बेहतर होगी।

बचत

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि आदमी जितनी जल्दी निवेश शुरू करेगा, उतनी ही जल्दी अमीर बन जाएगा। यह बात काफी हद तक सच भी है। इसलिए सबको चाहिए कि वे जितनी जल्दी हो सके निवेश शुरू कर दें। इससे आपके पास अच्छा पैसा होगा और रिटायरमेंट भी बेहतर बनेगी। लेकिन, ये कोई नियम नहीं। निवेश में देर होती है, लेकिन अगर स्ट्रैटेजी सही है तो पैसा तो तब भी बनाया जा सकता है। अब देश में 30 साल की उम्र वालों के लिए भी म्युचुअल फंड में एसआईपी के कई बेहतरीन प्लान मौजूद हैं। इसमें बड़े निवेश की भी जरूरत नहीं है। बस आपको रोजाना 100 रुपये बचाने हैं। महीने के 3000 रुपये इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में लगाएं 30 साल के लिए छोड़ दें। इससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग भी हो जाएगी। 30 साल बाद आपके पास 4.17 करोड़ रुपये होंगे। ये तो कुछ भी नहीं। रिटर्न की ऐसी ताबड़तोड़ बारिश होगी कि सिर्फ 3.58 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से कमाई होगी।

ऐसे करती है काम

आप भी अच्छा रिटर्न प्राप्त करना चाहते हैं तो इक्विटी मार्केट में पैसा लगा सकते हैं। आप पैसा बनाना चाहते हैं तो लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी सबसे सटीक काम करती है। अपनी इनकम से जरूरी खर्चे निकाल दें और उसके बाद सिर्फ 100 रुपये की रोजाना बचत करें। इस बचत से हर महीने निवेश करना है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) आपके पैसे को सही दिशा देगा और रिटर्न आपके पैसे को बढ़ाता चला जाएगा। इन्वेस्टमेंट एडवाइजर के मुताबिक, अगर बड़ा फंड चाहिए तो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स अच्छा ऑप्शन हो सकता है। निवेशक 30 की उम्र में अपना पहला निवेश 3000 रुपये से करता है और 30 साल तक नियमित निवेश में करे तो बड़ा फंड तैयार होगा। इक्विटी म्यूचुअल फंड के सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में निवेश करना फायदेमंद है।

कम्पाउंडिंग का मिलता है फायदा

एडवाइजर की मानें तो म्यूचुअल फंड में 30 साल के लिए निवेश करना है। इसमें अनुमानित 15% का रिटर्न मिलता है तो करोड़पति बनने की राह आसान हो जाती है। सबसे बड़ा फायदा इसमें कम्पाउंडिंग का मिलता है। मतलब 30 साल में 15% के साथ कम्पाउंड इंट्रस्ट का भी फायदा मिलेगा, लेकिन, इससे भी जरूरी है सबसे सटीक फॉर्मूला, जो एसआईपी में चार चांद लगा देगा। ये फॉर्मूला स्टेप अप एसआईपी का है। आपको बस हर साल 10% का स्टेप-अप रेट रखना है।

10% स्टेप-अप से बनेगा 4.50 करोड़ का कॉर्पस

आप 30 साल के हैं. रोजाना 100 रुपये बचाकर एसआईपी में निवेश किया है। 30 साल के लिए लॉन्ग टर्म स्ट्रैटेजी का लक्ष्य रखा। हर साल 10% स्टेप-अप करते रहे। 3000 रुपये से शुरुआत की तो अगले साल 300 रुपये बढ़ाने होंगे। 30 साल बाद आपके पास 4,50,66,809 रुपये मैच्योरिटी अमाउंट होगा। एसआईपी कैलकुलेटर के हिसाब से 30 साल में आपका कुल निवेश 59,21,785 रुपये होगा, लेकिन, यहां सिर्फ रिटर्न से 3 करोड़ 91 लाख 45 हजार 025 रुपये का फायदा होगा। एसआईपी में ये ही रिटर्न का जादू है। इस तरह सबसे सटीक फॉर्मूला स्टेप-अप की मदद से आपके पास 4 करोड़ 50 लाख रुपये का बड़ा फंड तैयार होगा।

28 साल में भी बन सकते हैं करोड़पति

आप 28 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं बशर्ते आपका म्यूचुअल फंड आपको 13 प्रतिशत का रिटर्न दे। इस रिटर्न के हिसाब से आपकी संपत्ति 28 साल के बाद 10,176,162 रुपये होगी।

म्यूचुअल फंड पर कितना मिलता है रिटर्न

ज्यादातर विशेषज्ञों के मुताबिक एसआईपी के जरिए आप औसतन 12 प्रतिशत तक का ब्याज पा सकते हैं और कभी-कभी यह ब्याज दर बाजार के रही तेजी के कारण 15 और 20 फीसदी तक भी पहुंच सकती है या मंदी के कारण कम भी हो सकती है। आपको ब्याज संचय से लाभ होता है, और आप एसआईपी से आसानी से अपनी संपत्ति को बढ़ा सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार आप जितने लंबे समय तक एसआईपी के जरिए निवेश करेंगें आपका लाभ उतना ही अधिक होगा।

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें, कुछ समय खुद पर निवेश करें

नई स्किल्स सीखें और घूमें और खुद की वैल्यू को बढ़ाएं, स्किल के दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ा पाएंगे, इससे आप कुछ समय बाद बड़ा अमाउंट निवेश पाएंगे, 15 लाख के बजाय बना पाएंगे 1.5 करोड़ तक का कॉर्पस, मोटा निवेश करेंगे तो मोटा मुनाफा भी मिलेगा

मुनाफा

बिजनेस डेस्क

नौकरी लगते ही निवेश के चक्कर में न पड़ें। कुछ साल तक खुद पर निवेश करें और अपनी प्रतिभा को और निखारें। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं। इसके बाद आपके पास निवेश करने के लिए अधिक पैसे होंगे और आप अच्छा रिटर्न प्राप्त कर पाएंगे। लेकिन यह मानसिकता उन लोगों के लिए है जो ज्यादा अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। हालांकि आपने अक्सर लोगों को यह कहते सुना होगा कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करोगे, उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा। जब 22-23 साल की उम्र में किसी की नौकरी लगती है, तो उसे सबसे पहले यही सलाह दी जाती है कि तुरंत निवेश शुरू कर दो, भले ही वह छोटा सा क्यों ना हो। ये बात बिल्कुल सही है कि जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, कंपाउंडिंग की वजह से आपको उतना ही ज्यादा रिटर्न मिलेगा, लेकिन यह सिर्फ उन लोगों के लिए अच्छा है, जो बड़ा अमाउंट निवेश कर पा रहे हैं। मामूली निवेश करने वाले लोग अगर ये सोचेंगे, तो तगड़ा रिटर्न नहीं कमा पाएंगे।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए कि 22-23 साल की उम्र में करीब 25 हजार रुपये की सैलरी वाली आपकी नौकरी लग जाती है। अब इसमें से अगर आप हर महीने कम से कम 10-15 हजार रुपये निवेश कर पाएं, तब तो आपको कंपाउंडिंग का फायदा समझ आएगा, वरना आपका निवेश करना आपको फायदा नहीं देगा। दिल्ली-एनसीआर जैसे शहरों में 20-25 हजार रुपये तक को एक आदमी का घर का किराया, खाना-पीना, ऑफिस आना जाना और कपड़े आदि में ही खर्च हो जाता है। यानी इतनी कम सैलरी से अगर आप बचा भी सके तो मुश्किल से 1-2 हजार रुपये ही हर महीने निवेश कर पाएंगे। वहीं अगर अपने खर्चों को बहुत ज्यादा कम भी कर दिया तो भी 5 हजार रुपये से ज्यादा बचा पाना काफी मुश्किल है।

पांच साल में रिटर्न

अगर आप हर महीने 5 हजार रुपये निवेश करते हैं और साल दर साल उसे 10 फीसदी की दर से बढ़ाते हैं तो 5 साल में आप 4,67,755 रुपये का कॉर्पस बना लेंगे।

ऐसे करें तुलना

अगर आप करियर शुरू होने के बाद से ही 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करते जाते और हर साल उसे 10 फीसदी बढ़ाते जाते तो आपके पास 10 साल में करीब 15 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो रहा था। बशर्ते आपको हर साल 10 फीसदी का औसतन रिटर्न मिलता। वहीं दूसरी ओर, अगर आप 5 साल खुद पर निवेश कर के अपनी सैलरी 4 गुना कर के निवेश शुरू करते हैं तो महज 5 साल में ही अपने कॉर्पस को 1.5 करोड़ रुपये तक का बना सकते हैं, यानी 10 गुना ज्यादा। तो करियर के शुरुआती दौर में भविष्य के लिए निवेश ना करें, अपने ऊपर निवेश करें, ताकि खुद के भविष्य को बेहतर बना सकें।

इसमें आपका कुल निवेश होगा 3,66,306 और उस पर आपको 1,01,449 का ब्याज मिलेगा। यह भी तब होगा तब आपको 10 फीसदी की दर से रिटर्न मिलेगा, जबकि तमाम बैंकों में एफडजी रेट 7-8 फीसदी से अधिक नहीं हैं। अगर आप इसी दर से 10 सालों तक निवेश करते हैं तो आपके पास 15,22,926 का कॉर्पस जमा हो जाएगा।

शुरूआत में यह करें

करियर के शुरुआती 5 सालों में आपको पैसे निवेश करने के बजाय उन्हें खुद पर इन्वेस्ट करना चाहिए। जो पैसे बचाकर आप निवेश करने की सोच रहे थे, उन पैसों को बचाकर कोई नई स्किल सीखें। इस बात की हर संभव कोशिश करें कि कैसे आप अपनी सैलरी को 4-5 गुना या उससे भी ज्यादा कर सकते हैं। आपको सिर्फ नई स्किल सीखने पर ही फोकस नहीं करना चाहिए, बल्कि घूमने-फिरने पर भी पैसे खर्च करने चाहिए। स्टार्टअप्स के इस दौर में आपको अक्सर देखने को मिलता होगा कि लोगों को कोई समस्या दिखी और उन्होंने उसका समाधान निकालते हुए स्टार्टअप शुरू कर दिया। तो शुरू के कुछ साल पैसे किसी स्कीम में लगाने के बजाय, खुद पर लगाएं और अपनी वैल्यू बढ़ाएं।

जमा हो जाएंगे 1.5 करोड़ रुपये

मान लीजिए कि आप 5 सालों तक अपने निवेश किए जाने वाले पैसों से कुछ स्किल सीखते हैं और उसके दम पर अपनी सैलरी 3-4 गुना तक बढ़ाने में कामयाब हो जाते हैं, जो बड़ी बात नहीं है। ऐसे में पहले आपकी जो सैलरी 25 हजार रुपये थी, अब वह 4 गुना तक बढ़कर 1 लाख रुपये हो सकती है। अब अगर 5 साल बाद आपके खर्चे 20 हजार रुपये महीने से बढ़कर 50 हजार रुपये महीना भी हो जाते हैं, तो भी आपके पास करीब 50 हजार रुपये बचेंगे। इस तरह अगर आप अगले 5 साल 50 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी बढ़ाते हुए निवेश करते हैं तो आपके पास करीब 1.52 करोड़ रुपये तक जमा हो सकते हैं।

आईडियाः शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए

- यह इनकम बढ़ाने का सबसे आसान तरीका
- आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज
- इसके लिए किसी बड़े निवेश की जरूरत नहीं

होम ट्यूटर बनकर कमा सकते हैं हर महीने हजारों रुपये

जानकारी

बिजनेस डेस्क

यदि आप पढ़े लिखे हैं और बेरोजगार हैं तो आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। आप इस बिज़नस के माध्यम से हर माह अच्छे खासे रुपये कमा सकते हैं। यदि आप खुद का बिज़नस शुरू करना चाहते हैं तो होम ट्यूटर बनना आपके लिए बेहतरीन बिजनेस आईडिया हो सकता है। यह एक ऐसा कारोबार है, जिसमें कोई बड़ा निवेश करने की भी जरूरत नहीं होती। इसे आप गांव, कस्बे या शहर कहीं भी कर सकते हैं। हालांकि आपकी शिक्षा पर अच्छी कमांड होनी चाहिए। आप किसी भी शहर में हिंदी, अंग्रेजी, साइंस, मैथ, केमेस्ट्री और फिजिक्स जैसे सबजेक्ट पढ़ाकर आसानी से अपनी इनकम बढ़ा सकते हैं। इसके अलाव छोटे बच्चों को भी ट्यूशन दे सकते हैं। आजकल बच्चों में ट्यूशन का बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। ऐसे आप होम ट्यूटर बनकर अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

क्या है होम ट्यूटर

होम ट्यूटर एक ऐसा बिज़नस है जो अपने घर से शुरू किया जा सकता है। यही नहीं यदि आपके पास किसी मोहल्ला या शहर में जगह है तो आप अपने खुद का इंस्टिट्यूट खोल सकते हैं। होम ट्यूटर बिज़नस के माध्यम से आप छोटे बच्चों से लेकर बड़े बच्चों तक की ट्यूशन क्लास शुरू कर सकते हैं, जिसमें आप कक्षा हिंदी, अंग्रेजी और गणित के साथ विज्ञान के बच्चों को अपने घर से पढ़ाना शुरू कर सकते हैं। यही नहीं आपको मालूम ही है कि आजकल टेक्नोलॉजी का जमाना है। आप अपने घर से ऑनलाइन होम ट्यूटर के माध्यम से भी बच्चों को पढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी एक विषय में दक्ष हैं तो आप एक विषय के जरिए भी होम ट्यूटर बिज़नस को शुरू कर सकते हैं।

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन शुरू करने से पहले आपको इस बिज़नस की योजना को तैयार करना होगा। क्योंकि कोई भी बिज़नस हो बिना योजना के शुरू नहीं किया जा सकता। उसके बाद बच्चों को और उनके पेरेंट्स को होम ट्यूशन के बारे में जानकारी देने के लिए आपको अपने मोहल्ले और शहर में प्रचार प्रसार करना होगा, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। होम ट्यूशन में अधिक से अधिक बच्चों को जोड़ने के लिए आप ऑनलाइन सोशल मीडिया इंस्टाग्राम, फेसबुक और व्हाट्सएप का तरीका अपना सकते हैं। यही नहीं आप अपने मोहल्ले में बच्चों को आकर्षित करने के लिए पेम्पलेट का भी प्रयोग कर सकते हैं।

शुरू में बच्चों को छूट दें

इस बिज़नस को शुरू करने से पहले बच्चों को फीस में छूट देनी होगी, ताकि बच्चे आपसे ज्यादा से ज्यादा जुड़ सकें। इसके अलावा, यदि आप अपने दक्ष विषय के अलावा दूसरे विषयों की भी होम ट्यूशन को शुरू करना चाहते हैं, तो आपके पास उन विषयों में दक्ष टीचर भी होने आवश्यक है।

कितनी हो सकती है कमाई

होम ट्यूशन के जरिए आप हर माह हजारों रुपये तक की कमाई कर सकते हैं। इसके अलावा यदि आपके पास जितने ज्यादा बच्चे होंगे उतनी कमाई आपकी दुगनी होगी। एक उदाहरण के तौर पर समझे तो आप एक बच्चे से हजार रुपये हर महीने के लेते हैं और आपके पास 50 बच्चे भी हैं तो इस अनुसार आप हर माह 50,000 रुपये तक कमा सकते हैं।

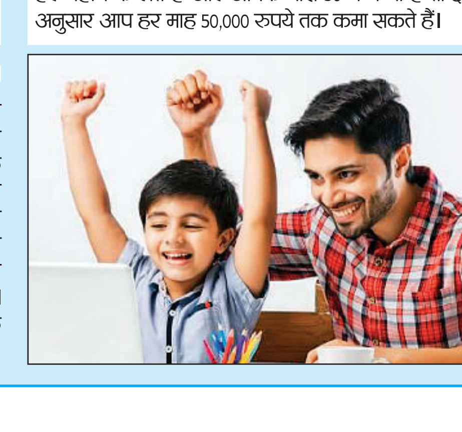

पहले जानें जरूरी जानकारी

होम ट्यूशन के फायदे

एक ही छात्र पर होता ध्यान : अभिभावकों द्वारा होम ट्यूशन लगाने का एक सबसे बड़ा कारण यह है कि स्कूलों में एक क्लास में कई छात्र होते हैं और शिक्षक प्रत्येक छात्र पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते। होम ट्यूशन में एक शिक्षक का ध्यान एक छात्र पर रहता है और वो अपना पूरा ध्यान केंद्रित करके एक छात्र को अच्छी तरह सब समझा पाते हैं।

अच्छे शिक्षक मिलते हैं : होम ट्यूशन में आप अपने अनुसार अनुभवी शिक्षकों से अपने बच्चों को पढ़ा सकते हैं। कई स्कूलों में अनुभवी शिक्षक नहीं होते हैं। वहीं होम ट्यूशन देने वाले शिक्षकों को कई सालों का अनुभव होता है। आप अपनी क्षमता के अनुसार होम ट्यूशन लगा सकते हैं। आप अच्छे से अच्छे शिक्षक को घर पर अपने बच्चे को पढ़ाने के लिए बुला सकते हैं।

अधिक सीखने को मिलता है : होम ट्यूशन में छात्र अपनी क्षमता अनुसार अधिक भी सीख सकते हैं। स्कूलों में सभी बच्चों के अनुसार पढ़ाया जाता है। वहीं अगर आपका बच्चा अधिक सीखने की क्षमता रखता है तो अपने अनुसार पढ़कर सिलेबस को जल्दी खत्म करा सकता है।

छात्रों को मिलता है अच्छा माहौल : होम ट्यूशन से छात्रों को पढ़ने का अच्छा माहौल मिलता है। वे अपने अनुसार पढ़ाई कर सकते हैं। स्कूलों में क्लास में अधिक छात्रों के होने के कारण छात्र खुलकर शिक्षकों से सवाल नहीं पूछे पाते हैं। वहीं होम ट्यूशन में छात्र अपनी सुविधा के अनुसार शिक्षकों से आराम से सावल भी कर पाते हैं और अपने डाउट्स भी क्लीयर कर पाते हैं।

आईपीएल 2024 : अब तक 36 बार बन चुके 200+ स्कोर, इनमें से आठ बार पार हुआ 250+ का आंकड़ा

200+ स्कोर बनने का दर 2023 में 25.17 प्रतिशत, 2024 में बढ़कर 30.17 प्रतिशत हो चुका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आईपीएल 2024 में रनों की बारिश हो रही है। इस साल लीग राउंड अभी खत्म नहीं हुआ है कि हजार छक्के पूरे हो चुके हैं। गेंद के हिसाब से सबसे तेज हजार छक्कों का रिकॉर्ड बना है। वहीं, औसतन हर दूसरे मैच में 200+ के स्कोर बन रहे हैं। इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आने के बाद से 200+ के स्कोर में काफी बढ़ोतरी हुई है।

एक अतिरिक्त बल्लेबाज का हर टीम फायदा उठा रही है। उच्चतम स्कोर का रिकॉर्ड इस सीजन कई बार टूट चुका है। इतना ही नहीं सबसे बड़े चेज का रिकॉर्ड भी टूट गया। इसे रिकॉर्डतोड़ सीजन भी कहा जा रहा है। इसके बाद टी20 विश्व कप भी खेला जाना है। ऐसे में खिलाड़ी आईपीएल को तैयारी के तौर पर ले रहे हैं।

इम्पैक्ट प्लेयर के नियम से पड़ा असर

इस सीजन अब तक 59 मैचों की 118 पारियों में 36 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बन चुके हैं। जो पिछले सभी सीजन को मिलाकर इतने मैचों के बाद सबसे ज्यादा हैं। पिछले साल यानी आईपीएल 2023 में 74 मैचों की 147 पारियों में 37 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे, जो आईपीएल के एक सीजन में 200+ के स्कोर का रिकॉर्ड है। हालांकि, इस सीजन यह रिकॉर्ड ध्वस्त होता हुआ दिख रहा है। वहीं, 2022 में 74 मैचों की 148 पारियों में 18 बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने थे। 2023 में ही इम्पैक्ट प्लेयर का नियम आईपीएल में लागू हुआ था और उसके बाद से 200+ के स्कोर में गजब की बढ़ोतरी हुई है। जहां 2022 में 200+ का स्कोर बनने का दर 12.16 प्रतिशत था, वहीं 2023 में यह बढ़कर 25.17 प्रतिशत हो गया था। इस सीजन अब तक यह बढ़कर 30.5 प्रतिशत हो चुका है।

इस साल आठ बार 250 का आंकड़ा पार

आईपीएल के पहले संस्करण यानी 2008 में 11 बार 200+ के स्कोर बने थे। इसके बाद 2009 से लेकर 2017 तक यह आंकड़ा 10 बार से ऊपर नहीं गया। 2018 से 2020 तक यह आंकड़ा अधिकतम 14 बार से ऊपर नहीं गया। वहीं, 2021 में नौ ही बार 200 या इससे ज्यादा के स्कोर बने। आईपीएल 2024 में अब तक आठ बार 250+ का स्कोर बन चुका है। वहीं, 2023 में सिर्फ एक बार 250+ रन बना था। तब लखनऊ सुपर जाएंट्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 257 रन बनाए थे।

2024 में 13 बार दोनों पारी में बने 200+ स्कोर

आईपीएल 2024 में ऐसे 13 मैच हुए हैं जब दोनों पारियों में 200-200 के स्कोर बने। यह एक रिकॉर्ड है। इससे पहले 2023 में 12 बार या 12 मैच ऐसे हुए थे जब दोनों पारियों में 200+ के स्कोर बने थे। 2022 में ऐसा पांच बार, 2008, 2010, 2018 और 2020 में ऐसा चार बार, 2014 और 2021 में ऐसा तीन बार, 2017 और 2019 में ऐसा दो बार, 2011, 2012 और 2016 में ऐसा एक बार हुआ था। 2009, 2013 और 2015 में ऐसा कोई मैच नहीं हुआ, जिसमें दोनों पारियों में 200+ के स्कोर बने हों। इन सीजन में सिर्फ एक पारी में 200+ का स्कोर बना।

सत्र में 200+ का स्कोर

वर्ष	200+	मैच	पारियां
2024	36*	59*	118*
2023	37	74	147
2022	18	74	148
2021	9	60	120
2020	13	60	120
2019	11	59	118
2018	14	60	120
2017	10	59	118
2016	6	60	120
2015	7	59	117
2014	9	60	120
2013	4	76	152
2012	5	74	148
2011	5	72	144
2010	9	59	118
2009	1	59	118
2008	11	58	116

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
कोलकाता	12	9	3	18
राजस्थान	11	8	3	16
हैदराबाद	12	7	5	14
चेन्नई	12	6	6	12
दिल्ली	12	6	6	12
लखनऊ	12	6	6	12
बेंगलोर	12	5	7	10
गुजरात	12	5	7	10
मुंबई	13	4	9	8
पंजाब	12	4	8	8

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
634 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

हर्षल पटेल
20 विकेट
पंजाब

खबर संक्षेप

सुदर्शन ने जीता स्मिथ और मूडी का दिल

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आक्रामक शतक लगाकर गुजरात टाइटंस की जीत के सूत्रधार रहे बी साई सुदर्शन ने ग्रीम स्मिथ और टॉम मूडी जैसे धुरंधरों को प्रभावित किया है। तीसरे नंबर पर उतरने वाले सुदर्शन का शुक्रवार तक स्ट्राइक रेट 131.67 था लेकिन चेन्नई के खिलाफ पारी की शुरुआत करते हुए उन्होंने 201.96 की स्ट्राइक रेट से 51 गेंद में 103 रन बनाए। स्मिथ ने कहा, 'सुदर्शन इस सत्र में गुजरात के लिए सबसे ज्यादा रन बना चुका है। सबसे तेजी से आईपीएल में 1000 रन पूरे किए हैं। उसके बारे में और बात होनी चाहिए।'

बल्लेबाजों को स्ट्राइक रेट सुधारने की जरूरत

कराची। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान यूनिस खान ने बाबर आजम, फखर जमां और मोहम्मद रिजवान जैसे अन्य अनुभवी खिलाड़ियों को आधुनिक क्रिकेट की आवश्यकताओं के अनुरुप स्ट्राइक रेट बढ़ाने की सलाह दी है। यूनिस ने शुक्रवार को कराची में कहा कि खिलाड़ियों को टी20 प्रारूप में किसी भी क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए। इसी तरह गेंदबाजों को दबाव की स्थिति में गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कोलकाता प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम

केकेआर ने मुंबई को सीजन में दूसरी बार हराया, चक्रवर्ती मैन ऑफ द मैच

एजेंसी ▶▶| ईडन गार्डन

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने बारिश से बाधित मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 18 रनों से हराया। केकेआर की यह नौवीं जीत है और वह 18 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर मौजूद है। इसी के साथ कोलकाता आईपीएल 2024 सीजन के प्लेऑफ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इससे पहले बारिश के कारण मैच दो घंटा 15 मिनट की देरी से शुरू हुआ। बारिश ने इस मैच में खलल डाला जिससे मुकाबले को 16-16 कराने का फैसला किया गया। मुंबई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और गेंदबाजों ने कप्तान का फैसला सही साबित करने में देर नहीं लगाई। केकेआर शुरुआती झटकों से नहीं उबर सकी और टीम ने 16 ओवर में सात विकेट पर 157 रन बनाए।

इसके बाद उसने मुंबई इंडियंस को आठ विकेट पर 139 रन ही बनाने दिये। केकेआर के लिए वेंकटेश अय्यर ने 21 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाए। मुंबई की ओर से तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा ने दो-दो विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई को रोहित शर्मा और ईशान किशन की सलामी जोड़ी ने तेज शुरुआत दिलाई, लेकिन पावरप्ले के बाद सुनील नरेन ने ईशान को आउट कर मुंबई को पहला झटका दिया। यहां से मुंबई की पारी पूरी तरह लडखड़ा गई और फिर संभल नहीं सकी। मुंबई की 13 मैचों में यह नौवीं हार है और वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर मौजूद है। मुंबई की टीम पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।

चेन्नई की जीत से प्लेऑफ की राह होगी आसान, रॉयल्स देगा चुनौती

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग के प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को मजबूत करने के लिए राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

सुपर किंग्स की टीम अभी 12 मैच में 12 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है लेकिन गुजरात टाइटंस के खिलाफ शुक्रवार को हार के कारण उस पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है और उसे अब बाकी बचे दोनों मैच में जीत दर्ज करने की जरूरत है। दूसरी तरफ रॉयल्स के 16 अंक हैं और वह दूसरे स्थान पर है लेकिन पिछले दो मैच में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के कारण उसका मनोबल गिरा है। रॉयल्स की टीम पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने का खतरा नहीं मंडरा रहा है लेकिन संजू सैमसन की अगुवाई वाली टीम नॉकआउट चरण से पहले जीत की राह पर लौट के लिए बेताब होगी।

खास खबर

नीरज डायमंड लीग का अगला चरण जीतने के लिए प्रतिबद्ध

एजेंसी ▶▶| दोहा

ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा चरण में दूसरे स्थान पर रहने के बाद डायमंड लीग की अगली प्रतियोगिता जीतने के लिए प्रतिबद्ध हैं। चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में अपने अंतिम प्रयास में 88.36 मीटर भाला फेंक कर दूसरा स्थान हासिल किया था। वह इस चरण में स्वर्ण पदक जीतने वाले जैकब वाडलेज्च से केवल 2 सेंटीमीटर पीछे रह गए थे। सत्र की अपनी पहली प्रतियोगिता में भाग ले रहे चोपड़ा ने अपने अंतिम प्रयास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया लेकिन वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाए। दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स ने 86.62 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने कहा, 'मेरे लिए इस साल की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता पेरिस ओलंपिक है। लेकिन डायमंड लीग भी काफी महत्वपूर्ण है। यह मेरी इस सत्र की पहली प्रतियोगिता है तथा मैं केवल 2 सेंटीमीटर के अंतर के कारण दूसरे स्थान पर रहा लेकिन अगली बार में इससे बेहतर प्रदर्शन करके जीत दर्ज करने की कोशिश करूंगा।'' डायमंड लीग का अगला चरण, जिसमें भाला फेंक स्पर्धा शामिल है, सात जुलाई को पेरिस में होगा।

टंडन की विश्व स्क्वाश में शानदार जीत

नई दिल्ली। भारत के रमित टंडन ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अमेरिका के फराज खान को हराकर काहिरा में चल रही विश्व स्क्वाश चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया। विश्व रैंकिंग में 36वें नंबर के खिलाड़ी और इस टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश पाने वाले टंडन ने विश्व में 57वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को केवल 13 मिनट में 11-1, 11-3, 11-3 से करारी शिकस्त दी। इस टूर्नामेंट में भाग ले रहे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी टंडन का अगला मुकाबला रविवार को इंग्लैंड के सातवीं वरीयता प्राप्त मोहम्मद अल शोरबागी से होगा।

न्यायालय श्रीमान व्यवहार न्यायाधीश महोदय
वरिष्ठ खंड घंसौर जिला सिवनी
वाद क्र० ...../24 प्रस्तुत दिनांक 3/05/2024
बैनी प्रसाद पिता सूरज प्रसाद यादव
..........वादी
विरुद्ध
डेलन सिंह पिता ऐसलाल यादव एवं अन्य -6
....प्रतिवादी गण
// इश्तिहार //
वादी बैनी प्रसाद पिता सूरज, प्रसाद यादव द्वारा मेरे न्यायालय के समक्ष विक्रय पत्र शुन्य एव अवैध घोषित किये जाने की उदघोषणा हेतु दावा प्रस्तुत किया गया है जिसमे आप प्रतिवादीगण के रूप मे हितबद्ध पक्षकार है उक्त व्यवहार वाद क्रमांक आर सी एस ए-26/2023 में आप निम्न लिखित प्रतिवादी की उपस्थिति हेतु दिनांक 3/07/2024 को आगामी पेशी नियत की गई है -
1. राजकुमार पिता ईश्वरदत्त शर्मा जाति ब्राम्हण उम्र 62 वर्ष निवाती डी 112, गली नम्बर 4, गंगा बिहार देहली, 110094
अतः उपरोक्त संबध में आप उपरोक्त प्रतिवादी को सूचित किया जाता है कि उक्त संबध में कोई उजर आपत्ति हो तो आगामी नियत पेशी दिनांक 3/7/2024 को स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे, प्रकरण में कोई आपत्ति अथवा आपकी उपस्थिति ना होने पर आपके विरुद्ध एक पक्षिय कार्यवाही की जाकर प्रकरण में आगामी कार्यवाही की जायेगी। पेशी नियत दिनांक 3/07/2024 को अवकाश होने की स्थिति में आगामी कार्य दिवस में सुनवाई की जायेगी।
आज दिनांक 03/05/2024 को न्यायालय की पद मुद्रा से जारी।
(पूर्णिमा सैयाम)
मुहर
प्रथम व्यवहार न्यायाधीश
घंसौर, जिला- सिवनी (म.प्र.)

भारत को ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलेंगे

नई दिल्ली। मशहूर तीरंदाजी कोच और मेंटोर किम ह्युंग ताक का मानना है कि हाल ही में विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने वाले भारतीय तीरंदाजों को मजबूत तकनीकी अभ्यास का फायदा ओलंपिक में मिलेगा जहां वे स्वर्ण पदक जीत सकते हैं। अभी तक तीरंदाजी में भारत के लिये एकमात्र ओलंपिक कोटा धीरज बोम्मादेवरा ने जीता है। किम ने सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में कोचों के सेमिनार के संचालन के बाद कहा, 'भारतीय रिकर्व टीम ने काफी दमदार तकनीकी अभ्यास किया है। इससे उन्हें ओलंपिक में अच्छे नतीजे मिलने में मदद मिलेगी।'

फाइनल आज
क्वालीफाई करने वाले निशानेबाजों को जुटाने होंगे पोडियम अंक

मनु और भानवाला ओलंपिक चयन ट्रायल में शीर्ष स्थान पर

एजेंसी ▶▶| भोपाल

ओलंपियन निशानेबाज मनु भाकर और अनीश भानवाला शनिवार को यहां राइफल और पिस्टल के लिए ओलंपिक चयन ट्रायल में अपनी स्पर्धाओं के क्वालीफिकेशन राउंड में मजबूत स्कोर से शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

अनीश ने पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में 587 अंक के स्कोर से शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि मनु महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 585 अंक से तीसरे स्थान पर रहीं। फाइनल रविवार को होगा जिसमें क्वालीफाई करने वाले पांच निशानेबाजों महत्वपूर्ण पोडियम अंक जुटाने होंगे। महिलाओं की पिस्टल स्पर्धा में रिदम सांगवान 586 अंक से शीर्ष पर रहीं जबकि सिमरनप्रीत कौर बराड़ 585 अंक के साथ मनु को पछाड़कर दूसरे स्थान पर रहीं। ईशा सिंह (579) चौथे और अभिदन्या अशोक पाटिल (575) पांचवें स्थान पर रहीं। इसका मतलब फाइनल कैसा भी रहे मनु अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर कम से कम चार अंक की बढ़त से चौथे ट्रायल में उतरेगी। दूसरे स्थान के लिए ईशा, रिदम और सिमरनप्रीत के बीच कड़ी टक्कर होगी। भानवाला ने भी अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पर दो अंक की बढ़त बनायी हुई है। विजयवीर सिद्धू और भावेश शेखावत के बीच दूसरे स्थान के लिए मुकाबला कड़ा होगा।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
धारा 82 सीआरपीसी देखिए
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विक्रम उर्फ काले, पुत्र श्री भगवान निवासी मकान नंबर एफ-2/272, शनि बाजार रोड, सुल्तानपुरी, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 308/2018 भा.द.सं. की धारा 392/411/34 के तहत, थाना नांगलोई, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ काले** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ काले** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बच्चने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।
इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 308/2018 भा.द.सं. की धारा 392/411/34 के तहत, थाना नांगलोई, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विक्रम उर्फ काले** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **24.06.2024** को या उससे पूर्व हाजिर हो।
आदेशानुसार
श्री शुभम डेवडिया
महानगर दण्डाधिकारी-05, पश्चिम, कमरा नं.336ए,
दि.पु./5499/बाहरी जिला/2024
तृतीय तल, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली

ज्योतिष
सबको आजमाया बार-बार
हमें आजमाये सिर्फ एक बार
तंत्र-मंत्र के सम्राट
जिसे होगा ज्ञान वही करेगा काम
सभी समस्याओं का समाधान
बाबा अकबर खान
स्पे. प्रेम विवाह, किया कराया, कारोबार, शादी में रूकावट, ग्रहक्लेश, विदेश यात्रा, मुठकरनी, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, A to Z सभी समस्याओं का तुरत समाधान पायें।
नोट : अगर कोई मुझसे पहले काम करके दिखाए तो उसे मुँह मांगा ईनाम
9810842229
बी-5, बलराम हाऊस, मिलने सिनेमा के सामने, करमपुरा, नई दिल्ली-110015
फीस 201/-रु

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण मिली सजा

पंत पर एक मैच का बैन, 30 लाख का लगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रविवार को होने वाले अहम मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस मैच के आखिरी ओवर में तय समय से 10 मिनट पीछे थी। दिल्ली की टीम को इससे पहले सत्र की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स (31 मार्च) और कोलकाता नाइट राइडर्स (तीन अप्रैल) के खिलाफ धीमी ओवर का दोषी पाया गया था। आईपीएल के बयान के मुताबिक, 'न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का मौजूदा सत्र का तीसरा अपराध है, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपए के जुर्माना लगाया गया है और एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया।

इम्पैक्ट प्लेयर सहित शुरुआती एकादश के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपए या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।'

खिलाड़ियों पर भी 12 लाख रुपये या मैच फीस का 50 फीसदी जुर्माना

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
प्रथम शुद्धि पत्र
विषय: प्रथम शुद्धिपत्र निविदा क्रमांक 332-Dy.CEE/C/NDLS/2022-23(R-5) के लिए – फरीदाबाद स्टेशन के पुनर्विकास और प्रमुख उन्नयन के विद्युतीकरण कार्य के लिए 25 केवी एसी सिंगल फेज ओएचई का डिजाईन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग और संशोधन के कार्य के लिए। निविदा में आंशिक संशोधन करते हुए, निम्नलिखित परिवर्तन किए गए हैं इन्हें नीचे पढ़ा जा सकता है:–

क्र. सं.	विवरण	मौजूदा प्रावधान	संशोधित प्रावधान और इस रूप में पढ़ें
1.	ई–निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	दिनांक 27.05.2024 को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in को 17:00 बजे निविदा अपलोड की जा सकती हैं। निविदादाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 27.05.2024 को 11:30 बजे खोली जाएगी।	दिनांक 20.05.2024 को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात् www.ireps.gov.in को 12:00 बजे तक निविदाएं अपलोड की जा सकती हैं। निविदादाता ई–निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 20.05.2024 को 11:30 बजे खोली जाएगी।
2.	निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज	उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा www.ireps.gov.in 13.05.2024 से 27.05.2024	उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा www.ireps.gov.in 11.05.2024 से 20.05.2024

निविदा के सभी नियम और शर्तें समान हैं।
सं.: 332-Dy.CEE/C/NDLS/2022-23 (R-5) दिनांक: 11.05.2024 1430/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

20 साल बाद आया दुनिया का सबसे बड़ा सौर तूफान

असाधारण खगोलीय घटना से विश्व के कई शहरों में ध्रुवीय ज्योति ऑरोरा से रंग-बिरंगा हुआ आसमान, सैटेलाइट्स और पावर ग्रिडस को पहुंचा नुकसान

वॉशिंगटन। दुनिया का सबसे शक्तिशाली सौर तूफान 20 सालों बाद शुक्रवार 10 मई को धरती से टकराया। तूफान के कारण तस्मानिया से लेकर ब्रिटेन तक आसमान में तेज बिजली कड़की। वहीं कई सैटेलाइट्स और पावर ग्रिड्स को भी नुकसान पहुंचा। सोलर तूफान के कारण दुनिया की कई जगहों पर ध्रुवीय ज्योति (ऑरोरा) की घटनाएं देखने को भी मिलीं। इस दौरान सौर तूफान की वजह से आसमान अलग-अलग रंगों को दिखाई दिया। सौर तूफान धरती पर मैग्नेटिक फील्ड को प्रभावित करते हैं। ऐसे तूफानों के कारण पावर ग्रिड को भी नुकसान पहुंचता है। साथ ही विमानों में भी टर्बुलेंस की दिक्कत होती है। इसके चलते अंतरिक्ष यात्रिओं को तूफान के दौरान स्पेस स्टेशन के अंदर रहने की सलाह दी जाती है।

- सौर तूफान का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन
- सौर तूफान के कारण कई सैटेलाइट्स को नुकसान पहुंचा है।
- दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा रहा
- रेडियो संचार क्षेत्र और जीपीएस को खतरा, अलर्ट जारी
- अमेरिका के वैज्ञानिकों ने इसे जी4 घटना करार दिया

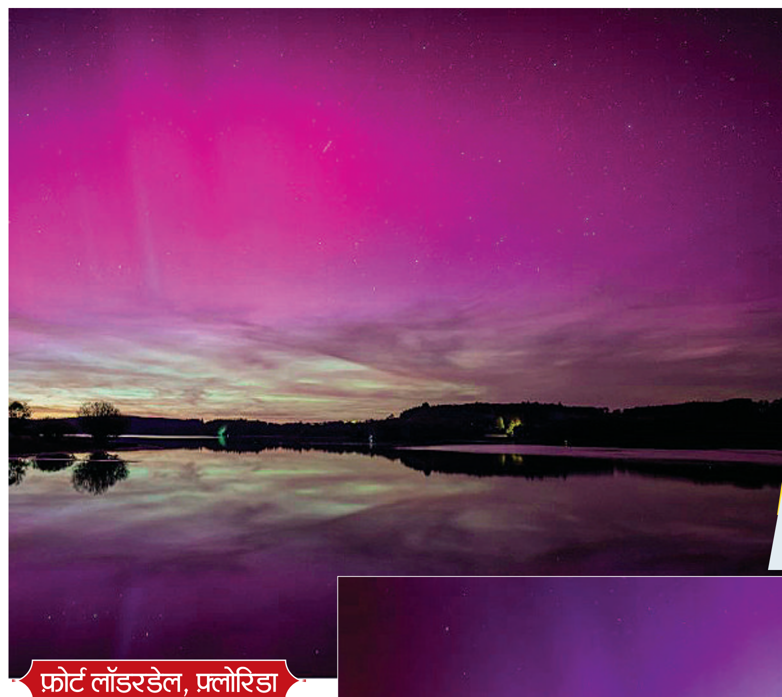
फ़ोर्ट लॉडरडेल, फ्लोरिडा

सप्ताह के अंत तक रहेगा असर

अमेरिकी वैज्ञानिक संस्था 'नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (एनओएए) के मुताबिक इस सौर तूफान का असर सप्ताह के अंत तक रहेगा। इसे मुख्य तौर पर दुनिया के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में देखा जा सकेगा। लेकिन अगर यह तेज होता है तो इसे और भी कई जगहों पर देखा जा सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने दो दशकों बाद अपनी पहली गंभीर भू-चुंबकीय तूफान घड़ी भी जारी की है। इसे जी4 घटना करार दिया गया है। यह तूफान अमेरिकी सरकार के पैमाने के अनुसार, दूसरा सबसे गंभीर तूफान है।

शिर्के, जर्मनी

रेडियो सिग्नल से कई सेवाएं बाधित

तूफान से रेडियो संचार और जीपीएस को खतरा हो सकता है। सिग्नलों के बाउंस-बैक को बाधित करती हैं। आवश्यक सेवाओं के साथ-साथ विमानन, समुद्री, कृषि और ऊर्जा क्षेत्रों भी जीपीएस नेविगेशन पर ही निर्भर हैं। यह सभी व्यवधान के कगार पर हैं। जीपीएस सेवाओं की अखंडता चिंता का विषय है। दुनिया भर में सैटेलाइट ऑपरेटर्स, एयरलाइंस और पावर ग्रिड को ऑपरेटर अलर्ट पर हैं।

आरलैंडरवीन, नीदरलैंड

आसमान में दिख रही रंग-बिरंगी रोशनी

सौर तूफान आने का कारण सूर्य से निकलने वाला कोरोनल मास इजेक्शन है। इस दौरान सूर्य से आने वाले पार्टिकल्स धरती के चुंबकीय क्षेत्र (मैग्नेटिक फील्ड) में प्रवेश करते हैं। पार्टिकल्स के धरती पर एंट्री करने के बाद एक रिएक्शन होता है, जिसके कारण पार्टिकल्स चमकदार रंग- बिरंगी रोशनी के रूप में दिखते हैं।

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल-अहमद-अल-सबा ने भंग की देश की संसद

राजनीतिक उठापटक के बीच सभी विभाग नियंत्रण में लिए, कहा- इस समय 'भ्रष्टाचार' बहुत बड़ी समस्या

एजेंसी ▶▶ कुवैत

कुवैत के नए अमीर शेख मिशाल अल-अहमद-अल- सबा ने देश की संसद को भंग कर दिया है। अमीर ने शुक्रवार को सरकारी टीवी चैनल को दिए अपने संबोधन में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं देश के लोकतंत्र के गलत इस्तेमाल की अनुमति नहीं दूंगा। इसके साथ ही उन्होंने चार सालों के लिए देश के सरकारी विभागों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और कई कानूनों को भंग कर दिया है। अमीर कुवैत का सबसे बड़ा पद है। संसद भंग होने के बाद नेशनल असेंबली की सभी शक्तियां अमीर और देश की कैबिनेट के पास आ गई हैं।

कुवैत में राजशाही व्यवस्था

कुवैत में भी अरब देशों का तरह शेख के नेतृत्व वाली राजशाही व्यवस्था है। लेकिन यहां की जनरल असेंबली अरब देशों के मुकाबले वहां की राजनीति में ज्यादा शक्तिशाली है। पिछले कुछ समय से कुवैत में घरेलू राजनीतिक संकट चल रहा है। देश की कैबिनेट और जनरल असेंबली के बीच कई मुद्दों पर टकराव है, जिस कारण से देश को नुकसान हुआ है।

28 साल में 12 बार संसद भंग

कतर की संसद में 50 सदस्य होते हैं, जिसका नेता प्रधानमंत्री होता है। ये सारे सदस्य निर्दलीय रूप से चुने जाते हैं, क्योंकि कुवैत में राजनीतिक पार्टियां पर प्रतिबंध है। इसके अलावा 16 सदस्यों की एक कैबिनेट होती है, जिसे पीएम खुद चुनते है। हालांकि प्रधानमंत्री का पद पर नियुक्ति कुवैत के अमीर ही करते है।

अप्रैल में हुए थे चुनाव

इससे पहले आखिरी बार फरवरी में देश की संसद भंग की गई थी, जिसके बाद अप्रैल में देश में चुनाव हुए थे। अप्रैल में नई संसद की नियुक्ति के बाद 13 मई को पहली बार संसद की बैठक होनी थी, लेकिन कई राजनेताओं ने सरकार में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया था। अमीर ने कहा कि सरकार बनाने में

भारत ने फिलिस्तीन को दिया समर्थन, यूएन में पक्ष में 143 वोट

वॉशिंगटन। भारत ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में एक मसौदा प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। 193 सदस्यीय महासभा ने शुक्रवार की सुबह एक आपातकालीन विशेष सत्र के लिए बैठक की। इस दौरान अरब देशों की ओर से फिलिस्तीन के समर्थन में 'संयुक्त राष्ट्र में नए सदस्यों का प्रवेश' प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव के पक्ष में 143 मत पड़े। अमेरिका तथा इजराइल सहित अन्य 9 देशों ने विरोध में वोट किए। वहीं, 25 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। वोट डाले जाने के बाद यूएनजीए हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। प्रस्ताव में कहा गया था कि फिलिस्तीन संयुक्त राष्ट्र में सदस्य बनने के योग्य है और उसे संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुच्छेद-4 के अनुसार शामिल किया जाना चाहिए।

देश के रक्षा क्षेत्र को अगले 10 वर्षों में 138 अरब डॉलर के सौदे

नई दिल्ली। नोमुरा की ओर से जारी 'इंडिया डिफेंस' नामक एक रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा उपकरणों, प्रौद्योगिकियों और सेवाओं की बढ़ती मांग के बीच भारत के रक्षा क्षेत्र को वित्त वर्ष 2024 से 2032 के दौरान 138 बिलियन अमरीकी डालर का आकर्षक ऑर्डर मिल सकता है। यह स्थिति रक्षा उत्पादन और प्रौद्योगिकी विकास में लगी कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का रक्षा पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 30 तक कुल बजट का 37 प्रतिशत तक बढ़ने की ओर अग्रसर है, इस दौरान वित्त वर्ष 2025 में अनुमानित रूप से 29 प्रतिशत की पर्याप्त वृद्धि हो सकती है। यह वित्त वर्ष 24-30 में 15.5 ट्रिलियन रुपए के संचयी पूंजी परिव्यय के बराबर है, जो पिछली अवधि की तुलना में पर्याप्त वृद्धि का संकेत देता है।

मेक इन इंडिया पर ध्यान

रिपोर्ट में इस वृद्धि का श्रेय रक्षा बजट बढ़ाने, आधुनिकीकरण के प्रयासों और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहल के तहत स्वदेशी विनिर्माण पर सरकार के ध्यान को दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रक्षा क्षेत्र के विभिन्न सेक्टर्स में आकर्षक अवसर प्रदान करता है। अकेले रक्षा एयरोस्पेस क्षेत्र की हिस्सेदारी 50 बिलियन अमरीकी डॉलर की है। इसमें विमान, हेलीकॉप्टर, मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी), एवियोनिक्स और संबंधित प्रणालियों में निवेश शामिल हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109